विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 72 ▸▸ अंक 323 ▸▸ पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 21 अगस्त, 2025
भाद्रपद कृष्ण पक्ष 13, विक्रम संवत् 2082
नगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

"भ्रष्ट करने वाली शक्ति नहीं होती बल्कि भय होता है और सबसे गहरा भय है सत्ता के छीन जाने का भय।
- जॉन स्टाइनबेक

ऑफ बीट

पति ने पूरी की पत्नी की अजब ख्वाहिश!

एक व्यक्ति ने पत्नी की एक ऐसी अनोखी ख्वाहिश पूरी की, जिसके बारे में शायद ही कोई सोच सकता है। दरअसल, महिला चाहती थी कि उसके बेडरूम की छत पर कांच का स्विमिंग पूल हो और पति ने यह करके दिखा दिया। इसका वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर खूब तहलका मचा रहा है। कांच का पूल देखकर नेटिजन्स की आंखें फटी की फटी रह गई हैं। वायरल हो रहे वीडियो में आप देखेंगे कि स्विमिंग पूल को कुछ इस तरह डिजाइन किया गया है कि निचला हिस्सा पारदर्शी है। यानी जब कोई शख्स बेडरूम में होगा, तो वह पूल में तैरते हुए लोगों को भी देख पाएगा। यह अनोखा डिजाइन घर को और भी मॉडर्न लुक दे रहा है। वीडियो में शख्स की पत्नी को कांच के पूल में तैरते हुए भी दिखाया गया है।

50 स्कूलों को बम की धमकी, खाली करवाया

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के करीब 50 स्कूलों को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। इनमें द्वारका के राहुल मॉडल स्कूल और मैक्सफोर्ट स्कूल, मालवीय नगर का एसकेवी और प्रसाद नगर का आंध्रा स्कूल शामिल हैं। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, सुबह 7.40 बजे मालवीय नगर के एसकेवी और 7.42 बजे आंध्रा स्कूल में धमकी की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की टीमें मौके पर पहुंचीं। तलाशी में कोई विस्फोटक नहीं मिला। इस घटना से बच्चों के परिजन घबरा गए। कुछ स्कूलों ने सुरक्षा के चलते ऑनलाइन क्लास शुरू कर दी।

लोकसभा में तीन विधेयक पेशः 130वें संविधान संशोधन बिल पर हंगामा, जेपीसी को भेजा

30 दिनों तक हिरासत पर प्रधानमंत्री सीएम व मंत्रियों को छोड़ना होगा पद

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को 130वें संविधान संशोधन विधेयक समेत तीन बिल पेश किए। विधेयक पेश किए जाने के बीच विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या फिर किसी मंत्री पर 5 साल से अधिक सजा के प्रावधान वाले केस में आरोप लगता है और अगर वह तीस दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहते हैं तो उन्हें पद छोड़ना होगा। इस विधेयक को गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में पेश किया। विधेयक पेश करने के बाद शाह ने एक्स पर लिखा, देश में राजनीतिक भ्रष्टाचार के विरुद्ध मोदी सरकार की प्रतिबद्धता और जनता के आक्रोश को देख कर मैंने संसद में लोकसभा अध्यक्ष की सहमति से संवैधानिक संशोधन बिल पेश किया, जिससे महत्त्वपूर्ण संवैधानिक पद, जैसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री जेल में रहते हुए सरकार न चला पाएं। इस बिल का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में गिरते जा रहे नैतिकता के स्तर को ऊपर उठाना और राजनीति में शुचिता लाना है। इन तीनों बिल से जो कानून अस्तित्व में आएगा, वह यह है कि कोई भी व्यक्ति गिरफ्तार होकर जेल से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केन्द्र या राज्य सरकार के मंत्री के रूप में शासन नहीं चला सकता है। संविधान जब बना, तब हमारे संविधान निर्माताओं ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि भविष्य में ऐसे राजनीतिक व्यक्ति भी आएंगे, जो अरेस्ट होने से पहले नैतिक मूल्यों पर इस्तीफा नहीं देंगे। विगत कुछ वर्षों में देश में ऐसी आश्चर्यजनक स्थिति उत्पन्न हुई कि मुख्यमंत्री या मंत्री बिना इस्तीफा दिए जेल से अनैतिक रूप से सरकार चलाते रहे।

कुछ सांसदों ने बिल की कॉपी फाड़ी, शाह की तरफ उछाला

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, इस बिल में आरोपित राजनेता को गिरफ्तारी के 30 दिन के अंदर अदालत से जमानत लेने का प्रावधान भी दिया गया है। अगर वे 30 दिन में जमानत प्राप्त नहीं कर पाते हैं, तो 31वें दिन या तो केंद्र में प्रधानमंत्री और राज्यों में मुख्यमंत्री उन्हें पदों से हटाएंगे, अन्यथा वे स्वयं ही कानूनी रूप से कार्य करने के लिए अयोग्य हो जाएंगे। कानूनी प्रक्रिया के बाद ऐसे नेता को यदि जमानत मिलेगी, तब वे अपने पद पर पुनः आसीन हो सकते हैं। अब देश की जनता को यह तय करना पड़ेगा कि क्या जेल में रहकर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री द्वारा सरकार चलाना उचित है? विपक्षी सांसदों ने इस विधेयक का जमकर विरोध किया। कांग्रेस, सपा और टीएमसी से इसे संविधान के खिलाफ कदम बताया है। असदुद्दीन ओवैसी ने भी इसका विरोध किया। विधेयक के खिलाफ आक्रोश जताते हुए विपक्षी सांसदों ने अमित शाह की तरफ बिल की कॉपी फाड़ कर फेंक दी। वहीं, कागज के टुकड़े अमित शाह की ओर उछाले। अमित शाह ने ये भी कहा कि सरकार इस बिल को जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव रखती है।

इस्तीफा देकर गया था जेल -शाहः विधेयक पेश करने के बाद अमित शाह ने खुद अपना उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीति में शुचिता बनाए रखने के लिए यह जरूरी है और हम अपनी जिम्मेदारी से न भागे। अमित शाह ने कहा, 'गुजरात में मैं मंत्री तो मेरे ऊपर आरोप लगे। मैंने पद से इस्तीफा दिया और कोर्ट के आदेशों का पालन किया। इसके बाद मैंने दोबारा जिम्मेदारी तब संभाली, जब आरोपों से बरी हो गया और संविधान के तहत मुझे पद हासिल करने का अधिकार मिला।'

1. 130वां संविधान संशोधन बिल

केंद्र सरकार ने इस बिल को लेकर बताया कि संविधान में किसी ऐसे मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है, जिसे गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार किया गया हो और हिरासत में लिया गया हो। इसलिए, ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्रीय कैबिनेट के किसी मंत्री और राज्यों या नेशनल कैपिटल टेरिटरी दिल्ली के मुख्यमंत्री या कैबिनेट के किसी मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239 में संशोधन की जरूरत है।

2. गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (संशोधन) बिल

केंद्र सरकार के मुताबिक, अभी केंद्र शासित प्रदेशों में गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है इसलिए, ऐसे मामलों में मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट, 1963 की धारा 45 में संशोधन की आवश्यकता है।

3. जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल

जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। माजूदा कानून में सीएम या मंत्री को हटाने का प्रावधान जोड़ा गया है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 में संशोधन के बाद गंभीर आपराधिक केस में गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को 30 दिन में हटाने का प्रावधान होगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला

जनसुनवाई के दौरान पहुंचा आरोपी राजेश

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार सुबह सीएम आवास में जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ। सीएम गुप्ता ने शाम करीब 6 बजे एक्स पर लिखा, 'जनसुनवाई के दौरान मेरे ऊपर हुआ हमला दिल्ली की सेवा और जनता की भलाई के संकल्प पर कायराना प्रयास है। हमले के बाद सदमे में थी। अब बेहतर महसूस कर रही हूं।' वहीं, भाजपा विधायक हरीश खुराना ने घटना में आप के शामिल होने का दावा किया है। उन्होंने एक्स पर गुजरात के आप विधायक गोपाल इटालिया के साथ आरोपी की फोटो शेयर की। खुराना ने पोस्ट में लिखा-'जिसका शक था वही हुआ। अरविंद केजरीवाल के खास गोपाल इटालिया के साथ फोटो बहुत कुछ कह रही है। रेखा गुप्ता के ऊपर हुए हमले का कनेक्शन आप से जुड़ता है। केजरीवाल जी प्लीज एक्सप्लेन-यह रिश्ता क्या कहलाता है।' आरोपी राजेश भाई खीमजीभाई सकरिया (41) गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। उस पर हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया गया है।

आरोपी

सीसीटीवी फुटेज में दिखा आरोपी

सोशल मीडिया में सीसीटीवी भी वायरल हो रहा है। इसमें खीमजीभाई 19 अगस्त को सीएम के शालीमार बाग निवास का रेकी करता हुआ दिख रहा है। इस दौरान आरोपी वहां पर एक घर में अंदर घुसते हुए भी दिखाई दे रहा है।

मंत्री वर्मा ने कहा, आरोपी ने पहले की थी रेकी

दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा-दिल्ली को एक ऐसी सीएम मिली है, जो रोजाना आवास पर जनसुनवाई कर रही हैं। दिल्ली-एनसीआर से रोजाना 1000-2000 लोग सीएम के पास आते थे। आज जो हुआ वह बेहद निंदनीय है। हम मुख्यमंत्री से मिले, वह घायल थीं। उनकी एमएलसी की गई। उन्होंने कहा- हमें पता चला है कि आरोपी व्यक्ति पिछले 24 घंटों से सीएम की रेकी कर रहा था, उसने गुप्ता के शालीमार बाग स्थित घर की भी रेकी की। रात सिविल लाइंस में भी गुजारी, ताकि वह मुख्यमंत्री से मिल सके। आज जब वह आया, तो उसके हाथ में कोई कागज नहीं था। उसने सीएम से मिलते ही हमला किया। सीएम के हाथ-पैर और सिर में चोट आई है।

ऑनलाइन गेमिंग बिल लोस से पास

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने लोकसभा में ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाने वाला बिल भी पेश किया है। कैबिनेट ने 19 अगस्त को ऑनलाइन गेमिंग बिल को मंजूरी दी थी। इसमें ऑनलाइन मनी गेमिंग, विज्ञापन, खेल के लिए उकसाने वाले को सजा-जुर्माना या दोनों हो सकता है। तीन साल तक कैद या 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि मनी बेस्ड ऑनलाइन गेमिंग की वजह से लोगों को मानसिक और आर्थिक नुकसान हो रहा है। आने वाले दिनों में फैंटेसी स्पोर्ट्स जैसे ड्रीम-11, रमी, पोकर वगैरह सब बंद हो सकते हैं। ड्रीम-11 भारतीय क्रिकेट टीम की लीड स्पॉन्सर भी है। बुधवार को लोकसभा में प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 पास हो गया।

ये बिल ऑनलाइन गेमिंग को रेगुलेट करने और रियल-मनी गेम्स पर रोक लगाने के लिए है। अगर राज्यसभा में भी ये बिल पास हो गया, तो सभी मनी बेस्ड ऑनलाइन गेम्स पर रोक लग जाएगी। चाहे ये गेम्स स्किल बेस्ड हों या चांस बेस्ड दोनों पर रोक लगेगी।

प्रिज्म जॉनसन ने नई टोलिंग यूनिट का किया शुभारंभ

जागरण, सतना। भवन निर्माण सामग्री कंपनी प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड ने आज मेसर्स जबलपुर सीमेंट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड जेसीआईपीएल जोगीढाना से सीमेंट आपूर्ति का उद्घाटन किया। यह टोलिंग इकाई प्रिज्म सीमेंट की गुणवत्ता और विशिष्टताओं के अनुसार सीमेंट का निर्माण और आपूर्ति करेगी। यह इकाई मध्य प्रदेश के एक प्रमुख औद्योगिक और आवासीय क्षेत्र, जबलपुर क्षेत्र में बाजार की मांग को पूरा करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है। उद्घाटन के अवसर परए मैनेजिंग डायरेक्टर विजय अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राकेश जैन और चीफ मार्केटिंग आफीसर पराग जैन की उपस्थिति में पहले ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जोनल सेल्स हेड हितेंद्र मिश्रा और मार्केटिंग टीम सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। टोलिंग यूनिट शुभारंभ के अवसर पर संबोधित करते हुये मैनेजिंग डायरेक्टर विजय अग्रवाल ने कहा, कि इस टोलिंग यूनिट का शुभारंभ हमारे विस्तार और विकास की रणनीति का हिस्सा है। यह टोलिंग यूनिट हमें क्षेत्रीय ग्राहकों को तेज, कुशल और विश्वसनीय सेवा प्रदान करने में सक्षम बनायेगी। हमारा उद्देश्य सिर्फ व्यापार का विस्तार नहीं बल्कि उस क्षेत्र के समग्र विकास का भागीदार बनना है जहाँ ग्राहकों और डीलरों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध हो सके। इसी अवसर पर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राकेश जैन ने कंपनी की भविष्य की योजनाओं व्यापार रणनीतियों और स्थानीय सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को साझा करते हुये कहाए कि यह यूनिट हमारी आपूर्ति श्रृंखला को सक्षम बनाएगी और मध्यप्रदेश के निर्माण क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगी। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के डीजीएम जनसंपर्क एंड सीएसआर देवेंद्र मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मौके पर उपस्थित सभी अतिथियों एवं डीलरों ने कंपनी की इस नई पहल का स्वागत किया और इसे क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होने आगे बताया कि प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड एक बिल्डिंग मटेरियल केपनी है जो सीमेंट रेडी.मिक्स कंक्रीट और टाइल्स के उत्पादन में विशेषज्ञता रखती है। कार्यक्रम में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारीगण सीएचआरओ प्रवीर कुमार रे तकनीकी हेड जितेंद्र खंडेलवाल, लॉजिस्टिक हेड अखिल मेहरा, जोनल तकनीकी मैनेजर अक्षुण राज, रीजनल सेल्स मैनेजर ,सुजीत यादव, बद्री पांडेय, ब्रांच सेल्स हेड उमेश गुप्ता एवं अंकित सिंह ब्रांच तकनीकी हेड अक्षय गजभिये तथा रीजनल मार्केटिंग टीम की उपस्थिति रही।

आईटीआई और रोजगार कार्यालय ने किया युवा संगम का अभिनव आयोजन

महापौर एवं कलेक्टर ने युवकों का बढ़ाया उत्साह

जागरण, सतना। स्थानीय टाउन हॉल में शासकीय आईटीआई एवं जिला रोजगार कार्यालय के सयुक्त तत्वाधान में युवा संगम का अभिनव आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर योगेश ताम्रकार रहे जबकि अध्यक्षता कलेक्टर सतीश कुमार एस ने की। कार्यक्रम में विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठानों ने भाग लिया जिसमें मारुति सुजुकी मदरसन धूत ट्रांसमिशन आदि 15 कंपनियां शामिल थीं। इन कंपनियों द्वारा कुल 323 युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया। आयोजन में एलडीएम गौतम शर्मा जिला उद्योग केन्द्र के प्रबंधक सौरभ त्रिपाठी सिटी कार्स से संदीप तिवारी पॉलिटेक्निक के ट्रेनिंग प्लेसमेंट ऑफिसर श्रीकांत शुक्ला वरिष्ठ समाज सेविका श्रीमती मनीषा सिंह एवं पी जी कॉलेज से प्राध्यापिका श्रीमती क्रांति मिश्रा उपस्थिति उल्लेखनीय रही। महापौर योगेश ताम्रकार ने उपस्थित युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अध्ययनशीलता एवं शासकीय सहयोग से मंजिल को हासिल किया जा सकता है। जिला उद्योग केंद्र से आए अधिकारियों के द्वारा शासन की रोजगारोन्मुखी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई । शासकीय आईटीआई के प्राचार्य बी डी तिवारी ने कार्यक्रम में उपस्थित होने वाले सभी युवाओं और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया एवं वर्तमान में जिले में संचालित 6 आईटीआई संस्थानों के अंतर्गत चलने वाले व्यवसायों की जानकारी दी। प्राचार्य श्री तिवारी ने बताया कि जिले में बरौंधा बिरसिंहपुर एवं रामपुर बघेलान आईटीआई में नए व्यवसाय शुरू किए गये हैं एवं समस्त जिले की आईटीआई में प्रवेश लेने के लिए वर्तमान में 22 अगस्त तक पंजीयन चल रहे हैं । आईटीआई से प्रदीप सिंह अहिरवार रविशंकर पांडे अभिषेक पटेल अविनाश मिश्रा टी पी ओ अजय शुक्ला योगोन्द्र अग्निहोत्री अजय बागरी सुशांत सिंह अनूप सिंह विवेक तिवारी एवं सभी प्रमुख कर्मचारीगण उपस्थित हुए और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। जिला रोजगार कार्यालय से अखिलेश सिंह एवं आकाश श्रीवास्तव द्वारा समस्त पंजीयन एवं प्लेसमेंट का कार्य कराया गया ।

श्यामलाल की श्रृद्धांजलि सभा में विधायक व चेम्बर अध्यक्ष ने श्रृद्धा सुमन अर्पित किये

जागरण, सतना । विक्रेता संघ के उपाध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी अमर कछवाह के पूज्य पिता स्व श्यामलाल कछवाह का विगत दिनों हृदयाघात से असमय निधन हो गया था। मारवाड़ी धर्मशाला गौशाला चौक में आज शाम 4 बजे आयोजित श्रृद्धांजलि सभा में जन प्रतिनिधि विनय चेम्बर गांधी सब्जी बाजार गल्ला मण्डी फल बाजार कांग्रेस सेवादल व वरिष्ठ समाज सेवी एवं कछवाहा समाज के प्रमुख लोगों ने पहले शब्दों के माध्यम से तत्पश्चात् पुष्पांजलि कर श्रृद्धासुमन अर्पित किये जिनमें प्रमुख रूप से विधायक व जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाहा विनय चेमार के अध्यक्ष सतीश सुखेजा कांग्रेस सेवादल व चिन्नय फल व गांधी बाजार के आध्यक्ष रामप्रताप कुशवाहा लाला संदीप जैन सेवकराम बब्बल रामदुलारे कुशवाहा गणेश कछवाहा संतोष मालगुजार दिलीप सिंह संजय बंका बीरेन्द्र सहाय सक्सेना दीपक बुधौलिया डॉ अविनाश पाण्डेय महेन्द्र वर्धन पप्पू प्रशांत पाण्डेय मयंक गुप्ता डॉ अमित सिंह श्रीमती सुभद्री कछवाहा ममता कछवाहा अंजली कछवाहा मुन्ना पंचम संतोष बिहारी शिवचरण घनश्याम अशोक विकास रणजीत बल्ली सुभाष कछवाहा आदि सामाजिक बन्धु उपस्थित रहे।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने श्रेया वाटिका का किया अवलोकन

सतना। बुधवार को रामपुर बाघेलान प्रवास के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय ने भाजयुमों जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज कुशवाहा के निवास पहुंच कर श्रेया वाटिका का अवलोकन करते हुए विभिन्न प्रकार के पौधों के विषय में जानकारी ली इस दौरान मुख्य रूप से आईटी सेल के जिला संयोजक शिवांक त्रिपाठी मुकेश अग्निहोत्री सोनू त्रिपाठी आयुष तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विधायक विक्रम सिंह ने वितरित की बच्चों को साइकिल

सतना। रामपुर बाघेलान विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झंड में रामपुर बाघेलान विधायक विक्रम सिंह के मुख्यातिथ्य में बच्चों को निःशुल्क साइकल वितरण किया गया वहीं बच्चों को संबोधित करते हुए विधायक श्री सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने शिक्षा के महत्व को बढ़ाने के लिए दूर.दराज से बच्चों को विद्यालय आने में हो रही समस्याओं को लेकर साइकिल निशुल्क उपलब्ध कराई है जिससे सरकार की मंशा है कि हमारे देश का हर बच्चा.बच्चा उच्च शिक्षा ग्रहण करें इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए भाजपा सरकार ने बच्चों को साइकिल उपलब्ध कराई है जिसको पूरा करना बच्चों का विशेष दायित्व है। इसलिए बच्चे मन लगाकर पढ़ें और उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाकर अपना अपने क्षेत्र अपने विद्यालय और अपने माता.पिता का नाम रोशन करें। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से रावेन्द्र सिंह छोटू, विधायक प्रतिनिधि विधायक तिवारी शिवमोहन द्विवेदी सिंह लाला के साथ विद्यालय के प्रचार्याचार्य एवम समस्त शिक्षक एवम बच्चे उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की मनाई गई जयंती

जागरण रामपुर बाघेलान। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयन्ती के अवसर पर रामपुर बाघेलान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य रूप से रोहित कांत सिंह निखिल सिंह तिवारी शिवमोहन द्विवेदी शशिभूषण शुक्ला संजय पांडेय सेमरिया रोहित तिवारी देउरा ओमप्रकाश विश्वकर्मा कुंदन मिश्रा खारी श्रेयस शत्रुंजय बघेल परीक्षित पाठक अथर्व पांडेय यंग ब्रिगेड जिला अध्यक्ष सेवादल राजेश तिवारी हेतराम रावत रामनिवास यादव मुकेश यादव सोनू रावत मनोज पांडेय राहुल सोंधिया सहित कई युवा कार्यकर्ता मौजूद रहें ।

भागवत कथा देवरी में हुआ गोवर्धन पूजा

जागरण, सतना। स्वर्गीय सुदामा सिंह तिवारी की वार्षिक श्राद्ध के उपलक्ष्य में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन ग्रह ग्राम देवरी नरवार में किया गया। कथा व्यास परम पूज्य श्रीकांत शास्त्री महराज ने अपने मुखारविंद से गोवर्धन पूजा का महत्व समझाया। परम पूज्य आचार्य जी ने कहा कि गोवर्धन लीला से इंद्र और जगत को श्रीकृष्ण के स्वरूप का ज्ञान मिला। उन्होंने बताया कि गोवर्धन पूजा वास्तव में प्रकृति की पूजा है। मनुष्य का शरीर पांच महाभूतों से बना है। प्रकृति से संबंध टूटने पर अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। उन्होंने गौ माता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कहा कि पहले गायों की पूजा होती थी लेकिन आज उनकी उपेक्षा हो रही है। गाय की दयनीय स्थिति के लिए हम सब जिम्मेदार हैं। गाय तभी हमारा पोषण कर सकती है जब हम उसका शोषण बंद करें।कथा में बुद्ध के विचारों का भी जिक्र किया गया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति में ईश्वरीय गुण होते हैं जरूरत है उन्हें पहचानने की।भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठाकर ब्रजवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाया थाए ऐसा कई धार्मिक ग्रंथों में लिखा है इसके बाद भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत की पूजा करने और अन्नकूट का उत्सव मनाने का आदेश दियाए जिसके बाद से यह परंपरा चली आ रही हैण् भागवत कथा में पांचवें दिन गोवर्धन लीला के साथ भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का प्रसंग सुनाया। प्रलय से लोगों को बचाने के लिए भगवान ने कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। सात दिनों के बाद इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ। इस मौके पर गोवर्धन लीला की झांकी भी सजाई गई। कथा के दौरान गोवर्धन पूजन का उत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। संगीतमय कथा के दौरान भजनों पर पांडाल में उपस्थित श्रद्धालु भजनों पर नाचते रहे। गोवर्धन भगवान को छप्पन भोग लगाया गया और आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया।कार्यक्रम उदय पाल सिंह तिवारी शिवम् सिंह तिवारीए नरेंद्र द्विवेदीए योगेंद्र चतुर्वेदी एवं गांव के प्रतिष्ठित अजय सिंह बघेल सहित कई लोग मौजूद रहे। उक्त आयोजन स्वर्गीय सुदामा सिंह तिवारी की वार्षिक श्राद्ध के उपलक्ष्य में किया गया।

मझगवां ब्लॉक कांग्रेस ने मनाई राजीव गांधी की जयंती

जागरण, सतना। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझगवां द्वारा ग्राम जैतवारा में संतोष चतुर्वेदी के मकान में देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की 81वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई कार्यक्रम में सर्वप्रथम उनके छायाचित्र पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मझगवां के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गर्ग एवं उपस्थित कांग्रेस जनों ने माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस जनों ने स्वर्गीय राजीव गांधी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला जयंती कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेन्द्र प्रसाद गर्ग रामनरेश तिवारी रामबहोर सिंह दिनेश सिंह सत्य प्रकाश त्रिपाठी वीरेंद्र सिंह राम प्रसाद कुशवाहा राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी कोदू सिंह अजेन्द्र नाथ पाण्डेय सुनील दुबे जगन्नाथ दिनकर भोला दीन केवट राजकरण पाठक शंभू सेन श्रवण कुमार पाण्डेय ओम सिंह राम अवतार डोहर धीरज सिंह रामबक्श मल्लाह लाला यादव ददोली प्रसाद मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

जिले में खाद की हो रही कालाबाजारी पर कांग्रेस ने खड़े किए सवाल

सतना। सतना एवं मैहर जिले में खाद की हो रही कला बजारी एवं पुलिस अभिरक्षा में खाद का वितरण हीरा जवाहरात की तरह वितरित किए जाने पर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है व खाद की हो रही कलाबजारी पर सरकार के ऊपर एक बड़ा हमला बोला है श्री मिश्रा ने कहा है कि जिले में 156 सहकारी समितियों में 131 पर एक भी बोरी खाद नहीं है सतना एवं मैहर जिले के व्यापारियों के पास आखिरकार खाद कहां से पहुंच रही है व हजारों रुपए कुंटल की बढी हुई दरों में खाद की बिक्री क्यो हो रही है श्री मिश्रा ने कहा है कि किसान महीनो से खाद के लिए लाइन में खड़े हुए हैं कूपन भी मिल रहे हैं लेकिन खाद क्यों नहीं मिल रही यह एक बड़ा सवाल किसानों के जेहन में घूम रहा है मार्कफेड एवं कृषि विभाग के अधिकारी एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं एक दूसरे की गलती निकाल रहे हैं लेकिन किसानों को खाद नहीं दे रहे जिले के नागौद परसवाही देवराज नगर सिविल लाइन शेरगंज अमरपाटन उचेहरा मैहर के डबल लाक में किसानो की लाइन सवेरे से लग जाती है किसानों के ऊपर पुलिस डंडे भी भाजती रहती है जानकारी मिली है कि अभी चार हजार एमटी यूरिया जिले को मिली थी लेकिन यह यूरिया कहां बट गई पता नहीं है श्री मिश्रा ने जिला प्रशासन से टोकन के हिसाब से सारे जिले के सहकारी समितियो में खाद उपलब्ध कराने वितरण का समय एवं दिन निर्धारित करने की मांग की है ।

अमर ज्योति परिवार को मिला 54वां देहदान संकल्प

सतना। मथुरा बस्ती निवासी प्रेमलाल चौधरी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर अमर ज्योति परिवार को 54 वां देहदान संकल्प पत्र भरकर समाजसेवा की मिसाल पेश की। उन्होंने अपना संकल्प पत्र अमर ज्योति परिवार के मार्गदर्शक एवं महापौर योगेश ताम्रकार को सौंपा। संकल्प पत्र सौंपते हुए 'प्रेमलाल चौधरी' ने कहा दृ श्इस समाज ने मुझे बहुत कुछ दिया है। मिट्टी में मिलने से पहले मेरा भी फर्ज है कि मैं समाज को कुछ लौटाऊंए ताकि आने वाली पीढ़ी इससे कुछ सीख सके। इस अवसर पर अमर ज्योति परिवार के पदाधिकारियों ने उनके इस महान संकल्प का स्वागत करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस दौरान महापौर योगेश ताम्रकारए मनोज अरोरा गेंदलाल पटेल दिलीप सोनी संजय वाधवानी विनोद गैलानी श्याम लाल गुप्ता श्यामू अशोक चादवानी सुरेन्द्र चौधरी श्रीचंद शीतलानी मुकेश वर्मा उपस्थित रहे।

स्थानांतरित मैहर एसडीएम विकास सिंह को विदाई

जागरण, सतना। मैहर जिले में एसडीएम रहे विकास सिंह को सतना अपर कलेक्टर पद पर पदोन्नति पश्चात स्थानांतरण होने पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मैहर जिले के अधिकारियों ने उनके कार्यकाल का स्मरण करते हुए भावभीनी विदाई दी। बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम में मैहर जिले में नवागत अधिकारी एसडीएम रामनगर एसपी मिश्रा और मैहर एसडीएम दिव्या पटेल तथा खनिज अधिकारी सतीश पाण्डेय का स्वागत किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर रानी बाटड, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, तहसीलदार गण तथा विभागीय अधिकारियों ने स्थानांतरित एसडीएम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

प्रख्यात हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह के द्वारा प्रतिदिन नियमित OPD रीवा में

रीवा: अहमदाबाद के प्रख्यात हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ शांतनु सिंह, MBBS, MS (ऑर्थोपेडिक्स) FIJR, OIJR (अहमदाबाद) फेलोशिप इन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट। कॉम्प्लेक्स ट्रॉमा। ऑर्थोस्कोपिक सर्जन, पूर्व सर्जन गवर्मेन्ट मेडिकल कॉलेज सागर, हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ के द्वार कामता मेडिकल (कामता मल्टीस्पेशलिटी डे-केयर क्लीनिक/डायग्नोस्टिक×विजन हार्ट सेंटर), A ब्लॉक समदड़िया कॉम्प्लेक्स न्यू बस स्टैंड रीवा में, प्रतिदिन नियमित सुबह 10 से दोपहर 02 बजे तक एवं शाम 04 से 06 बजे तक हड्डी व जोड़ रोग से सम्बंधित समस्त फ्रैक्चर एवं ट्रॉमा उपचार, घुटना एवं कुल्हा प्रत्यारोपण TKR, THR, ऑर्थोस्कोपी (दूरबीन द्वारा लिगामेंट की सर्जरी), डिजिटल एक्स-रे, प्लास्टर POP एवं स्पिलटिंग, घुटनो में दर्द/सूजन, कंधे का जकड़ना/ दर्द होना, कमर व कूल्हों के जोड़ों का दर्द, साईटिका/गठियावात, कंधे के मांस का कटना, घुटने का न मुड़ना, चलने में लड़खड़ाना, जमीन पर न बैठ पाना, गाउट एवं रूमेटाइड ऑर्थराइटिस का उपचार, जोड़ो में इंजेक्शन द्वारा उपचार (इंटर-आर्टिकुलर इंजेक्शन), CTEV (क्लबफुट) जन्मजात टेड़े मेड़े पाँव का उपचार, रीड़ की हड्डी से सम्बंधित समस्याएं, सामान्य एवं जटिल फ्रैक्चर, आधुनिक तकनीक द्वारा जोड़ प्रत्यारोपण, बच्चों के हाथ व पैरों की विकृतिया, पुराने फ्रैक्चरों का न जुड़ना, हड्डी में पस पड़ना आदि बीमारियों का परामर्श/ऑपरेशन द्वारा इलाज किया जाता है, डॉ शांतनु को दुरबीन विधि से सम्बंधित सभी प्रकार के आपरेशन में महारथ हासिल है, अधिक जानकारी हेतु कामता मेडिकल रीवा में संपर्क करें। -Advt.

वरगवां, सरई तथा निवास मंडलों की कार्यकारिणी घोषित

प्रदेश नेतृत्व की सहमति तथा जिलाध्यक्ष के अनुमोदन पश्चात घोषित की गई कार्यकारिणी

जागरण, बैढ़न । भारतीय जनता पार्टी सिंगरौली के मंडल बरगवां सरई तथा निवास के मंडल अध्यक्षों ने जिलाध्यक्ष सुंदर लाल शाह के अनुमोदन तथा प्रदेश नेतृत्व की सहमति के बाद अपनी बहुप्रतीक्षित कार्यकारिणी घोषित कर दी है। घोषित कार्यकारिणी के अनुसार मंडल अध्यक्ष बरगवां मकरध्वज प्रताप सिंह ने रमाशंकर बैस दीपक तिवारी राम सिंह बैस जगदीश साहू मनोज कुमार बैस ममता भुजवा को उपाध्यक्ष एवं विजय कुमार बैस एवं अनीता गुप्ता को महामंत्री नियुक्त किया है। इसी प्रकार अल्केंद्र गुर्जर रानू प्रजापति खगेन्द्र द्विवेदी शीलाजी साकेत फूलमती विश्वकर्मा को मंत्री तथा मनोज अग्रवाल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया है। सरई मंडल अध्यक्ष रामधनी यादव ने अपनी कार्यकारिणी में गुलाब प्रसाद बैस रामजी जायसवाल कैलास गुप्ता लाले प्रसाद बैस दिनेश यादव एवं कमलेश गुप्ता को उपाध्यक्ष प्रतिमा दुबे एवं शिवशंकर पनिका को महामंत्री तथा सुखपती सिंस आरती जायसवाल सुधा शाह शिवशंकर कुशवाहा अनीता शाह प्रदीप बैस को मंत्री एवं रामकली साकेत को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। निवास मंडल अध्यक्ष श्रीमती इंदू शाह ने अपनी कार्यकारिणी मे जीवधन साहू शिवलोचन पांडेय शिव कुमार जायसवाल रामदास साहू शांति साकेत को उपाध्यक्ष रामाधार विश्वकर्मा एवं कन्या कुमारी सिंह को महामंत्री अशोक जायसवाल राज अग्रहरि पार्वती प्रजापति मंगलेश्वर यादव दिलीप जायसवाल को मंत्री तथा रमेश द्विवेदी को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया है। समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पार्टी एवं संगठन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है तथा संगठन के मंशानुरूप कार्य करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। जिलाध्यक्ष समेत समस्त वरिष्ठ नेताओं ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं तथा संगठन के आगामी कार्यक्रमों के लिए तटस्थ रहने के निर्देश दिए हैं।

संचार क्रांति के जनक पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न राजीव गाँधी के जयंती पर जिला कांग्रेस ने माल्यार्पण कर किया नमन

जागरण, बैढ़न । सूचना एवं संचार क्रांति के जनक पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न राजीव गाँधी के जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी सिंगरौली शहर ने जिलाध्यक्ष प्रवीण सिंह चौहान के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। उपस्थित सभी वरिष्ठ एवं युवा नेताओं ने उनकी राजीव चौक माजन मोड़ स्थित प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर उन्हें नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष प्रवीण सिंह चौहान ने राजीव जी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए कहा की ये उनकी दूरदर्शिता का परिणाम है जो आज भारत संचार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर है और इतना बड़ा देश आज सूचना तंत्र के माध्यम से एकजुट है। देश की प्रगति में संचार का बड़ा योगदान है आज यह भी उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है। उनके द्वारा युवाओं के मताधिकार की उम्र की सीमा पंचायत राज व्यवस्था में किये गए विकेंन्द्रिकरण और पंचायत को अधिक शक्ति देने जैसे कार्य मील के पत्थर जैसे हैं। सामाजिक न्याय और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा में लाने में भी उन्होंने कई कदम उठाये। आज हम सभी ना सिर्फउन्हें नमन करते हैं बल्कि उनके सफल प्रयासों हेतु धन्यवाद भी ज्ञापित करते हैं। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से राम अशोक शर्मा रुपेश चंद्र पाण्डेय ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू रेनू शाह अशोक शाह अशोक सिंह पैगाम के.डी सिंह राघवेंद्र श्रीवास्तव देवेंद्र पाठक लवलेश सिंह शेखर सिंह परमेश्वर पटेल अनिल वैश्य प्रेमसागर मिश्रा रामगोपाल पाल कृष्णा सिंह परिहार मनोज शाह सुदामा कुशवाहा ज़ुल्फीकार अली साहिद खान सुरेंद्र साकेत संदीप शाह मोनिश खान मुकेश शर्मा अजय सिंह बृजेन्द्र शर्मा अन्नू पटेल अखिलेश शाह उसेद हसन सिद्दीकी गोमती कुशवाहा रामलखन कुशवाहा मोहित कुशवाहा विवान खान अवधेश कुशवाहा रामबाबू बैस विकाश कुशवाहा अशोक कुशवाहा हरिश्चंद्र कुशवाहा अजय कुशवाहा बी एल यादव आर सी वर्मा अनिल शाह सुरेंद्र कुमार शाह सहित सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस जन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस की रीति-नीति से प्रभावित होकर सदस्यता ली

जागरण, बैढ़न । नवानगर वार्ड 24 निवासी रामलखन कुशवाहा मोहित कुशवाहा विकाश कुशवाहा ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता त्याग कांग्रेस की सदस्यता चुरहट मे अजय सिंह राहुल के हाथो जिलाध्यक्ष शहर प्रवीण सिंह चौहान की उपस्थिति मे ली। मोहित ने कहा की जिस प्रकार राहुल गाँधी लगातार पिछडो की आवाज़ को बुलंदी देने का कार्य कर रहे वो तारीफके काबिल हैँ और उनके इस मुहीम मे हम सब उनके साथ आये ये सौभाग्य की बात है। प्रदेश कांग्रेस का प्रदेश से लेकर जिले तक युवा नेतृत्व युवाओं मे ऊर्जा भरता है और हम सब शहर अध्यक्ष प्रवीण सिंह के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर चलेंगे और राहुल गाँधी और अजय सिंह राहुल भैया के सपनो को आकर देने के सहभागी बनेंगे। कॉग्रेस परिवार का हिस्सा बनना हम सब के लिए गौरव की बात हैँ और आगे भी तमाम साथियो को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का कार्य करेंगे।

नाम परिवर्तन सूचना

मै द्योषणा करती हूँ कि मे मेरे पासपोर्ट मे मेरा नाम MEGHA THARWANI था जिसे मै शादी के बाद बदल कर अंब अपना नया नाम TANYA TEKWANI W/O MANISH TEKWANI कर लिया है कृपया अब से मुझे नये नाम TANYA TEKWANI W/O MANISH TEKWANI के नाम से जाना एवं पहचाना एवं संबोधित किया जाय एवं आगे के सभी दस्तावेजों में दर्ज किया जाय तथा मेरे निवास का पता. NEAR DEENBANDHU DHARMSHALA, PURUSHWANI COLONY SINDHI CAMP, SATNA, RAGHURAJNAGAR, DISTRICT SATNA (M.P.) है।

कार्यालय नगर परिषद बिरसिंहपुर जिला सतना म.प्र.

क्रमांक /750 / न.प./2025 बिरसिंहपुर दिनांक 13 .08.2025

नामान्तरण/(हकान्तरण) हेतु सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार नामान्तरण / हकान्तरण हेतु इस कार्यालय में आवेदन प्राप्त हुआ है।

हस्तान्तरण कर्ता का नाम	हस्तान्तरण ग्रहिता का नाम	वार्ड क्रमांक	रकवा	नामान्तरण का आधार पर
1. संजू चौरसिया	बृजबिहारी चौरसिया	03	255,2275, 264 वर्गफुट	आपसी समझौता
2. स्व. मो. इस्माइल	मो. इस्लाम	09	16×65 वर्गफुट	विक्रय शपथ पत्र
3. मो.ईशा	मो. मोसिम	10	15×50 वर्गफुट	विक्रय शपथ पत्र
4. मुस्ताक	अबुसलेह	05	13×90 वर्गफुट	विक्रय शपथ पत्र
5. शिव प्रसाद कोरी	हरीश कुमार	10	25×50 वर्गफुट	विक्रय शपथ पत्र
6. मो.रज्जाक	अनीता अग्रवाल	09	18×30 वर्गफुट	विक्रय शपथ पत्र
7. स्व. पुरुषोत्म ताम्रकार	अनिरुद्ध ताम्रकार	08	23×12 वर्गफुट	शपथ पत्र

इस संबंध में जिस व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 15 दिवस के अंदर आपत्ति प्रमाण सहित कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्तियों में कोई भी विचार नही किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद
बिरसिंहपुर जिला सतना म.प्र.

वर्ष 72 अंक 323 पृष्ठ 12
रीवा, गुरुवार 21 अगस्त, 2025
भाद्रपद कृष्ण पक्ष 13, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

"अन्याय सहने वाला भी उतना ही अपराधी होता है, जितना करने वाला। क्योंकि अगर अन्याय न सह जाए तो कोई भी अन्याय करने का साहस नहीं करेगा।
- रविंद्रनाथ टैगोर

संक्षिप्त खबरें

मुंबई में लगातार तीसरे दिन स्कूल-कॉलेज बंद

मुंबई, जेएनएन। मुंबई में तीन दिन से तेज बारिश का दौर थम नहीं रहा है। 24 घंटे में यहां 300 मिमी बारिश हुई। मुंबई में लगातार तीसरे दिन स्कूल-कॉलेज, गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद रहे। मुंबई लोकल की 34 ट्रेनें (17 जोड़ी) कैंसिल हैं। 250 से ज्यादा फ्लाइट्स पर भी असर पड़ा। मंगलवार शाम मुंबई में एक मोनोरेल से करीब 800 लोगों को रेस्क्यू किया गया। मैसूर कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास शाम 6 बजे मोनोरेल एलिवेटेड ट्रैक पर अटक गई थी। इधर, उप्र के फर्रुखाबाद में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। यहां 100 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। कानपुर में गंगा का जलस्तर डेंजर लेवल से सिर्फ 11 सेंमी दूर है। 24 घंटे में गंगा बैराज में 4 सेंमी पानी बढ़ा। यहां जलस्तर 114.79 मीटर तक पहुंचा है। 5 गांव में बाढ़ का पानी घुसा है।

आर्मी चीफ और उनकी पत्नी अंगदान करेंगे

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और उनकी पत्नी सुनीता द्विवेदी मृत्यु के बाद अंगदान करेंगे। दिल्ली के एक कार्यक्रम में बुधवार को दोनों ने इसका संकल्प लिया। आर्मी चीफ द्विवेदी ने कहा, सेना का कर्तव्य देश और समाज के कल्याण को प्राथमिकता देने का है। अंगदान इसका एक तरीका है। सेनाध्यक्ष ने कहा, अगर हम अंगदान करते हैं, तो यह समाज के लिए संदेश होगा कि एक सच्चा सैनिक मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा के लिए खड़ा रहता है। कार्यक्रम में आर्मी चीफ ने बताया कि भारत अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन ट्रांसप्लांट) के मामले में दुनिया में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। यहां हर साल करीब 20000 ऑर्गन ट्रांसप्लांट होते हैं। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि नेशनल ऑर्गन डोनेशन और एलोकेशन प्रोग्राम में बदलाव किए गए हैं। अब महिला मरीजों और डोनर के परिवार के सदस्यों को अंग मिलने में प्राथमिकता दी जाएगी।

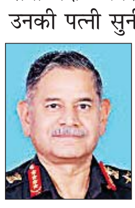

सीएसडीएस के संजय कुमार पर एफआईआर

नई दिल्ली, जेएनएन। पॉलिटिकल एनालिसिस करने वाली संस्था सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटीज (सीएसडीएस) के डायरेक्टर संजय कुमार पर महाराष्ट्र पुलिस ने बुधवार को एफआईआर दर्ज की। उन पर बीएनएस की धारा 175, 353(1)(बी), 212 और 340(1)(2) के तहत केस दर्ज हुआ है। सीएसडीएस ने 17 अगस्त को महाराष्ट्र विधानसभा की सीटों पर वोटों की संख्या कम होने को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट की थी। हालांकि, 19 अगस्त को संजय ने पोस्ट को डिलीट करने के साथ ही पोस्ट में दिए आंकड़े गलत होने की बात कही थी। संजय ने मंगलवार को एक्स पर लिखा था-मैं महाराष्ट्र चुनावों से संबंधित ट्वीट्स के लिए ईमानदारी से माफी मांगता हूं। 2024 के लोकसभा और विधानसभा डेटा की तुलना में त्रुटि हुई। हमारी टीम ने डेटा को गलत तरीके से पढ़ लिया। ट्वीट को हटा दिया गया है। मेरा गलत सूचना फैलाने का कोई इरादा नहीं था।

8 महीने के कॉल डिटेल खंगाल 'दोस्त' तक पहुंची जीआरपी, तिहाड़ में पूछताछ के बाद तेजेंदर ने उगला राज

पटवारी से शादी नहीं करनी पड़े, इसलिए घर से भाग गयी थी कटनी की अर्चना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पटवारी से शादी न करना पड़े, इसलिए कटनी की अर्चना तिवारी घर से भागी। एडवोकेट अर्चना ने ही भागने की पूरी प्लानिंग रची थी। जीआरपी अर्चना के मोबाइल की 8 महीने की सीडीआर खंगालकर 'दोस्त' सारांश जोकचंद तक पहुंची। दिल्ली के तिहाड़ जेल में तेजेंदर से पूछताछ के बाद अर्चना तक पहुंची। जीआरपी सलवार-सूट वाली लड़की (अर्चना) को इटारसी स्टेशन पर खोज रही थी, जबकि अर्चना साड़ी पहनकर घूंघट निकालकर सामने से निकल गई थी। सारांश उसे काठमांडू तक छोड़कर आया, इसके पहले वह शुजालपुर, हैदराबाद में रही। पुलिस को शक न हो इसलिए सारांश ने अपना मोबाइल इंदौर में ही छोड़ दिया था और नया नंबर चला रहा था। अर्चना को खोजने में अधिकारी समेत 70 लोगों की टीम लगी। पुलिस ने भोपाल से कटनी तक करीब 500 सीसीटीवी कैमरे खंगाले। मंगलवार रात जीआरपी ने अर्चना को नेपाल बॉर्डर के पास धनगढ़ी जिला लखीमपुर खीरी, उप्र से बरामद किया। बुधवार शाम को उसे परिजनों को सौंप दिया है। एसपी रेल राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि मंगलनगर, कटनी निवासी एडवोकेट अर्चना तिवारी (29) सात अगस्त को नर्मदा एक्सप्रेस के एसी कोच से इंदौर से कटनी के बीच लापता हो गई थी। वह इंदौर सिविल जज की तैयारी के साथ वकालत भी कर रही थी।

अर्चना की तलाश में जीआरपी के अधिकारी समेत 70 पुलिसकर्मियों ने रेलवे स्टेशन इंदौर, भोपाल, सीहोर, रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, करेली, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, बिलासपुर तक व शहरों में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। नर्मदा से 32 किमी तक एसडीआरएफ एवं जीआरपी ने सर्च ऑपरेशन चलाया। कमलापति से जबलपुर तक टीमें बनाकर पैदल सर्चिंग कराई गई, लेकिन सुराग हाथ नहीं लगा। सारांश का नाम सामने आने पर जीआरपी ने इंदौर से उसे दबोच लिया। पूछताछ में सारांश ने बताया कि जनवरी 2025 में उसकी दोस्ती अर्चना से हुई थी। उनकी काफी बातें होती थीं। अर्चना ने बताया कि परिजन इच्छा के विरुद्ध शादी कराना चाहते हैं, जिससे उसने भागने का प्लान बनाया। सारांश ने अर्चना को दो दिन शुजालपुर में रुकवाया था। इसके बाद वह हैदराबाद चले गए। हैदराबाद में 3-4 दिन रुकने के बाद देश से बाहर जाने का प्लान बनाया, तब तक मामला तूल पकड़ चुका था। 11 अगस्त को वे दिल्ली से टैक्सी से धनगढ़ी से काठमांडू नेपाल पहुंचे।

जीआरपी सलवार सूट वाली लड़की खोज रही थी, अर्चना साड़ी में घूंघट डाल निकल गई

परिजन के साथ अर्चना तिवारी।

एडवोकेट अर्चना ने ही रची थी भागने की पूरी प्लानिंग जीआरपी ने खोज निकाला

आईपी एड्रेस से मिली अर्चना के वाट्सएप कॉलिंग की जानकारी जीआरपी को मिले अहम सुराग

70 लोगों की टीम, 500 सीसीटीवी खंगाले, दूतावास की मदद से नेपाल से बुलवाया

दोनों की लोकेशन इटारसी में मिली

अर्चना के मोबाइल की 8 महीने की सीडीआर खंगाली गई, जिसमें 'दोस्त' सारांश से कई बार लंबी बातचीत सामने आई। इसमें वाट्सएप कॉलिंग भी शामिल थी। कई बार तेजेंदर नामक ड्राइवर से बातचीत सामने आई। टैक्सी ड्राइवर तेजेंदर, सारांश का परिचित था और अर्चना को इंदौर में लाता ले जाता था। 7 अगस्त को अर्चना के साथ तेजेंदर की लोकेशन इटारसी में मिली थी। इस पर जीआरपी को तेजेंदर पर शक गहरा गया। पुलिस ने तेजेंदर की तलाश की तो पता लगा कि वह दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में है। उसे तिहाड़ जेल में रखा गया है। पुलिस की टीम तिहाड़ जेल में तेजेंदर से पूछताछ करने पहुंची। तेजेंदर ने पहले बरगलाया। जब पुलिस ने अर्चना के गुम हो जाने की बात कही तो उसने राज खोल दिया। तेजेंदर ने बताया कि इंदौर के सारांश जोकचंद के कहने पर उसने अर्चना को इटारसी में आउटर से रिसीव कर कार में बैठाया था। ऐसे रास्ते से ले गया जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे। इसके बाद उसे सारांश के हवाले कर दिया। सारांश उसे अपने गृहनगर शुजालपुर कार से ले गया। इसके बाद क्या हुआ, उसे नहीं पता। दो घंटे बाद ही उसे दिल्ली पुलिस ने एक अन्य मामले में गिरफ्तार कर लिया था।

हरदा: ढाबे में बनाया प्लान

अर्चना ने पूछताछ में बताया कि उसके परिजन उसकी मर्जी के खिलाफ पटवारी से शादी करवा रहे थे, लेकिन वह आगे पढ़ना चाहती थी। घरवाले उसे मानसिक रूप से परेशान कर रहे थे। शादी न करना पड़े इसलिए उसने दोस्त सारांश जोकचंद के साथ हरदा के एक ढाबे पर बैठकर भागने की प्लानिंग बनाई थी। योजना के तहत इटारसी के ड्रायवर तेजेंदर को शामिल किया गया। टैक्सी ड्रायवर तेजेंदर, सारांश का परिचित था और इंदौर में अर्चना को लाता ले जाता था। तेजेंदर को सारांश के करीब ढाई लाख रुपए देने थे इसलिए वह उन्हें मना नहीं कर सका था। अर्चना ने बताया कि सारांश और तेजेंदर ने दोस्त होने के कारण मेरी मदद की थी, जिससे मैं नेपाल तक पहुंच गई थी। किसी भी व्यक्ति द्वारा मेरे साथ कोई गलत हरकत नहीं की गई ना ही गलत काम किया गया। इस आधार पर पुलिस ने किसी के खिलाफ कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं किया। बुधवार शाम को जीआरपी ने अर्चना को उसके परिजनों के हवाले कर दिया।

विधायक मसूद के खिलाफ केस दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हाईकोर्ट के आदेश पर कोहेफिजा पुलिस ने कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कर ली है। हालांकि, एफआईआर में क्या है, इसकी जानकारी देने की एसीएम से टीआई तक हिम्मत नहीं जुटा पाए। अधिकारियों ने फोन रिसीव नहीं किए। जहां एसीएम का कहना था कि ऐसी कोई एफआईआर नहीं हुई है। मेरे पास कॉपी नहीं आई। टीआई केजी शुक्ला बोले-मैं फील्ड हूं, मुझे ध्यान नहीं है, एफआईआर में क्या है, जबकि एफआईआर टीआई ने ही करवाई है।

जानकारी के मुताबिक, मप्र हाईकोर्ट के निर्देश पर कोहेफिजा पुलिस ने विधायक मसूद व अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471, 120बी के तहत केस दर्ज किया है। आरोप है कि उन्होंने कूटरचित दस्तावेज लगाकर कॉलेज की मान्यता हासिल की थी। गत दिनों उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज की मान्यता रद्द कर दी थी। हालांकि, छात्र हित देखते हुए कोर्ट ने कॉलेज को जारी रखने की अनुमति दी, लेकिन नए एडमिशन पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि बिना राजनीतिक संरक्षण के इतने सालों तक ऐसा कॉलेज नहीं चल सकता। हाईकोर्ट ने फर्जी दस्तावेजों से कॉलेज की मान्यता के मामले में सुनवाई करते हुए पुलिस कमिश्नर को आदेश दिया था कि तीन दिन के अंदर एफआईआर दर्ज कर इसकी जानकारी कोर्ट को दें।

जिनमें योग्यता-क्षमता, उन्हीं को मैदानी जिम्मेदारी: सीएम

7 जिलों को संपूर्णता सम्मान, कलेक्टरों को गोल्ड मेडल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव और सुधार के लिए काफी काम किए जा रहे हैं। इस दिशा में अधिकारी लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा जिन अधिकारियों में योग्यता और क्षमता है, उन्हें मैदानी जिम्मेदारी दी जाएगी। अच्छा काम करेंगे, तो सरकार आपके साथ है, कहीं कमी करेंगे, तो सरकार आपको देख रही है। कार्यक्रम में सात जिलों को संपूर्णता अभियान सम्मान दिया गया। इन जिलों के कलेक्टरों को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में नीति आयोग द्वारा चलाए गए संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह में बोल रहे थे। सीएम ने कहा, वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मप्र सहित पूरे देश का परिदृश्य बदला है। कई सेक्टर में नवाचार किए गए, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और आने वाले समय में और भी दिखाई देंगे। हमने मध्यप्रदेश में भी कई नवाचार किए हैं, अगर अकेले स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में देखें, तो वर्ष 2003 में जहां सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे, अब यह संख्या 30 तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन है कि अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव और सुधार लाया जाए। हम उसी दिशा में काम कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के सभी जिले, ब्लॉक, निकाय और पंचायत की हर इकाई में हमारी प्रत्येक योजना का लाभ पहुंचना चाहिए। हम कई लोकलुभावन योजनाओं पर काम करते हैं, पर उन्हें बारीकी से देखने की जरूरत है।

रैंकिंग के चक्कर में गलत आंकड़े न दें: मुख्य सचिव

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मौजूद अधिकारियों से कहा कि हमें अपने कार्यों की समीक्षा के वक्त अपने आंकड़ों की सत्यता को परखना होगा। हमारे आंकड़े कितने सच्चे हैं, इस पर पूरा फोकस करना होगा। हमें विशेष ध्यान देना होगा कि यदि हम झूठ बोलना शुरू कर दें, तो फिर हमें पता नहीं किसको गुमराह कर रहे होते हैं। अधिकारी ये सुनिश्चित करें कि कल्चर नीचे तक पहुंचे। गलत सही जो भी हो, इसमें नहीं पड़ें कि हमारी रैंकिंग बढ़ेगी या कम हो जाएगी, क्योंकि यदि डेटा सही होगा, तो हमें वास्तविक जानकारी मिलेगी और हम उसी हिसाब से बेहतर पॉलिसी बनाने का निर्णय लेंगे। कई बार हम लोगों के इंटरनल आंकड़े कुछ और होते हैं और जब एक्सटर्नल सर्वे होता है, तो हमारे प्रतिशत कुछ हद तक गिर जाते हैं, इसलिए ऐसे वर्क कल्चर की जरूरत है कि आंकड़े पूरी तरह से सही हों। सीएम का पूरा फोकस अपेक्षाकृत पिछड़े जिलों पर है। अभी जब नई प्रशासनिक पोस्टिंग हो रही थी, तो हम लोगों ने जो प्रस्ताव दिए थे, वो सारे पलट दिए। सीएम ने कहा, हर नए अधिकारी को ट्रायवल ब्लॉक का एसडीएम बनाकर भेजो। हम सीएम के विजन, पीएम की प्रेरणा के अनुरूप ही काम कर रहे हैं। यही सही भी है, क्योंकि अधिकारियों को ट्रायवल, रूरल क्षेत्रों का जो अनुभव मिलेगा, उसका लाभ स्टेट लेवल पर मिलेगा और फिर वो पॉलिसी बनाते समय अनुभव का उपयोग कर सकेंगे।

गाजा-सिटी पर कब्जे के प्लान को दी मंजूरी

येरुशलम, जेएनएन। इजराइल ने गाजा सिटी पर कब्जे की तैयारी शुरू कर दी है। इसके चलते उसने रिजर्व सैनिकों को ड्यूटी पर बुलाने का फैसला किया है। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गाजा सिटी पर कब्जा करने की योजना को मंजूरी दी है। इसके लिए उन्होंने करीब 60 हजार एक्स्ट्रा सैनिकों (रिजर्व फोर्स) को ड्यूटी पर बुलाने का आदेश दिया है। इजराइल के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। इजराइल ने गाजा सिटी पर कब्जे के लिए 1.30 लाख सैनिकों को मोर्चे पर तैनात करने का फैसला किया है। सैनिकों को ड्यूटी जॉइन करने से कम से कम 2 हफ्ते पहले नोटिस दिया जाएगा। पहली खेप में 2 सितंबर को करीब 40-50 हजार सैनिक बुलाए जाएंगे।

सीपी राधाकृष्णन ने भरा नामांकन

प्रधानमंत्री मोदी पहले प्रस्तावक, शाह-राजनाथ, नड्डा भी रहे मौजूद

नई दिल्ली, जेएनएन। एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने नामांकन दाखिल कर दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी पहले प्रस्तावक बने। नामांकन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई नेता मौजूद थे। नॉमिनेशन से पहले राधाकृष्णन ने संसद परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा पर फूल चढ़ाए। 17 अगस्त को भाजपा संसदीय दल की बैठक में उनके नाम पर सहमति बनी थी। राधाकृष्णन का मुकाबला विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी से होगा। खास बात है कि दोनों उम्मीदवार दक्षिण से हैं। रेड्डी 21 अगस्त को नामांकन करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। दरअसल, उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

स्कूल में 10वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या

8वीं के छात्र ने दिया वारदात को अंजाम, भीड़ ने प्रिंसिपल को पीटा

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात के अहमदाबाद में सेवेंथ डे स्कूल में 8वीं कक्षा के एक छात्र ने 10वीं कक्षा के एक छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात मंगलवार दोपहर की है। देर शाम अस्पताल में उसकी मौत हो गई। इस घटना से गुस्साए करीब 2 हजार लोगों की भीड़ ने बुधवार सुबह स्कूल का घेराव कर जमकर तोड़फोड़ की।

पुलिस एक कर्मचारी को बचाकर ले जाने लगी, तब भी लोग उसपर मारपीट करते रहे। स्कूल में तोड़फोड़, स्टाफ को पिटाई के दौरान कुछ लोग 'न्याय दो' की तख्तियां लिए भी नजर आए। लोगों में इतना गुस्सा था कि जब पुलिस कर्मचारी को बचा रही थी, तब भी भीड़ उन्हें पीटती रही। लोगों ने पुलिस की गाड़ी में भी तोड़फोड़ कर दी। बाद में लोग सड़क पर बैठ गईं और जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही मणिनगर विधायक, डीसीपी बलदेव देसाई और एसीपी स्कूल पहुंचे। बजरंग दल, विहिप और एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने स्कूल में जयश्री राम के नारे लगाए। करीब एक घंटे के हंगामे के बाद भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज भी करना पड़ा। फिलहाल हालात कंट्रोल में हैं।

खोखरा पुलिस थाने के अधिकारियों ने बताया कि कुछ दिन पहले इन दोनों स्टूडेंट्स के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसी पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपी मंगलवार को चाकू छिपाकर लाया था। स्कूल की छुट्टी होते ही उसने 10वीं के स्टूडेंट पर हमला कर दिया। घायल छात्र के पेट में गंभीर घाव हो गए थे। उसे मणिनगर के एक निजी हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था, लेकिन ज्यादा खून बह जाने के चलते उसकी जान नहीं बच सकी। यहां मृतक और आरोपी नाबालिग हैं, इसलिए उनके नाम उजागर नहीं किए गए हैं।

स्कूल के बाहर गाड़ियों में तोड़फोड़

सिंधी समुदाय के लोग, बजरंग दल, विहिप और एबीवीपी के कार्यकर्ता बुधवार सुबह स्कूल पहुंचे। यहां लोगों ने पहले तो स्कूल के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसके बाद रेलिंग कूदकर स्कूल के अंदर दाखिल हो गए। अंदर घुसते ही लोगों ने गार्ड, बस ड्राइवर्स को पीटना शुरू कर दिया। गुस्साई भीड़ ने पार्किंग में खड़ी बसों, कारों और दोपहिया वाहनों में भी जमकर तोड़फोड़ की। प्रिंसिपल और अन्य स्टाफ सदस्यों को भी जमकर पीटा। सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें स्कूल पहुंचीं। लेकिन, लोग इतने गुस्से में थे कि पुलिसकर्मियों के सामने ही पूरे स्टाफ को पीटते रहे।

केंद्रीय मंत्री के बंगले के पास मिले 43 वोटर आईडी

टीकमगढ़, जेएनएन। टीकमगढ़ में मंगलवार रात को सिविल लाइन रोड पर स्थित केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के सरकारी बंगले के पास से 43 वोटर आईडी कार्ड बरामद हुए हैं। कई वोटर आईडी कार्ड जले हुए हैं। आशंका है कि इन्हें जलाने की कोशिश की गई थी। सूचना मिलते ही तहसीलदार, पटवारी समेत प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने इन कार्ड्स को जब्त कर लिया। पूरे मामले की जांच की जा रही है। को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सांसद प्रतिनिधि विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि मंगलवार रात वह केंद्रीय मंत्री के बंगले पर पहुंचे। तब उन्हें बंगले के ठीक बगल में सड़क पर वोटर कार्ड आईडी पड़े दिखाई दिए। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री के बंगले के ठीक बगल में सरकारी क्वार्टर बने हैं। बगल वाले सरकारी क्वार्टर में संतोष अंबेडकर नाम का कर्मचारी रहता है, जो सीएमएचओ दफ्तर में बाबू है। उसी के घर से महिला ने यह वोटर आईडी सड़क पर फेंके हैं। घटना की सूचना तहसीलदार को दी थी।

ताकत

पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का परीक्षण, रेंज 5000 किमी

अग्नि-5 की रेंज में पाकिस्तान, चीन और तुर्किए

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत ने अपनी पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण कर लिया है। ओडिशा के चांदीपुर में इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में बुधवार को इसकी टेस्टिंग हुई। अग्नि-5 की रेंज 5000 किमी है।

यह मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) टेक्नोलॉजी से लैस है। यानी इसे एक साथ कई टारगेट्स पर लॉन्च किया जा सकता है। इसका पहला परीक्षण अप्रैल 2012 में हुआ था। इस मिसाइल की रेंज में पाकिस्तान, चीन, तुर्किये जैसे कई देश आ रहे हैं। डिफेंस मिनिस्ट्री ने बुधवार को अग्नि-5 के सफल परीक्षण की जानकारी दी।

भारत ने अमेरिका और इजरायल से एडवांस्ड ड्रोन हासिल किए, जिन्हें मई में पाकिस्तान के साथ झड़पों के दौरान इस्तेमाल किया गया, इससे उसकी मिलिट्री स्ट्रेंथ और ज्यादा बढ़ गई। एसवीआई का कहना है कि 8,000 किमी से ज्यादा की मारक क्षमता वाली मिसाइलें सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं बल्कि दुनिया के बड़े शहरों तक पहुंच सकती हैं, जिनमें वॉशिंगटन, मॉस्को और बीजिंग भी शामिल हैं।

पाकिस्तान की बढ़ी चिंता

भारत की अग्नि-5 मिसाइल टेस्टिंग को लेकर पाकिस्तान में डर का माहौल है। असीम मुनीर द्वारा भारत को दी गई परमाणु धमकी के बाद इस्लामाबाद के स्ट्रेटेजिक विजन इंस्टीट्यूट (एसवीआई) ने पाकिस्तान सरकार और आर्मी चीफ को आगाह किया है। इंडिपेंडेंट से कहा कि भारत की अग्नि-5 मिसाइल टेस्टिंग पाकिस्तान के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकती है।

भारत की लंबी दूरी वाली ताकतवर मिसाइल

अग्नि-5 एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) है, जो लंबी दूरी तक वार करने में सक्षम है। इसका आने वाला टेस्ट पाकिस्तान के लिए सीधा खतरा माना जा रहा है।

कई वारहेड ले जाने की क्षमता

यह मिसाइल एमआईआरवी टेक्नोलॉजी से लैस है, यानि एक बार लॉन्च होने के बाद यह अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ हमला कर सकती है, जिससे इसकी विनाशक शक्ति कई गुना बढ़ जाती है।

पड़ोसियों को संदेश देने की रणनीति: भारत की नई मिसाइल टेस्टिंग सिर्फ टेक्नोलॉजी का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसके जरिए वह अपने विरोधियों को ताकत का संदेश देना और अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को दिखाना चाहता है।

पाक की बातचीत पर जोर देने की सलाह: एसवीआई ने पाकिस्तान सरकार को चेताया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत को ऐसे कदमों से रोकना चाहिए, जो क्षेत्रीय स्थिरता को बिगाड़ते हैं। साथ ही दोनों देशों को बातचीत के जरिए मतभेद सुलझाने चाहिए।

अग्नि-5, अग्नि-6 पर फोकस

एसवीआई का मानना है कि भारत की सबसे लंबी दूरी वाली मिसाइल श्रृंखला-अग्नि 5 और अग्नि 6 को पाकिस्तान हल्के में नहीं ले सकता, क्योंकि ये सीधे उसकी सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देती हैं।

मिसाइल विकास में भारत की तेजी

2016 में भारत को मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रेजीम (एमटीसीआर) की सदस्यता मिली जिसके बाद भारत को उन्नत तकनीक और हथियारों तक आसान पहुंच मिल गई और उसने मिसाइल प्रोग्राम की रफ्तार और तेज कर दी।

समुद्र में भी दिखाई ताकत

भारत अब परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों और सबमरीन लॉन्च्ड बैलिस्टिक मिसाइलों (एसएलबीएम) से लैस होकर हिंद महासागर में भी अपनी शक्ति बढ़ा रहा है, जो पाकिस्तान की चिंताओं को और गहरा कर रहा है।

मुख्तार के बेटे अब्बास की विधायकी होगी बहाल

हाईकोर्ट ने 2 साल की सजा पर रोक लगाई

प्रयागराज, जेएनएन। मुख्तार अंसारी के बड़े बेटे अब्बास को हेट स्पीच केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। बुधवार को हाईकोर्ट के जस्टिस समीर जैन ने मऊ की एमपी/एमएलए कोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें 2 साल की सजा सुनाई गई थी। हाईकोर्ट के फैसले पर जानकारों का कहना है कि अब अब्बास की विधायकी बहाल होगी। मामला 2022 के विधानसभा चुनाव से जुड़ा है। अब्बास सुभासपा के टिकट पर मऊ से चुनावी जनसभा में कहा था-सपा मुखिया से कहकर आया हूं, सरकार बनने के बाद 6 महीने तक किसी की ट्रांसफर-पोस्टिंग नहीं होगी, जो जहां है, वहीं रहेगा। पहले हिसाब-किताब, फिर ट्रांसफर होगा।

सुप्रीम कोर्ट जाएगी सरकार

विधायिका के जानकार की मानें तो सजा स्थगित होने के कारण अब अब्बास विधानसभा में सदस्यता बहाल करने के लिए अर्जी देंगे। विधानसभा को उनकी सदस्यता बहाल करनी होगी। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने अपर महाधिवक्ता महेश चंद्र चतुर्वेदी से बात की है। चतुर्वेदी ने उन्हें मामले में सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की सलाह दी है। अब सरकार सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करेगी। अब्बास के वकील उपेंद्र उपाध्याय ने बताया-17 जुलाई को सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। हमारी मांगों को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और सजा पर रोक लगा दी। मामले में कुल 5 सुनवाई हुईं। 13 अगस्त को बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जीवनमुक्त सद्‌गुरु बाबा माधवशाह साहिब जी का पावन प्रकाशोत्सव भक्ति भाव से मनाया गया

जागरण, कटनी। जीवनमुक्त सतगुरु बाबा माधवशाह साहिब जी का पावन प्रकाशोत्सव प्रेमा भक्तिभाव से मनाया गया। इस पावन पर्व में सम्मिलित होने देश विदेश से हजारों श्रद्धालुजन हरेमाधव दरबार साहिब पधारे। जीवनमुक्त लीलाधारी सतगुरु बाबा माधवशाह साहिब जी ने अनन्त लीलाएं जीवजगत में जन कल्याण हेतु रचीं, दुख कष्ट हरे। गुरु साहिबान जी की ऐसी ही कुछ दिव्य लीलाएं चलचित्र के माध्यम से सर्व संगतों ने देखीं कि सन् 1950 विभाजन की त्रासदी के समय जब कस्बे में लोगों के पास रहने के लिए न छत थी, न खाने के लिए अनाज, भारी गरीबी थी तब आप गुरुमहाराज जी स्व अनाज की बोरियां प्रभातिवेले जनमानस के घरों के बाहर छोड़ आया करते, प्रभु साहिबानों की इन करुणामय लीलाओं के जामिन साक्षी आज नगर में रहने वाले ही कई परिवारजन हैं जो इन उपकारी लीलाओं के साक्षी हैं जो महर कृपा के दृष्टांत सुनाते हैं किस तरह सतगुरु जी ने सुखद थांव दे जीवन संवारा और भी कई उपकारी लीलाएं चलचित्र के माध्यम से दर्शाई गईं थीं। जब सतगुरु साहिबानों ने यह सब लीलाएं रचीं पर उस समय कोई कण भी जान ना पाया, सो आज प्रभुसाहिबानों की परम भजन ज्योंत् जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी के रूप में प्रगटोंप्रगट है, आपजी अपने भजन कंठ से लीलाएं महिमाएं भजन दृष्ट से निहार प्रकाशमय कर जनमानस के लिए भक्ति पथ ज्योर्तिमय कर रहे है। सतगुरु जी ने अपने वचनों के दौरान फरमाया परम प्रभु सतगुरु बाबा माधवशाह साहिब जी का प्रकाशोत्सव मनाने का भाव यह किए परम ठाकुरों के असल स्वरूप का जीवों को ज्ञान हो, अब विराट शक्ति रूप समरथ ताकतों को प्रगट करने का प्रकाशमय करने का परम मंगलवेला है। जीवनमुक्त सतगुरुओं के प्रकाश पर्व पर उनकी परम लीलाएं प्रकट होना अनिवार्य हैं जिनकी हर एक लीला में, हर एक कला में अनन्त प्रकाश ही प्रकाश है। हरे माधव गुरुमहाराज जी के प्रकाशोत्सव का यह कार्यक्रम प्रातः हरेमाधव अरदास मेरे सतगुरां हम शरण तेरी आए से आरम्भ हुआ तत्पश्चात भजन राग सद् ग्रंथ वाणियों का गायन और एलईडी पर सतगुरु उपकारी लीलाओं की प्रस्तुति संध्याकाल तक सतगुरु मेहर कृपा का दौर चलता रहा। सभी संगतें सतगुरु दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर झूम रहीं, आनन्द मग्न हो रहीं, सतगुरु बाबाजी पर बल बल जा रहीं। संपूर्ण वातावरण सतगुरु भक्ति, प्रेम और आनन्द से सरोबार रहा। प्रकाशोत्सव पर्व पर अनेक नगरों के कई श्रद्धालु गणमान्यजन प्रबुद्ध नागरिक समाजसेवी, शामिल रहे सभी ने सतगुरु महिमाओं को देखा सुना सतगुरु आशीष पायी। तत्पश्चात् सभी ने हरेमाधव ब्रम्हभोज भंडारा प्रसाद से मुख पवित्र कर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किया। बाबा माधवशाह सेवा मंडल द्वारा कार्डधारी लगभग दो सौ निराश्रित परिवारों को मासिक खाद्यान्न के साथ बाथकिट बाल्टी टब मघ इत्यादि प्रदान किया गया।

चड्ढा ऑटोनॉमस कॉलेज में यू.के.से पधारे एक्सपर्ट द्वारा गेस्ट लेक्चर आयोजित हुआ

जागरण, कटनी। कटनी आर्ट्स एण्ड कॉमर्स ऑटोनॉमस कॉलेज चड्ढा कॉलेज में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.जय चड्ढा के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष शरद निरंकारी की अध्यक्षता में महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं हेतु गेस्ट लेक्चर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पूजन वंदन से हुआ। इसके पश्चात् महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.जय चड्ढा द्वारा एसोशियेट डायरेक्टर कॉग्जेण्ट यू.के.से लेक्चर हेतु पधारे वक्ता एवं मुख्य अतिथि गेस्ट देवेश सिन्हा को पुष्प गुच्छ भेंटकर तथा शाल पहनाकर एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मान किया। इसी क्रम में वाणिज्य विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष शरद निरंकारी द्वारा श्री देवेश सिन्हा को बैच लगाकर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। मुख्य अतिथि देवेश सिन्हा ने लेक्चर के माध्यम से छात्र छात्राओं को एजाईल मैथोडलॉजी विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की तथा छात्र छात्राओं द्वारा पूछे गये प्रश्नों का समाधान किया। लेक्चर पश्चात् महाविद्यालय प्राचार्य ने छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय का सदैव यह प्रयास रहा है कि महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को नियमित कक्षाओं के अतिरिक्त अन्य व्यवहारिक, सामाजिक तथा प्रायोगिक ज्ञान प्रदान किया जाए।

कार्यक्रम के अंत में सहायक प्राध्यापिका श्रीमती ऋचा डेंगरे द्वारा आभार व्यक्त किया गया। गेस्ट लेक्चर कार्यक्रम में चड्ढा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के डायरेक्टर देवाशीष चड्ढा, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.जय चड्ढा, वाणिज्य विभाग विभागाध्यक्ष शरद निरंकारी, सहायक प्राध्यापक अतुल जैन, डॉ.आर.आर.एस परिहार, रवि यादव, पंकज सेक्सरिया, श्रीमती ऋ चा डेंगरे, सुश्री आकांक्षा सिंह तोमर, सुश्री शिवानी मलिक, समीप श्रीवास्तव एवं पवन केवट, प्रदीप श्रीवास्तव, मनोज मिश्रा एवं बड़ी संख्या छात्रध्छात्राओं की उपस्थिति रही।

अर्चना ने शादी के डर से रची थी साजिश

खुद ही दोस्तों की मदद से चली गई थी नेपाल

जागरण, कटनी। घरवालों द्वारा शादी करने के दबाव के बाद कटनी की युवती अर्चना तिवारी ने खुद ही गायब होने की न सिर्फ पटकथा लिखी बल्कि दो लोगों की मदद से इसे सफल अंजाम दिया। मामले में आरक्षक राम तोमर की संलिप्तता नहीं पाई गई यह पुलिस दावा है। पूरे मामले में कोई भी आपराधिक मामला नहीं बनता, लिहाजा किसी पर कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस ने एक व्यक्ति जिसका नाम सारांश जैन है वह सुजालपुर का रहने वाला है। उसके साथ नेपाल चली गई, वहां काठमांडू में कुछ दिन रही, इधर भारत आने पर सारांश जैन को पुलिस ने पकड़ लिया। सारांश के साथ तेजेंदर नामक व्यक्ति भी इस पूरे मामले में शामिल था। दरअसल सारांश का ड्रोन का काम है जिस कारण उसके नेपाल में भी संपर्क थे। यह पूरी जानकारी भोपाल में रेल एसपी राहुल कुमार ने पत्रकारों को दी है। अर्चना की किसी पटवारी से शादी लगी थी जिससे वह नाखुश थी घरवाले शादी के लिए दबाव बना रहे थे अर्चना इनकार कर रही थी। बस यही इस पूरे मामले की जड़ बनी। अर्चना सारांश से इंदौर में मिली थी दोनों एक दूसरे को जानते थे अर्चना ने सारांश को अपनी समस्या बताई तथा खुद को गायब करने की रचना तैयार कर ली इसमें मदद सारांश ने की और सारांश का एक दोस्त तेजेन्द्र भी इन दोनों की मदद कर रहा था। मामले की जांच कर रही पुलिस ने इस केस में ग्वालियर के कॉन्स्टेबल राम तोमर से भी पूछताछ की थी। राम तोमर ने पूछताछ के दौरान कहा है कि वह अर्चना तिवारी को जानता जरूर है लेकिन कभी मिला नहीं है। साथ ही बस टिकट करवाने की बात उसने कबूल की है। पुलिस टीम अभी उससे भी पूछताछ कर रही है। अर्चना के आने के बाद पुलिस टीम उससे पूछताछ कर रही है। साथ ही यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि वह काठमांडू कैसे पहुंची। साथ ही किसके साथ गई थी। सूत्रों के अनुसार काठमांडू में लोकेशन मिलने के बाद पुलिस टीम ने उससे संपर्क किया था। इसके बाद वह बॉर्डर के पास आई जहां से उसे बरामद किया गया।

कन्या छात्रावास सरसवाही में सुधार के लिए अजाक्स ने ज्ञापन सौंपा

जागरण, कटनी। मध्य प्रदेश अजाक्स संघ कटनी के जिला महासचिव पूर्णेश उइके ने बताया कि 20 अगस्त को संघ के द्वारा विमल चौरसिया जिला संयोजक आदिम जाति विभाग कटनी को कन्या परिसर छात्रावास सरसवाही में व्याप्त अव्यवस्थाओं के सुधार हेतु जिसमे शौचालयों स्नानघर में स्वच्छता की कमी, शुद्ध पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, परिसर में रात्रिकालीन स्टॉफ नर्स एवं पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था अन्य मूलभूत सुविधाओं पंखे, लाइट, चिकित्सा सुविधा आदि समस्याओं के निराकरण हेतु ज्ञापन दिया गया और जिला संयोजक ने यथाशीघ्र समाधान करने हेतु आश्वासन दिया है। ज्ञापन देने में संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह धुर्वे, पूर्व अध्यक्ष सोहन लाल चौधरी, मनोज दहिया, बाबूलाल, शत्रुघन, धर्मेंद्र राज उपस्थित रहे।

विधायक संजय पाठक की प्रेरणा से राहत शक्ति अभियान को मिला नया आयाम

जागरण, कटनी। विजयराघवगढ़ मेहगांव ग्राम पंचायत में महिलाओं के स्वास्थ्य स्वच्छता और सम्मान की दिशा में राहत शक्ति अभियान के तहत एक और कदम बढ़ाया गया। इस अभियान को निरंतर गति देने में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक की प्रेरणा और मार्गदर्शन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। श्री पाठक की प्रेरणा से ग्रामीण अंचलों में महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वाभिमान और स्वच्छता को लेकर नई सोच और जागरूकता का वातावरण बन रहा है। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ता जेनिफर फिलिप्स, सहियका प्रिया कोल, समिति अध्यक्ष शारदा प्रसाद साहू, छवि ताम्रकार और वॉलेंटियर अनुपम द्विवेदी उपस्थित रहे। लगातार कैंपों और संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से गाँव-गाँव की महिलाएं अब खुलकर अपनी बात रख रही हैं और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। महिलाए अपनी समस्या शिविर के माध्यम से महिला आगनवाड़ी पदाधिकारी व स्वास्थ्य विभाग की टीम से साझा कर निराकरण प्राप्त कर रही है। शिविर के माध्यम से कई हजार महिलाए विभिन्न गुप्त बिमारी से गुजर रही थी किन्तु मर्यादा मे रख कर साझा नहीं कर पा रही थी आज उन्हे मौका मिला ताकि वह उन बीमारियों से छुटकारा प्राप्त कर सके।

In The Court Of I Additional Judge To I Civil Judge Class-I District Court, Rewa
Presiding Officer: शैलेन्द्र रैकवार
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000424/2022)
प्रेमा बाइ .... वादी
VS
पुलिस अधीक्षक रीवा .... प्रतिवादी
Process Id:-/2025
पेशी दिनांक – 09/09/2025
प्रेषिती–
(1) हर आम व खास पता– रीवा म.प्र.
यह कि प्रार्थी प्रेमा बाइ ने आपके विरुद्ध दावा के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिए उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नही होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।
यह आज तारीख 21 जुलाई 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है। यदि किसी कारणवस उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।
मुद्रा
शैलेन्द्र रैकवार
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
वरिष्ठ खण्ड
न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त न्यायाधीश जिला रीवा (म.प्र.)
RN-84235

न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला रीवा (म0प्र0)
प्रकरण क्रमांक/0259/निगरानी/2024–25
रीवा दिनांक 18/8/2025
01. कुन्जबिहारी बढ़ई पिता स्व. लल्ला बढ़ई निवासी बदरांव (बढ़ौरा टोला) तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) 02. श्रीमती शकुन्तला पुत्री स्व. लल्ला बढ़ई पत्नी रामचरण बढ़ई निवासी मदैना गैस एजेन्सी के पीछे तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) 03. श्याम दुलारी (मृतक) वारिसान – अ) संतोष विश्वकर्मा पिता कुन्जबिहारी बढ़ई ब) खेलाड़ी विश्वकर्मा पिता कुन्जबिहारी बढ़ई दोनों निवासी ग्राम बदरांव बड़ौरा टोला तहसील हुजूर जिला रीवा मध्यप्रदेश।
.... निगरानीकर्तागण
बनाम
01. विष्णु प्रसाद विश्वकर्मा पिता स्व. लल्ला बढ़ई निवासी ग्राम बदरांव बड़ौरा टोला तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) 02. श्रीमती कमला पुत्री स्व. लल्ला बढ़ई पत्नी श्री रामशरण बढ़ई निवासी ग्राम कोलगवां सतना शहर सतना (म.प्र.) 03. नीलू विश्वकर्मा पिता भूरे लाल निवासी ग्राम बदरांव बड़ौरा टोला तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) 04. सोनू विश्वकर्मा पिता भूरे लाल निवासी ग्राम बदरांव बड़ौरा टोला तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.)
..........गैर निगरानीकर्तागण
//आम इश्तहार //
गैर निगरानीकर्तागण क्रमांक 01 ता 04 को सूचित किया जाता है कि निगरानीकर्ता कुन्जबिहारी बढ़ई पिता स्व. लल्ला बढ़ई वगैरह निवासी बदरांव (बढ़ौरा टोला) तहसील हुजूर जिला रीवा (म.प्र.) के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी तहसील हुजूर जिला रीवा के राजस्व प्रकरण क्रमांक 0180/अपील/2020–21 आदेश दिनांक 23.01.2024 के विरूद्ध मध्यप्रदेश भू–राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के तहत निगरानी प्रस्तुत की गई है। उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 24/09/2025 को पेशी नियत है। अतः गैर निगरानीकर्तागण क्रमांक 01 एवं 04 को सूचित किया जाता है कि उक्त प्रकरण की पेशी दिनांक 24/09/2025 को समय 11:00 बजे दिन स्वतः या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर प्रकरण की सुनवाई की कार्यवाही में भाग लें, गैर निगरानीकर्तागण के उक्त दिनांक एवं समय में अनुपस्थित रहने पर गैर निगरानीकर्तागण के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।
अपर कलेक्टर
जिला–रीवा (म.प्र.)
RN- 84234

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

जमीन बेचना है

पद्मधर कॉलोनी के पीछे नदी से लगा व 11,500 वर्गफिट फार्म हाउस मात्र 1200 रूपये वर्गफिट बेचना है। सम्पर्क करें। पंकज सिंह मो. 9753664665
आरएन–जीएमसर(23/8)

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

दुकान बेचना/ किराये से देना है

शहर के मध्य शिल्पी प्लाजा के बी–ब्लाक में बी–4/10 साइज 7.60×3.45 मीटर की दुकान बेचना एवं किराये से देना है। इच्छुक व्यक्ति निम्न मोबाइल नं. पर संपर्क कर सकते हैं। मो. नं. 7979818519, 7566405999
आर.एन. जीएम सर (22/8)

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जन्मदिन सद्भावना दिवस के रूप में मनाया : जागरण, कटनी। कांग्रेस जनो ने बुधवार को स्थानीय स्वतंत्रता सेनानी शहीद स्मारक में सुबह 11 बजे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जन्मदिवस सद्भावना दिवस के रूप में मनाते हुए राजीव जी का पुण्य स्मरण किया।

पश्चिम मध्य रेल
DRM Office Personnel Department, Jabalpur
L. No. WCR/P.JBP/EG/947/Re-Employment/Part-II Dated: 19.08.2025
जबलपुर मंडल–विज्ञापन
इस कार्यालय के पत्र क्रमांक पमरे/का. जबल/ईजी/947/Re-Employment/भाग–II दिनांक 13.08.2025 के संदर्भ में टीआरडी एवं इंजीनियरिंग तथा इंजीनियरिंग (मुख्यालय) विभाग में रिक्त पदों के विरूद्ध इच्छुक सेवानिवृत्त कर्मचारी/दिनांक 30.09.2025 तक सेवानिवृत्त होने वाले अराजपत्रित रेल कर्मचारियों से संविदा के आधार पर कार्य कराने जाने (पुनःनियोजन) का निर्णय लिया गया हैं, जिसके तहत आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। 65 वर्ष की आयु तक पुनः नियोजन का प्रावधान हैं। इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना एवं जानकारी पश्चिम मध्य रेल की वेबसाइट(www.wcr.indianrailways.gov.i) पर भी उपलब्ध हैं। (हस्ता.)
कृते मं.रे.प्रबं.(का.) जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

न्यायालय तहसीलदार तहसील सिरमौर जिला रीवा (म॰प्र॰)
क्र. 880/रीडर/2025
सिरमौर, दिनांक: 20.08.2025
संकट मोचन सिंह पिता महेन्द्र बहादुर सिंह निवासी ग्राम खैरहन तहसील सिरमौर जिला रीवा (म.प्र.) ....आवेदक
बनाम
मध्य प्रदेश शासन ....अनावेदक
एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संकट मोचन सिंह निवासी ग्राम खैरहन तहसील सिरमौर जिला रीवा (म.प्र.) के द्वारा ग्राम खैरहन की आराजी नं. 664/1, 669/1, 675/2, 683, 684/2, 685, 686, 693, 694 के आधार पर वारिशाना नामांतरण बावत आवेदन पत्र पेश किया गया जो न्यायालय में विचाराधीन है। प्रकरण में मृतक के चाचा वरूणेन्द्र सिंह व उनकी पत्नी किरण सिंह ला.फौ. मृतक है तथा उनके प्रथम पीढी वारिस मुताबिक सजरा व पटवारी प्रतिवेदन अनुसार संकट मोचन सिंह, जीवेन्द्र सिंह, रामरसेम सिंह (मृतक) के वारिश पत्नी सरस्वती देवी, अरविन्द्र सिंह मौजूद है। उक्त के संबंध में जिस किसी पक्षकार व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति 15 दिवस के म्याद अवधि में इस न्यायालय में लैखिक अथवा मौखिक रूप से प्रस्तुत करें। नियत समयावधि के बाद आपत्ति ग्राहय नही होगी।
तहसीलदार
तहसील सिरमौर
जिला–रीवा (म.प्र.)
RN- 84236

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक / कार्य / झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन **(ई- टेन्डरिंग)** के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।
ई-निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-मुख्यालय-2025-144
कार्य का नाम : 4 टीकिमी. टीआरआर वर्क एट वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन इन जूरिडिक्शन ऑफ़ एडीईएन/एचक्यू-।. झाँसी।
अनुमानित लागत रू. : 3266078.20 **अमानत राशि :** 65300.00
निविदा बन्द होने की तिथि : 10/09/2025 at 15:00 hrs
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 08 माह
• निविदा दिनांक 10/09/2025 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। 1486/25(AS)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे
पत्र सं-No. JHS/Commercial/e-Auction/25/127 दिनांकः 18.08.2025
ई-नीलामी सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झाँसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती हैः-
श्रेणीः प्रचार **कैटलॉग संख्याः** JHS-OOH-ADV-14
एसेट्स डिटेल्सः 1. VGLJ ZONE 'F', LAR, BNDA, & ORAI रेलवे स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया में "आउट ऑफ होम" पॉलिसी के अंतर्गत विज्ञापन ठेके का आवंटन।
ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समयः दिनांक 02.09.2025 को समय- 12:00 से
ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समयः दिनांक 02.09.2025 को समय- 13:00 तक
नोटः उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट- **www.ireps.gov.in** के **e-auction module** के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है। 1483/25 (D)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION SATNA, DIST - SATNA

Request for Proposal
Tender No. 2025_UAD_445560_1
(IInd Call)

NIT No. 02/Account/e-tendering/2025-26 Satna, Date: 19/08/2025

Satna Municipal Corporation invites request for proposals from Reputed Chartered Accountant firms (Partnership/LLP) for Accrual Based Double Entry Accounting and Preparation of Annual Financial Statements, Up-dation of Fixed Asset Register and Other related works for Satna Municipal Corporation for the FY-2025-26 & 2026-27.

The detailed Terms of Reference and scope of work is given in bid document. Bid document can be purchased online from website https://www.mptenders.gov.in, between 20.08.2025, 15:30 to 04.09.2025, 17:30 on payment of non- refundable amount Rs. 5,000/- (Rs. Five Thousand Only). The EMD of the said work will be Amount Rs. 50,000/- (Rs. Fifty Thousand Only). Purchase of tender document may include service & gateway charges of the website.

Commissioner Municipal Corporation, Satna reserves the right to reject any or all proposals with or without assigning any reasons there of.

Modifications/Amendments/Corrigendum, if any shall not be advertised in the newspaper but shall be published in the departmental www.mptenders.gov. in only. The undersigned reserve the right to change the terms and conditions, Select/Reject any application without assigning any reason thereof.

KEY DATES	
Purchase of Tender	20.08.2025, 15:30
Last date of submission of clarifications	NA
Last date of giving clarifications/corrigendum	NA
Bid Submission Start Date	25.08.2025, 17:30
Last date of submission of bid	04.09.2025, 17:30
Opening of technical bid	08.09.2025, 11:00
Opening of financial bid	To be intimated later to technically qualified bidders
Contact Person -	
Name	Mobile No.
Shri Satyam Mishra Deputy Commissioner (Finance)	9589840604
Shri Devendra Pandey, (Assistant Accountant Officer)	9827046793

COMMISSIONER
MUNICIPAL CORPORATION SATNA (M.P.)

कार्यालय कलेक्टर, जिला-सीधी एवं पदेन उप सचिव म.प्र. राजस्व विभाग

क्र./2061/भू–अर्जन/2025 सीधी, दिनांक :– 04/08/2025

अधिसूचना

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इस संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा–11 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार सभी व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि कोई भी व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से इस अधिनियम के अधीन कार्यवाहियों के पूरा हो जाने तक अधिसूचना में विर्निदिष्ट भूमि का कोई संव्यवहार नही करेगा या कोई संव्यवहार नहीं कराया जायेगा अथवा ऐसी भूमि पर कोई विलंगम सृजित नहीं करेगा। राज्य शासन इसके द्वारा अनुसूची के खाने (5) में उल्लिखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा–12 में दी गयी शक्तियों का प्रयोग करने हेतु अधिकृत करता है।

यह परियोजना आम जनता के व्यापक एवं दूरगामी हितों से संबद्ध है तथा यह कार्य मझौली बायपास मार्ग लंबाई 1.60 किलोमीटर के निर्माण का भाग है। यह अर्जन की कार्यवाही रेखिक दिशा में हो रही है तथा इस क्षेत्र में परिवारों का विस्थापन नहीं होगा। अतः उपर्युक्त कारणों से इसमें सामाजिक समाधान के निर्धारण की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है।

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन :-
(क) जिला – सीधी
(ख) तहसील – मझौली
(ग) ग्राम – मझौली
(घ) पटवारी हल्का का नाम व नंबर – मझौली
(ङ) निजी भूमि का अर्जित क्षेत्रफल – 1.5373 हे.

क्र.	खसरा नंबर	कुल रकवा	अर्जन हेतु प्रस्तावित रकवा	धारा–12 के अंतर्गत अधिकारी प्राधिकृत	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5	6
1	73/1	0.0500	0.0100	कार्यपालन यंत्री म.प्र. लोक निर्माण विभाग (भ./स.) सीधी, संभाग सीधी	मझौली बायपास मार्ग निर्माण हेतु
2	73/2	0.0500	0.0100	–''–	–''–
3	73/3	0.0500	0.0100	–''–	–''–
4	93/2/1	0.1720	0.0300	–''–	–''–
5	91	0.1980	0.0560	–''–	–''–
6	85/1/1/1/1	0.3647	0.1200	–''–	–''–
7	85/1/1/2	0.0081	0.0040	–''–	–''–
8	85/1/2	0.0081	0.0040	–''–	–''–
9	206/1	0.1330	0.0040	–''–	–''–
10	206/2	0.3000	0.0100	–''–	–''–
11	206/3	0.0450	0.0020	–''–	–''–
12	206/4	0.0440	0.0020	–''–	–''–
13	206/5	0.0450	0.0020	–''–	–''–
14	282	1:1490.	0.0320	–''–	–''–
15	285/1	0.2720	0.0320	–''–	–''–
	285/2	0.0400	0.0000		
16	286/1	0.0670	0.0120	–''–	–''–
17	292/1/1	0.3920	0.0910	–''–	–''–
18	292/1/2	0.0780	0.0310	–''–	–''–
19	280/1/1/1/1/1	0.3122	0.0455	–''–	–''–
20	280/1/1/1/2	0.0257	0.0030	–''–	–''–
21	280/1/1/2/1	0,0100	0.0013	–''–	–''–
	280/1/1/2/2	0.0110	0.0013		
22	280/1/2/1	0.2450	0.0329	–''–	–''–
23	280/3	0.0210	0.0024	–''–	–''–
24	280/4/1	0.0420	0.0048	–''–	–''–
25	280/4/2	0.0100	0.0013	–''–	–''–
26	280/5/1	0.0238	0.0050	–''–	–''–
	280/5/2	0.0202	0.0000		
27	280/6	0.0280	0.0034	–''–	–''–
28	280/7	0.0400	0.0042	–''–	–''–
29	280/8/1	0.0570	0.0020	–''–	–''–
	280/8/2	0.0160	0.0069		
30	276/1	0.7490	0.0240	–''–	–''–
31	277/1	0.1120	0.0360	–''–	–''–
	278/1	0.0120	0.0080		
32	362	0.2470	0.0600	–''–	–''–
33	277/2	0.2240	0.0680	–''–	–''–
	278/2	0.0240	0.0140		
34	279/2/1/2	0.0195	0.0040	–''–	–''–
35	279/2/2	0.0160	0.0040	–''–	–''–
36	387	0.2630	0.0400	–''–	–''–
	388	0.9910	0.0860		
37	391	0.1700	0.0140	–''–	–''–
38	390/1	0.7684	0.0113	–''–	–''–
39	390/2	0.0486	0.0007	–''–	–''–
40	386	0.1130	0.0400	–''–	–''–
41	363/3/1/1/1/1	0.0300	0.0075	–''–	–''–
	363/3/1/1/2/1	0.0101	0.0025		
42	363/3/1/1/1/2	0.0300	0.0075	–''–	–''–
	363/3/1/1/2/2	0.0101	0.0025		
43	363/3/1/2	0.1000	0.0300	–''–	–''–
44	363/3/2	0.1200	0.0100	–''–	–''–
45	363/3/3/2	0.0500	0.0160	–''–	–''–
46	404/1/1/1	1.0742	0.1300	–''–	–''–
47	404/1/1/2	0.0632	0.0080	–''–	–''–
48	404/1/1/3	0.1896	0.0250	–''–	–''–
49	404/1/2/1	0.0736	0.0110	–''–	–''–
50	404/1/2/2	0.0736	0.0110	–''–	–''–
51	404/1/2/3	0.0738	0.0110	–''–	–''–
52	404/1/3/1	0.0736	0.0110	–''–	–''–
53	404/1/3/2	0.0736	0.0110	–''–	–''–
54	404/1/3/31	0.0738	0.0110	–''–	–''–
55	348/1/1/1	0.0100	0.0022	–''–	–''–
56	348/1/1/2	0.1450	0.0323	–''–	–''–
57	348/1/2	0.0160	0.0035	–''–	–''–
58	348/2	0.3920	0.0880	–''–	–''–
59	348/3	0.0400	0.0080	–''–	–''–
60	350/1	0.0250	0.0080	–''–	–''–
61	350/2/1	0.2625	0.0220	–''–	–''–
62	350/2/2	0.2625	0.0220	–''–	–''–
63	350/3/1	0.0777	0.0100	–''–	–''–
	350/3/2	0.0203	0.0203		
64	349	0.0970	0.0300	–''–	–''–
	कुल योग	11.5525	1.5373		

भूमि का नक्शा (प्लान) उपखण्ड अधिकारी मझौली के कार्यालय में देखा जा सकता है।

म.प्र. राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार

(स्वरोचिष सोमवंशी)
कलेक्टर एवं पदेन
उप सचिव म.प्र. शासन, राजस्व विभाग

G-17458/25

जिले में यूरिया को लेकर किसानों में मचा कोहराम

जागरण अव्यवस्था

गोदामों में सुबह से देर शाम तक उमड़ रही भीड़

यूरिया की कम आवक से किसानों में आक्रोश

जागरण, सीधी

जिले में खरीफ सीजन की फसलों की बोनी का काम पूर्ण होने के बाद अब यूरिया-खाद की तलाश में किसान भटकने को मजबूर हैं। स्थिति यह है कि सरकारी गोदामों में सुबह से लेकर देर शाम तक किसानों की भीड़ उमड़ रही थी लेकिन अधिकांश किसानों को मायूश होकर घर लौटने की मजबूरी बनी हुई है। अगले दिन किसान फिर यूरिया-खाद मिलने की आस में गोदाम के बाहर भीड़ में पहुंच जाता है लेकिन फिर उसका नंबर नहीं लगता। यही हालात सीधी जिले के सभी गोदामों के बने हुए हैं। गोदाम प्रभारी एवं कर्मचारी भी किसानों की भारी भीड़ को देखकर परेशान हैं। उन्हें किसानों के गुस्से का सामना भी करना पड़ रहा है। यूरिया-खाद की किल्लत को लेकर अमिलिया एवं चुरहट में किसानों का आक्रोश फूट चुका है। जिसके बाद अधिकारियों को स्वयं व्यवस्था संभालने के लिए पहुंचना पड़ा। तत्संबंध में विभागीय सूत्रों का कहना है कि वर्तमान में पूरे प्रदेश में यूरिया-खाद की मांग काफी ज्यादा बनी हुई है। बाहर से मांग के अनुपात में खाद की आवक कम होने के कारण यह स्थिति निर्मित है। अधिकांश किसान यूरिया की मांग कर रहे हैं। व्यवस्था बनाने के लिए कुछ गोदामों में एक-एक बोरी यूरिया का वितरण किया जा रहा है। जिस पर किसान काफी असंतुष्ट हैं। उनका कहना है कि उनको जरूरत ज्यादा यूरिया की है। ऐसे में वह एक बोरी यूरिया लेकर क्या करेंगे। वहीं व्यवस्था में जुड़े अधिकारियों का कहना है कि यूरिया खाद को लेकर हर जगह किसानों की भीड़ अनावश्यक उमड़ रही है। जबकि किसानों को गोदामों से टोकन का वितरण किया गया है। जिससे वह अपने नंबर के अनुसार बिना किसी परेशानी के यूरिया ले सकें। फिर भी किसान टोकन लेने के बाद भी अकारण नंबर न आने पर भी गोदाम में आकर व्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहे हैं। यह समस्या करीब एक पखवाड़े तक ज्यादा रहेगी। इसके बाद यूरिया का वितरण अधिकांश किसानों को हो जाने पर भीड़ घट जाएगी। वहीं चर्चा के दौरान कुछ किसानों का कहना था कि यूरिया-खाद बाजार में भरपूर मात्रा में उपलब्ध है। वहीं सरकारी व्यवस्था में यूरिया-खाद की भारी किल्लत हर जगह मची हुई है। गोदामों में जो यूरिया-खाद पहुंच रही है उसकी काफी मात्रा जिम्मेदारों द्वारा वितरण से पहले ही गायब कर दी जाती है। यूरिया खाद की बड़े पैमाने पर कालाबाजारी होने के कारण यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। किसान यह चाहते हैं कि खेती-किसानी के समय आसानी से यूरिया-खाद उपलब्ध हो जाए जिससे वह फसलों में उसको डाल सकें। यदि यूरिया-खाद समय पर नहीं मिलेगी तो फसल की पैदावार काफी कम हो जाएगी और किसानों को काफी क्षति उठानी पड़ेगी। इस समस्या को जिम्मेदार अधिकारी नहीं देख रहे हैं।

यूरिया की मांग एवं आपूर्ति में भारी अंतर

वर्तमान में सीधी जिले में यूरिया-खाद की भारी मांग बनी हुई है। जबकि सीधी जिले में मांग के अनुपात में महज 5 फीसदी यूरिया-खाद की आपूर्ति हो रही है। सीधी जिले में यूरिया-खाद की आपूर्ति काफी कम होने एवं हर जगह भारी मांग होने के कारण इसका खामियाजा किसानों के साथ ही यूरिया-खाद के वितरण से जुड़े जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी भुगतना पड़ रहा है। तत्संबंध में कुछ विभागीय अधिकारियों का कहना था कि यूरिया-खाद की मांग इन दिनों पूरे प्रदेश में काफी ज्यादा है और आपूर्ति सभी जगह काफी कम है। इस वजह से यूरिया-खाद की समस्या प्रदेश स्तरीय सरकार द्वारा अपने स्तर से व्यवस्था बनाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। जो यूरिया प्रदेश को मिल रही है। उसका कोटा निर्धारित कर सभी जिलों को भेजा जा रहा है। सीधी जिले को जो यूरिया मिल रही है उसका वितरण प्रतिदिन कराया जा रहा है। जिससे लोगों को समस्याओं का सामना न करना पड़े। फिर भी देखा यह जा रहा है कि किसान समस्या को समझने का प्रयास नहीं कर रहे हैं। कुछ किसान तो यूरिया-खाद की किल्लत पर गोदामों के बाहर आकर व्यवस्था भी प्रभावित कर रहे हैं। फिर भी उनका यह प्रयास है कि किसानों को अभी जो यूरिया-खाद उपलब्ध हैं वह टोकन व्यवस्था के आधार पर वितरित की जाए। किसान जो यूरिया मिल रही है उसका उपयोग करते रहें। यह बिल्कुल प्रयास न करें कि उनको जरूरत की पूरी यूरिया मिलेगी तभी वह उसका उपयोग खेतों में करेंगे। किसानों को इस समय सहयोग करने की जरूरत है। समूचा प्रशासन किसानों की यूरिया की समस्या को दूर करने के लिए अपने स्तर से सभी प्रयास कर रहा है।

आधुनिक भारत के शिल्पकार थे राजीव गांधी: अजय सिंह

स्व. राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस ने अर्पित की श्रद्धांजलि

जागरण, सीधी

पंचायती राज और सूचना क्रांति के जनक एवं आधुनिक भारत के निर्माता, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधायक चुरहट अजय सिंह राहुल भैया के निज निवास साड़ा शिवराजपुर चुरहट में उनकी उपस्थिति एवं कांग्रेस कार्यालय जवाहर कांग्रेस भवन सीधी में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह सहित वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित कर कोटि कोटि नमन किया और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। निज निवास साड़ा शिवराजपुर चुरहट में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी को अपनी पुष्पांजलि अर्पित करते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधायक चुरहट अजय सिंह राहुल भैया ने कहा कि तकनीकी भारत के शिल्पकारए,संचार क्रांति के जनक, भविष्य दृष्टा, पूर्व प्रधानमंत्री, स्व. राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें भावपूर्ण करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि राजीव गांधी ऐसे युवा प्रधानमंत्री थे जिन्होंने ग्रामीण भारत की प्रतिभाओं को शिक्षा, संचार और नेतृत्व के अवसर दिये। कंप्यूटर और दूरसंचार की क्रांति, पंचायती राज की संवैधानिक व्यवस्था और नवोदय विद्यालय इसके उदाहरण हैं। राष्ट्र के लिए राजीव गांधी का योगदान अविस्मरणीय है। जवाहर कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने स्व. राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंचायती राज महिला सशक्तिकरण संचार क्रांति, कंप्यूटर क्रांति सहित आधुनिक भारत के निर्माण में राजीव जी का योगदान अविस्मरणीय है। भारत को एकता और भाईचारे के सूत्र में बाँधने के आपके प्रयास अनुकरणीय हैं। उक्त अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण जिला पदाधिकारी सहयोगी संगठन एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी ब्लॉक मंडलम सेक्टर के पदाधिकारी सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहर एवं ग्रामीण अंचल की खबरें

प्रस्फुटन समितियों की मासिक बैठक समीक्षा संपन्न

जागरण, सीधी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड कुसमी द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियो की मासिक बैठक का आयोजन जनपद पंचायत सभागार में की गई बैठक में कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हीराबाई सिंह के द्वारा की गई तथा मुख्य अतिथि के रूप में मनमोहन उपाध्याय प्रधानाचार्य सरस्वती शिशु मंदिर रहे विशिष्ट अतिथि के रूप में जयराम सिंह समन्वयक सामाजिक न्याय विभाग रहे। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता प्रकाश द्विवेदी के द्वारा किया गया। बैठक में प्रस्फुटन समितियों के संचालन के संबंध में विकासखंड समन्वयक अधिकारी रजनीश मिश्रा द्वारा उनके कार्य के प्रति जानकारी दी गई तथा समाज में लोगों की सहभागिता बढ़ाने के बारे में प्रेरित किया गया तथा एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत सभी समितियों को ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने के बारे में बताया गया, जिससे लोगों की सहभागिता बढ़ सके एवं ग्राम में रुचि बढ़ाने के लिए अन्य छोटी-छोटी गतिविधियां करने के बारे में भी जानकारी दी गई। नवाकुर सखी सहयोगी को बताया गया कि आपके द्वारा आदर्श ग्राम में नवाकुर संस्था द्वारा रोहित पौधों को सत्यापित करना है तथा उनको निरंतर गति मिलती रहे इसलिए ग्रामीण जनों को उनके संरक्षण के बारे में बताना है। विशेश्वर जायसवाल एवं उनकी टीम द्वारा आए हुए प्रतिनिधियों को गणेश जी की प्रतिमा के निर्माण के बारे में प्रशिक्षण दिया गया एवं किसी भी प्रकार की समस्या हो उसके लिए सदैव तत्पर रहने के बारे में जानकारी दी गई। जिससे मध्य प्रदेश शासन की मिट्टी गणेश सिद्ध गणेश के बारे में सबको जानकारी दी गई सभी से आग्रह किया गया की गणेश चतुर्थी के अवसर पर सभी व्यक्ति अपने घरों में स्वयं से मूर्ति का निर्माण कर उनको प्रतिष्ठित करें और समाज में एक नया संदेश देने का प्रयास करें। कार्यक्रम में जयराज सिंह विकासखंड समन्वयक सामाजिक न्याय विभाग द्वारा सभी उपस्थित प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई एवं नशा न करने के लिए ग्रामीण जनों को प्रेरित करने के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का आभार परामर्शदाता एवं प्रस्फुटन समिति सदस्य राम बहादुर प्रजापति के द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में प्रस्फुटन समिति के सदस्य नवाकुर समित के सदस्य नवांकुर सखी सहयोगी उपस्थित रहे।

रीता सोनी बनीं प्रदेश उपाध्यक्ष

जागरण, सीधी। पिछड़ा वर्ग महापंचायत मप्र के प्रदेशाध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा की सहमति एवं अनुशंसा पर सीधी की श्रीमती रीता सोनी को महिला प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं श्रीमती रीता सोनी द्वारा कहा गया है की प्रदेश स्तर मे जो महत्वपूर्ण जिम्मेवारी मुझे सौपी गयी है, जिम्मेवारी का पूर्ण निर्वाह्न करेंगे और संघठन को मजबूत शक्तिशाली करने के लिए पूर्ण सहयोग करेंगे। श्रीमती रीता सोनी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये जाने पर उनके शुभचिंतको द्वारा बधाई शुभकामनाये प्रेषित किया गया है। रीता सोनी द्वारा प्रदेशध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा व महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती बबिता परमार के प्रति आभार प्रकट किया गया है।

सांसद ने मंत्रि-परिषद का किया आभार व्यक्त

जागरण, सीधी। मंत्रि-परिषद द्वारा जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित महाविद्यालयीन छात्रावासों में मैस संचालन के लिये 10 माह के स्थान पर 12 माह के लिए शिष्यवृत्ति दिये जाने का निर्णय लिया गया है। यह शिष्यवृत्ति छात्रावासों में विद्यार्थियों की उपस्थिति के आधार पर दी जायेगी। वर्तमान में छात्र को 1650 रूपये प्रतिमाह और छात्राओं को 1700 रूपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति दी जाती है। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने सभी छात्र- छात्राओं की तरफ से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा अनुसूचित जनजाति छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावासों में 12 माह भोजन की व्यवस्था कराने का मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से अनुरोध किया गया था। मध्यप्रदेश कैबिनेट ने मांग को स्वीकार करते हुए अभिनन्दनीय निर्णय लिया है।

बाघ की करंट से मौत के बाद संदिग्धों से हो रही पूंछताछ

संजय टाइगर रिजर्व के बड़े अधिकारी भी दिख रहे मुस्तैद

जागरण, मझौली

संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र में आबाद राजस्व ग्राम के रहवासियों द्वारा फसलों को बचाने के लिये करंट प्रवाहित तार का उपयोग बेखौफ होकर किया जा रहा है। लिहाजा करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से अभी बाघ टी-43 की दर्दनाक मौत हो चुकी है वहीं अन्य वन्य जीवों की मौत भी करंट से हो रही है। संजय टाईगर रिजर्व में दिनांक 19 अगस्त 2025 को रात्रि 12:05 बजे दुबरी परिक्षेत्र की खरबर बीट में 1 बाघ मृत पाया गया था। सूचना प्राप्त होते ही दुबरी परिक्षेत्र के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर पहुंचे एवं घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। घटना दुबरी परिक्षेत्र के डेवा वृत्त की बीट खरबर के कक्ष क्रमांक 509 की थी। मृत नर बाघ की पहचान टी-43 के रूप में की गई। बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाये गये थे। प्राथमिक जांच में बाघ की मृत्यु ग्रामीणों द्वारा फसल बचाने के लिए लगाये गये बिजली के तार में फंसने से होना प्रतीत माना गया। वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 562/18 दिनांक 19 अगस्त 2025 जारी कर प्रकरण में विवेचना की जा रही। क्षेत्रीय ग्रामीणों का कहना है कि बाघ की करंट से मौत के बाद से विवेचना को लेकर संजय टाईगर रिजर्व के बड़े अधिकारी स्वयं मौके पर कैम्प कर रहे हैं और ऐसे लोगों की तलाश में जुटे हुये हैं जिनके करंट लगाने से बाघ की मौत हुई है। वन टीम द्वारा अपराधियों को चिन्हित करने के लिये खोजी कुत्ता का सहारा लिया जा रहा है। खोजी कुत्ता जिस भी ग्रामीण के घर तक पहुंच रहे हैं उनको संदिग्ध मानते हुये पूंछतांछ के लिये अधिकारियों द्वारा अपने सामने तलब किया जा रहा है। दर्जनों संदिग्धों से वन टीम द्वारा पूंछतांछ की जा चुकी है। बताया जा रहा है कि पूंछतांछ के दौरान टीम को कुछ अहम सुराग मिले हैं। जल्द ही संजय टाईगर रिजर्व टीम द्वारा बाघ की करंट से हुई मौके के मामले में खुलाशा किया जायेगा। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी भी कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। इस मामले में विवेचना काफी तेजी से चल रही है।

आकाशीय बिजली गिरने से बुजुर्ग एवं 7 बकरियों की मौत

जागरण, सीधी। आकाशीय बिजली गिरने से एक बुजुर्ग एवं 7 बकरियों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ घटना स्थल पर जमा हो गई। मिली जानकारी के अनुसार तहसील एवं थाना रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पंचायत चोभरा दिग्विजय सिंह में बारिश के साथ अचानक बिजली गिरने से बकरियों को चराने ले गये बुजुर्ग किसान एवं उसकी 7 बकरियों की मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार आज दोपहर ग्राम पंचायत चोभरा दिग्विजय सिंह निवासी बैजनाथ यादव पिता ठाकुरदीन यादव उम्र 70 वर्ष अपनी बकरियों को घर से चराने उत्तर तरफखेत में गये थे। उसी दौरान अचानक बारिश शुरू हो गई, बारिश से बचने के लिये बैजनाथ यादव अपनी बकरियो के साथ पलाश के पेड़ के नीचे खड़े थे उसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरी और सभी की मौत हो गई।

करंट लगने से एक की दर्दनाक मौत, दो घायल

जागरण, सीधी। जिले के चुरहट थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत पचोखर में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें 11000 वोल्ट की बिजली के करंट लगने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए। यह घटना आज सुबह लगभग 8 बजे के बीच की बताई गई है। इस दौरान करंट से लेखराज पटेल पिता राम दरस पटेल की मौके पर मौत हो गई है। वहीं घायलों में भीमसेन पटेल पिता जगत बहादुर पटेल और अमरेंद्र पटेल पिता यग्यभान पटेल गंभीर बताए जा रहे हैं। जिनका उपचार चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर चुरहट थाना प्रभारी दीपक बघेल अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और तीनों व्यक्तियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुरहट लाया गया। जहां लेखराज पटेल को मृत घोषित कर दिया गया और दोनों घायलों को इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस दौरान काफी लोगों की भीड़ भी उपस्थित रही। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और पंचनामा बनाकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद उनके परिजनों को सौंप दिया गया। चुरहट एसडीओपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हाई, हायर सेकेण्ड्री की त्रैमासिक परीक्षा समय सारणी जारी

जागरण, सीधी। प्रदेश के शासकीय स्कूलों में इस वर्ष कक्षा 9 से कक्षा 12वीं तक की त्रैमासिक परीक्षाएं 28 अगस्त से शुरू हो रही है। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को दिशा निर्देश जारी किये है। परीक्षाएं हाई-हायर सेकण्डरी स्कूल की 28 अगस्त से शुरू होंगी। यह परीक्षाएं 9 सितम्बर तक सम्पन्न हो जायेंगी। त्रैमासिक परीक्षा के प्रश्न पत्र विमर्श पोर्टल पर भेजे जायेंगे। इससे राज्य स्तर पर परीक्षा पेपर की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सकेंगी। निर्देशों में कहा गया है कि अभिभावकों और शिक्षकों की मीटिंग पीटीएम आयोजित करने के लिये कहा गया है। यह मीटिंग सभी स्कूलों में 16 सितम्बर को होंगी। मीटिंग में बच्चों के अभिभावकों को उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन कराया जायेगा। इस व्यवस्था के लिये संयुक्त संचालक एवं जिला शिक्षा अधिकारी को अलग-अलग दल गठित कर न्यूनतम 10-10 स्कूलों का निरीक्षण करने के लिये कहा गया है। त्रैमासिक परीक्षा के परिणाम 20 सितम्बर तक विमर्श पोर्टल पर प्रविष्ट करने के लिये भी कहा गया है। परीक्षा की समय सारणी स्कूलों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने के लिये भी कहा गया है। माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाई स्कूल और हायर सेकण्डरी परीक्षा सत्र वर्ष 2026-27 अपार आईडी व्यवस्था अनिवार्य की गई है। मण्डल की समस्त परीक्षाओं के फॉर्म में यूडीआईएसई पोर्टल पर आधारित विद्यार्थियों के लिये स्थाई शैक्षणिक आईडी (अपार) ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउण्ट को अनिवार्य किया गया है। इस शैक्षणिक सत्र वर्ष 2025-26 के लिये कक्षा 9वीं से 12 में भरे जाने वाले आवेदन पत्रों में अपार आईडी को वैकल्पिक किया गया है। आगामी सत्र वर्ष 2026-27 में यह व्यवस्था अनिवार्य होगी।

कार्यालय नगर परिषद चुरहट जिला-सीधी (म.प्र.)

क्रमांक/1459/ PMAY BLC धटक 2.0/न0प0/2025 चुरहट, दिनांक 18/8/2025

// दावा आपत्ति प्राप्त करने हेतु आवश्यक सूचना//

-----000-----

एतद् द्वारा समस्त नागरिकों को सूचित किया जाता है कि नगरीय क्षेत्र चुरहट में वार्ड क्रमांक 01 से 15 तक में मध्यप्रदेश शासन नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग भोपाल के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास शहरी 2.0 (बी.एल.सी.) घटक अन्तर्गत प्राप्त आनलाईन आवेदनों के दस्तावेजों का मौके पर सत्यापन किये जाने के उपरान्त पात्र-59 हितग्राहियों की सूची अनुमोदन हेतु वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित किये जाने के पूर्व दावे आपत्ति प्राप्त किया जाना है। हितग्राहियों के विरूद्ध किसी प्रकार की आपत्ति हो तो दिनांक 18/08/2025 से 25/08/2025 को शायं 06:00 बजे तक प्रमाणित साक्ष्य सहित दावे आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समय अवधि उपरांत किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। दावा आपत्ति आमंत्रण किये जाने वाले हितग्राहियों की सूची कार्यालय एवं चुरहट तहसील के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जावेगी, जिसका अवलोकन कर निर्धारित समय अवधि में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद चुरहट
जिला सीधी (म.प्र.)

नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शंकराचार्य त्रिपाठी पिता श्री स्वामीशरण त्रिपाठी उम्र 44 वर्ष निवासी ग्राम मवई तहसील थाना चुरहट जिला सीधी का निवासी हूं। मैं अपने पुत्र के घरेलू नाम शुभांशु त्रिपाठी के नाम से भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा सीधी से पालिसी क्र. 207369501 लिया था। ज्ञात हो कि मेरे पुत्र के सभी रिकार्डों, आधार कार्ड, अंकसूची, समग्र आई.डी. में पुत्र का नाम आदित्य त्रिपाठी है। जो कि पूर्णत: सही एवं सत्य है। अत: पॉलिसी क्र. 207369501 में पुत्र का नाम आदित्य त्रिपाठी सुधार किया जाए, जिससे भविष्य में पॉलिसी भुगतान में कोई रुकावट न हो। शुभांशु त्रिपाठी व आदित्य त्रिपाठी दोनों एक ही व्यक्ति हैं।

भविष्य में मेरे पुत्र का नाम आदित्य त्रिपाठी पढ़ा, लिखा एवं जाना जाए।

प्रार्थी
शंकराचार्य त्रिपाठी पिता श्री स्वामीशरण त्रिपाठी

सुरक्षा के अभाव में जंगल में नहीं लगाए जाते ट्रैप कैमरे

कैमरा न लगने से बाघों की नहीं हो पाती ट्रैपिंग

पचास फीसदी कैमरों का नहीं हो रहा उपयोग

जागरण, सीधी

संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र मे बाघ सहित अन्य वन्य जीवों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विभाग को उपलब्ध कराए गए कैमरा ट्रैप कार्यालयों की शोभा बढ़ा रहे हैं। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वन क्षेत्र में चिन्हित स्थानों पर उपलब्ध कराए जाने वाले कैमरा ट्रैप चोरी के डर से वन क्षेत्र में नहीं लगाए जाते। इसके साथ ही वन क्षेत्र में कैमरा ट्रैप लगने से उनके खराब होने का भी डर बना रहता है जिसके चलते कैमरे वन परिक्षेत्र के कार्यालयों की शोभा बढ़ा रहे हैं। सूत्रों की बातों पर गौर करें तो करीब पचास फीसदी कैमरों को वन क्षेत्र में लगाने के बजाय कार्यालयों में रखा गया है। हलांकि इसकी पुष्टि विभागीय अधिकारियों द्वारा नहीं की जा रही है। सूत्र बतातें हैं कि वर्तमान स्थिति में संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र के विभिन्न रेंजों मे जहां बाघ सहित अन्य वन्य प्राणियों की कलकदमी ज्यादा रहती है वहां कैमरा ट्रैप लगाए जाने के निर्देश हैं इसके लिए करीब चार सैकड़ा से अधिक कैमरा ट्रैप संजय टाइगर रिजर्व के मुख्य कार्यालय द्वारा विभिन्न रेंजों को जारी किए गए थे जिन्हें देहरादून की रिसर्च टीम के निर्देशानुसार चिन्हित स्थानों में लगाया जाना था। बताया गया कि वर्ष 2015 में संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र के दुबरी परिक्षेत्र में बाघों सहित अन्य कन्य प्राणियों की चहलकदमी पर निगरानी के लिए लगाए गए करीब एक सैकड़ा से अधिक कैमरों में से करीब चालीस कैमरे अज्ञात चोरों द्वारा पार कर दिए गए थे उसके बाद से वन क्षेत्र में कैमरा ट्रैप लगाए जाने को लेकर विभागीय अधिकारी कोताही बरतने लगे।

कैमरा ट्रैप से वन्य जीवों का रुक सकता है शिकार

संजय टाईगर रिजर्व के जंगलों में कैमरा ट्रैप लगाने से वन्य जीवों के शिकार की घटनाएं रुक सकती हैं। जानकारों के अनुसार इन कैमरों की मानीटरिंग कंट्रोल रूम से सतत रूप से करने से यदि कोई व्यक्ति शिकार का प्रयास करता है तो उसकी जानकारी समय पर वन कर्मचारियों को मिल सकती है और उस पर रोंक भी लगाई जा सकती है साथ ही शिकार के प्रयास में लगे लोगों की लोकेशन एवं पहचान कैमरे में कैद हो सकती है। इस वजह से कैमरा ट्रैप को काफी उपयोगी माना जा रहा है। यदि कैमरा ट्रैप की नजर होती तो बाघ के हाल ही में हुए शिकार की घटना पर भी अंकुश लग सकती थी।

दिए जाते हैं मनमानी पर कई तर्क

संजय टाईगर रिजर्व के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कैमरा ट्रैप चोरी के डर से वन क्षेत्र में नहीं लगाए जाते। हालांकि देहरादून की रिसर्च टीम द्वारा जिन को मुख्य रूप से कैमरा ट्रैप लगाने के लिए चिह्नित किया गया है वहां कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा करीब पचास फीसदी कैमरे ही वन क्षेत्र में नियमित रूप से लगे रहते हैं। शेष कैमरे ट्रैप केवल वर्ष में हेने वाली गणना के समय ही लगाए जाते हैं। बताया गया कि वन क्षेत्र में लगाए जाने वाले कैमरा ट्रैप की ट्रैपिंग क्षमता करीब 30 से 40 वर्ग किमी होती है। कैमरे के सामने जब कोई भी आ जाता है। चाहे वह वन्य प्राणी हो या इंसान यह कैमरा ऑटोमैटिक प्रति तीन सेकंड पर उसकी फोटो खींच लेता है। अपनी इसी खूबी के लिए ट्रैप कैमरा मशहूर है और उसकी उपयोगिता साबित होती है।

विशेष कार्य में किया जाता है उपयोग

कैमरों के चोरी होने के डर से पचास फीसदी कैमरों को वन क्षेत्र में नहीं लगाया जाता। केवल वर्ष में एक बार जब वन्य प्राणियों की गणना की जाती है उसी समय कैमरे चिन्हित स्थानों पर लगाए जाते हैं। कैमरा ट्रैप लगाने के स्थल का चिह्नांकन देहरादून की रिसर्च टीम द्वारा किया जाता है। संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के दुबरी, पोंड़ी, कुसमी तथा व्यौहारी परिक्षेत्र में बाघ सहित अन्य वन्य प्राणियों की ज्यादा चहलकदमी रहती है। इन्ही परिक्षेत्रों मे वन्य प्राणियों की चहलकदमी पर सुरक्षा की दृष्टि से निगरानी रखने के लिए कैमरा ट्रैप लगाए जाने का प्रावधान किया गया है। फिर भी जिम्मेदार अधिकारी मुख्य कार्यालय से ट्रैप कैमरा लेने के बाद उन्हें वन्य क्षेत्रों में लगाने के बजाय रेंज कार्यालयों में कैद कर रखे हुये हैं।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

प्लास्टिक संकट से निबटने नहीं बन पा रही वैश्विक सहमति

प्लास्टिक समुद्र में जा रहा है तो मछलियों को जहरीला बना रहा है। नदी, पहाड़ और मैदान सब प्लास्टिक कचरे के आगोश में हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि भयावह संकट के बावजूद इससे निबटने के उपायों को लेकर वैश्विक सहमति नहीं बन पा रही है। वैश्विक प्लास्टिक संधि पर जिनेवा वार्ता विफल होने से इस बाबत वैश्विक विभाजन पूरी तरह उजागर हो गया है। दरअसल, लगभग सत्तर देशों का एक उच्च महत्वाकांक्षी समूह, जो प्लास्टिक पर वैश्विक सीमा और खतरनाक रसायनों पर नियंत्रण की मांग कर रहा है, अब तेल व पेट्रोकेमिकल उत्पादक एक समूह के खिलाफ खड़ा है, जो रीसाइक्लिंग, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं को दर्शा रहे हैं। इस समूह में भारत भी शामिल है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक होने का दर्जा दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वैश्विक प्लास्टिक उत्सर्जन में लगभग बीस फीसदी हिस्सा भारत का है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि इस दौरान चरणबद्ध समाप्ति की समय सीमा वाले उत्पादों या रसायनों की कोई वैश्विक सूची नहीं होनी चाहिए। भारत की दलील तार्किक है कि विभिन्न देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियों और क्षमताओं पर उचित विचार किया जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पेट्रोकेमिकल क्षेत्र, माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण का भी एक प्रमुख स्रोत है। इसमें दो राय नहीं कि मानव जीवन की सुविधा के लिये बना प्लास्टिक आज हमारी धरती के लिये ही घातक साबित हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो प्लास्टिक हमारे ग्रह का दम घोंट रहा है। निस्संदेह, इसको नष्ट करना बेहद कठिन है क्योंकि धरती में दबाएं तो भूमि की उर्वरता पर संकट आता है। इसको जलाएं तो विषैली गैसों से वातावरण प्रदूषित होता है। ये जल्दी से गलता भी नहीं है। अब तो महानगरों व शहरों की जलनिकासी को प्लास्टिक गहरे तक बाधित कर रहा है। यहां तक कि प्लास्टिक के बारीक कण मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। प्लास्टिक समुद्र में जा रहा है तो मछलियों को जहरीला बना रहा है। नदी, पहाड़ और मैदान सब प्लास्टिक कचरे के आगोश में हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि भयावह संकट के बावजूद इससे निबटने के उपायों को लेकर वैश्विक सहमति नहीं बन पा रही है। लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि इस तरह के प्रदूषण का पारिस्थितिकीय तंत्र, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है। इस संकट से मुकाबला करने के लिये भारत को समान विचारधारा व परिस्थितियों वाले चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ मिलकर काम करना होगा। बहुत संभव है कि प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय कानून बाध्यकारी साधन के रूप में कारगर सिद्ध हो सके। प्रदूषणकारी उद्योगों पर कार्रवाई कड़ा संदेश दे सकती है। भारत सरकार को एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध के लिये जनजागरण अभियान चलाने की भी जरूरत है। प्लास्टिक के थैलियों के इस्तेमाल के बजाय कपड़े या अन्य वैकल्पिक साधनों को अपनाएं। हमें स्कूली पाठ्यक्रमों में भी प्लास्टिक संकट को एक विषय के रूप में अपनाना होगा। ताकि देश की भावी पीढ़ी प्लास्टिक के खतरों से अवगत हो। हमारी साझी पहल ही रंग ला सकती है।

अलास्का वार्ता समाधान से अधिक राजनीतिक प्रदर्शन

अंतर्राष्ट्रीय शिखर वार्ता

आनंद कुमार

> अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बहुप्रतीक्षित शिखर वार्ता की संयुक्त पत्रकार वार्ता में दोनों नेताओं ने संक्षिप्त बयान दिये, पर पत्रकारों के सवाल स्वीकार नहीं किये। इससे यह सोच और मजबूत हुई कि शिखर वार्ता समाधान से अधिक राजनीतिक प्रदर्शन थी। ठोस समाधान कहीं नजर नहीं आया। भारत के लिए यह शिखर बैठक विशेष मायने रखती थी। ट्रंप भारत की रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीद को लेकर आलोचना करते रहे हैं।

अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बहुप्रतीक्षित शिखर वार्ता को एक ऐसे मौके के रूप में देखा जा रहा था, जहां रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए कोई ठोस प्रगति हो सकती थी, किंतु परिणाम निराशाजनक रहा। यूक्रेन के मुद्दे से इतर ट्रंप ने अपनी व्यक्तिगत कूटनीति का प्रदर्शन करने का भी प्रयास किया। उन्होंने चौंकाने वाला दावा किया कि जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनके राष्ट्रपति रहते चीन ताइवान पर आक्रमण नहीं करेगा। बैठक की शुरुआत मुस्कान, हाथ मिलाने और ट्रंप की लिमोजीन में साझा सवारी से हुई। अमेरिकी वायुसेना के विमानों की फ्लाइपास्ट जैसी सैन्य धूमधाम ने इस स्वागत को और भव्य बना दिया। दोनों नेताओं ने वार्ता को 'सकारात्मक', 'सीधी' और 'ईमानदार' बताया। पुतिन ने कहा कि किसी 'समझ' पर पहुंचा गया है और उन्होंने यूरोप और यूक्रेन से अपील की कि वे इस प्रारंभिक प्रगति को नष्ट न करें, पर ट्रंप का बयान इसके विपरीत रहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 'कोई समझौता नहीं हुआ है' और उन्हें आगे बढ़ने से पहले जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं से सलाह करनी होगी। इस तरह उन्होंने वार्ता की जिम्मेदारी कीव पर डाल दी। संयुक्त पत्रकार वार्ता में दोनों नेताओं ने संक्षिप्त बयान दिये, पर पत्रकारों के सवाल स्वीकार नहीं किये। इससे यह सोच और मजबूत हुई कि शिखर वार्ता समाधान से अधिक राजनीतिक प्रदर्शन थी। यूक्रेन के मुद्दे से इतर ट्रंप ने अपनी व्यक्तिगत कूटनीति का प्रदर्शन करने का भी प्रयास किया। उन्होंने चौंकाने वाला दावा किया कि जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि उनके राष्ट्रपति रहते चीन ताइवान पर आक्रमण नहीं करेगा। ट्रंप ने पुतिन को मेलानिया ट्रंप का एक निजी पत्र भी सौंपा, जिसमें यूक्रेन और रूस से अपहृत बच्चों का उल्लेख था। पुतिन ने भी बदले में द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान लेन-लीज अभियानों में मारे गये सोवियत पायलटों की कब्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इन सभी इशारों ने वार्ता को गर्मजोशी और नाटकीयता से भर दिया, यद्यपि ठोस समाधान कहीं नजर नहीं आया। भारत के लिए यह शिखर बैठक विशेष मायने रखती थी। ट्रंप भारत की रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीद को लेकर आलोचना करते रहे हैं।

अमेरिकी वित्त मंत्री ने तो यहां तक कह दिया था कि अगर अलास्का की वार्ता विफल रही, तो वाशिंगटन भारत पर 'द्वितीयक शुल्क' बढ़ा सकता है। विडंबना यह रही कि भारत पर जहां दोहरी मार की धमकी दी जा रही थी, वहीं चीन पर, जो रूस से सबसे बड़ा तेल खरीदार है, ट्रंप ने कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया, बल्कि उन्होंने बैठक के बाद कहा कि 'अभी चीन पर सोचने की जरूरत नहीं है', क्योंकि पुतिन के साथ हुई बातचीत संतोषजनक रही। यह दोहरा रवैया नयी दिल्ली के लिए असुविधाजनक है। भारतीय सरकारी तेल कंपनियां आज भी प्रतिदिन लगभग 20 लाख बैरल रूसी तेल खरीद रही हैं और सरकार ने इस पर रोक लगाने का कोई निर्देश नहीं दिया है। पर ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से दावा कर दिया कि भारत ने रूसी तेल लेना बंद कर दिया है। इससे यह सवाल उठता है कि ट्रंप जान-बूझकर भारत को दबाव में रखने के लिए गलतबयानी कर रहे हैं या वह स्थिति से अनभिज्ञ हैं। भारत के लिए दांव बेहद बड़े हैं। यदि ट्रंप ने द्वितीयक शुल्क लागू कर दिया, तो भारत को 50 फीसदी शुल्क का सामना करना पड़ेगा, जो उसके कृषि व विनिर्माण क्षेत्र सहित कई उद्योगों के लिए गंभीर झटका होगा। पर यदि ट्रंप अपने बयान के अनुरूप फिलहाल इन्हें टाल देते हैं, तो भारत को कुछ राहत मिल सकती है। यह भी संभव है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत आगे बढ़े। किंतु यह साफ है कि ट्रंप शुल्कों को केवल आर्थिक हथियार नहीं, बल्कि कूटनीतिक दबाव और सौदेबाजी के औज़ार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। यह शिखर वार्ता ऐतिहासिक मंचन तो रही, पर इससे भू-राजनीतिक परिदृश्य में कोई ठोस बदलाव नहीं हुआ। यूक्रेन के लिए युद्ध अब भी जारी है, रूस के लिए यह वार्ता एक प्रचार-विजय जैसी रही, और ट्रंप के लिए यह एक अवसर बन गयी कि वह अपनी विशिष्ट शैली की व्यक्तिगत कूटनीति का प्रदर्शन कर सकें। भारत के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि बड़ी शक्तियों के खेल में उसे बार-बार 'कोलैटरल डैमेज' के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। अलास्का की वार्ता सुनने-समझने का अभ्यास ही अधिक रही। पुतिन ने ट्रंप को मास्को आमंत्रित किया और ट्रंप ने संकेत दिया कि वह जा सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि ट्रंप निजी स्तर पर संवाद बनाये रखने में विश्वास रखते हैं, भले ठोस समझौते न हों। यह भी साफ है कि प्रतीकात्मकता, गर्मजोशी और हाथ मिलाने से युद्ध और शांति जैसे गंभीर प्रश्न हल नहीं हो सकते।

अलास्का में बैठक के लिए जाते वक्त एक इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत का जिक्र किया था। उन्होंने कहा, असल में उन्होंने (रूस) एक ऑयल क्लाइंट खो दिया है, यानी भारत, जो लगभग 40 फ ीसदी तेल ले रहा था। चीन, जैसा कि आप जानते हैं, काफ़ी मात्रा में ले रहा है... और अगर मैंने सेकेंडरी सेंक्शंस लगाए तो यह उनकी नज़र से बेहद विनाशकारी होगा। अगर मुझे करना पड़ा तो मैं करूंगा, शायद मुझे ऐसा न करना पड़े। जाहिर है ऐसा कह कर ट्रंप भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

हालांकि यह असल में रूस को संदेश देने का तरीका था, भारत और दूसरे रास्तों के जरिए रूस पर दबाव बनाया जा सकता था। ट्रंप जानते हैं कि चीन पर दबाव नहीं डाला जा सकता, इसलिए अपेक्षाकृत सॉफ्ट टारगेट मानकर ट्रंप लगातार भारत का नाम लेते रहे हैं। भारत पर इस तरह दबाव बनाकर वे टैरिफ़ को भी कम करवाना चाहते हैं, या ज़ीरो टैरिफ़ की ओर ले जाना चाहते हैं। चीन को वे अलग नहीं कर पाएंगे, लेकिन कोशिश यह है कि भारत को अलग किया जाए।

ट्रंप के नज़रिए से यह बैठक असफल नहीं रही। उनके हिसाब से यह एक सकारात्मक पहला कदम है। वे बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ आए थे। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के प्रति सकारात्मक संदेश देने की कोशिश की। अलास्का में हुई मुलाकात दिखाती है कि ट्रंप कूटनीति को मंचन और व्यक्तिगत संबंधों के जरिये चलाना पसंद करते हैं। वह शुल्कों का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए करते हैं, स्वयं को मध्यस्थ और शांति-स्थापक बताकर राजनीतिक पूंजी बटोरते हैं और पुतिन जैसे नेताओं के साथ व्यक्तिगत समीकरण पर बल देते हैं। किंतु भारत के लिए यह सीख है कि वह केवल ट्रंप की मर्जी या अस्थिर नीतियों पर भरोसा नहीं कर सकता। भारत को आत्मनिर्भरता और दृढ़ संकल्प दिखाना ही होगा। अमेरिका के बदलते संकेतों के बीच यही भारत का सबसे विश्वसनीय मार्ग है।

नागरिकता साबित करने को चाहिए यूनिवर्सल सिटिजन कार्ड

नागरिकता पहचान पत्र

प्रभु चावला

> किसी को उसकी भारतीय नागरिकता का प्रमाणपत्र कहां से मिलेगा? नौकरशाही में तकरार की वजह से आरओसी (सिटिजन ऑफ रजिस्टर) को 2011 से अद्यतन नहीं किया गया है। आरओसी संभवतः अकेला विश्वसनीय दस्तावेज है, जिसे सरकारी अधिकारियों द्वारा हर दशक में तैयार किया जाता है। जाहिर है, अब देश को यूनिवर्सल सिटिजन कार्ड चाहिए। ऐसा कार्ड, जो पहचान के साथ-साथ नागरिकता और वोट देने का भी प्रमाणपत्र हो।

आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बावजूद, हर ध्वजारोहण के दौरान किये जाने वाले विकास के वादों के बावजूद, नये भारत के तथाकथित डिजिटल केंद्र में अरबों खर्च करने के बावजूद एक भारतीय नागरिक अपने पहचान पत्रों के साथ बेबस खड़ा है। सुप्रीम कोर्ट की पहले की चेतावनी पर सहमति जताते हुए बॉम्बे हाइकोर्ट ने भ्रम तोड़ दिया है - पहचान के पवित्र टोकन समझे जाने वाले आधार, पैन और वोटर आइडी नागरिकता के सबूत नहीं हैं। यह एक धोखा है, नौकरशाही की कलई उतार देने वाली ऐसी घटना है, जिसकी चपेट में देश के 95 करोड़ मतदाता हैं। जिन दस्तावेजों को प्रमाणपत्र बताया गया था, उन्हें अचानक खोखला बता दिया गया है। बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला बाबू अब्दुल रउफ सरदार के लिए वज्रपात की तरह है, जिन्हें अदालत ने जमानत नहीं दी। आरोप है कि बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत आये इस व्यक्ति ने यहां भारतीय नागरिकता से संबंधित जाली प्रमाणपत्र बना लिये। अदालत में न्यायमूर्ति अमित बोरकर की टिप्पणी स्पष्ट और दोटूक थी कि 'आधार, पैन और मतदाता प्रमाण पत्रों के होने भर से कोई इस देश का नागरिक नहीं बन जाता।' घुसपैठ पर अदालतों की सख्ती समझ में आती है, पर क्या सरकारी एजेंसियां भी अदालती आदेशों को बिना सोचे-विचारे उन पर लागू कर सकती हैं, जो अविभाजित भारत में पैदा हुए थे और जिन्होंने स्वतंत्र भारत को अपने आवास के रूप में चुना?

जो आजाद भारत में पैदा हुए, उनका क्या? किसी को उसकी भारतीय नागरिकता का प्रमाणपत्र कहां से मिलेगा? नौकरशाही में तकरार की वजह से आरओसी (सिटिजन ऑफ रजिस्टर) को 2011 से अद्यतन नहीं किया गया है। आरओसी संभवतः अकेला विश्वसनीय दस्तावेज है, जिसे सरकारी अधिकारियों द्वारा हर दशक में तैयार किया जाता है। अब चुनाव आयोग ने नागरिकता प्रदान करने का तंत्र खुद ही विकसित कर लिया है। वह वोट देने के इच्छुक नागरिकों से 11 दस्तावेज मांगता है। यह आश्चर्यजनक है कि आधार, पैन और चुनाव आयोग के फोटो प्रमाणपत्र नागरिकता के प्रभावी सबूत नहीं हैं। आयोग को याद दिलाने की जरूरत है कि सिर्फ 2.5 फीसदी भारतीयों के पास पासपोर्ट और मात्र 14.71 प्रतिशत भारतीयों के पास मैट्रिक के प्रमाणपत्र हैं। यह अनुमान लगाना कठिन है कि कितने भारतीयों के पास जन्म प्रमाणपत्र होगा। अदालत में चुनाव आयोग द्वारा पेश आंकड़ा भी बताता है कि ज्यादातर भारतीयों के पास ये दस्तावेज नहीं हैं।

आधार पर सरकार ने 2023 तक 12,000 करोड़ रुपये खर्च किये। दावा किया गया कि बैंक खाता खोलने, टैक्स चुकाने, संपत्ति के लेन-देन और हवाई अड्डे जैसी संवेदनशील जगहों पर प्रवेश में यह दस्तावेज काम आयेगा। पर इससे नागरिकता साबित नहीं होती। चुनाव आयोग कहता है कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए आधार पर्याप्त नहीं। चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता पहचानपत्र दशकों से मतदान करने का सबूत माना जाता रहा है, पर अब आयोग को अपनी ही मतदाता सूची गड़बड़ लग रही है, क्योंकि इसमें अवैध रूप से आये घुसपैठियों के नाम भी हैं। सुरक्षित नागरिकता प्रमाणपत्र की दिशा में अब तक ठोस पहल क्यों नहीं की गयी, जैसे अमेरिका में सोशल सिक्योरिटी नंबर या ब्रिटेन में नेशनल इंश्योरेंस नंबर है? यह आश्चर्यजनक है कि आधार का औचित्य ठहराने के लिए सरकार को सुप्रीम कोर्ट में इतनी कवायद करनी पड़ी और लोगों की निजता के अधिकार का हनन करने के बाद आधार को अब कागज का एक टुकड़ा बताया जा रहा है।' जाहिर है, देश को यूनिवर्सल सिटिजन कार्ड चाहिए। ऐसा कार्ड, जो पहचान के साथ-साथ नागरिकता और वोट देने का भी प्रमाणपत्र हो। देश के 95 करोड़ मतदाताओं की पहचान संदिग्ध होना अस्वीकार्य है। आजादी के 78 साल बाद भारत अपने नागरिकों को परिभाषित करने की कोशिश में लगा है। यह हास्यास्पद ही नहीं, लोकतांत्रिक अपमान भी है। क्या मैं एक भारतीय नागरिक हूं? मेरे पास आधार, पैन और वोटर आइडी कार्ड हैं, लेकिन चूंकि मैं इस देश की मौजूदा सरहद से बाहर वहां पैदा हुआ, जिसे पाकिस्तान कहते हैं और चूंकि मेरे माता-पिता के दस्तावेज समय के साथ नष्ट हो गये, इसलिए जब तक मैं पर्याप्त सबूत न दिखाऊं, अदालतें मुझे नाम और देशविहीन ही मानेंगी। यह सिर्फ मेरा बोझ नहीं है- यह एक सामूहिक बीमारी है। यह एक ऐसी कागजी कार्यवाही है, जिसका कोई प्रयोजन नहीं है, नौकरशाही ऐसी है, जिसमें करुणा नहीं है। ऐसे में, पहचान पूछताछ में बदल गयी है। सरकार को खामोशी तोड़ते हुए संदेह के माहौल को हमेशा के लिए खत्म कर देना चाहिए। उसे एक ऐसा संप्रभु कार्ड तैयार करना चाहिए, जो नागरिकता का प्रमाण हो। ऐसे में, इस देश के करोड़ों भारतीय अपने पहचानपत्रों को तब तक जकड़े रखेंगे, जब तक उन्हें यह न कहा जाए कि ये प्लास्टिक के टुकड़ों के अलावा कुछ नहीं हैं। कौन भारतीय है, आजादी के 78 वर्ष बाद भी इसका जवाब हवा में है। फिलहाल तो मैं मतदाता हूं। लेकिन भविष्य के बारे में भला क्या कह सकता हूं?

प्रसंगवश

प्रमुखों के बीच टकराव से विवि बन रहे लड़ाई का मैदान

> राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच के टकरावों में राज्यों के स्वामित्व वाले विश्वविद्यालय लड़ाई का मुख्य मैदान बन गये हैं। वे उन चंद संस्थाओं में शामिल हैं जिन पर राज्यपाल का सीधा इख्तियार है।

सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल में तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि की कड़ी निंदा की थी, लेकिन ऐसा लगता है कि कई राज्यपालों पर इसका कुछ खास असर नहीं हुआ है और संबंधित राज्य सरकारों के साथ टकराव के रास्ते पर उनकी रफ्तार धीमी नहीं पड़ी है। शीर्ष अदालत ने राज्य विधानसभा द्वारा पारित विश्वविद्यालयों से संबंधित 10 विधेयकों पर राज्यपाल के अघोषित वीटो के खिलाफ फैसला तो दिया ही था, विधेयकों पर राज्यपाल के जवाब के लिए समयसीमा भी निश्चित की थी। महत्वपूर्ण है कि उसने राज्यपाल की सिफारिश के आधार पर राष्ट्रपति के किसी भी हस्तक्षेप को अर्थहीन घोषित किया था। पिछले हफ्ते, रवि ने कलाईनार विश्वविद्यालय विधेयक पर अपनी सहमति देने के बजाय इसे राष्ट्रपति के पास भेज दिया। केरल में, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज्य-संचालित विश्वविद्यालयों को 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका दिवस' मनाने का निर्देश देकर एक और विवाद को जन्म दे दिया है। इसके पीछे की संभावित वैचारिक और सांप्रदायिक मंशा की आलोचना हो रही है। उनके पूर्ववर्ती आरिफ मोहम्मद खान भी खास तौर पर विश्वविद्यालयों से जुड़े विधेयकों पर बैठे रह कर और वस्तुतः उन पर वीटो लगाकर, सरकार के साथ टकराव में गये थे। सुप्रीम कोर्ट के रुख को राष्ट्रपति द्वारा वास्तव में चुनौती दी गयी है, लेकिन एक संदर्भ के जरिए। राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच के टकरावों में राज्यों के स्वामित्व वाले विश्वविद्यालय लड़ाई का मुख्य मैदान बन गये हैं। वे उन चंद संस्थाओं में शामिल हैं जिन पर राज्यपाल का सीधा इख्तियार है। जैसा कि जानकार बताते हैं, राज्यपाल (गवर्नर) का पद प्रांतों पर, जो भारतीय पार्टियों द्वारा शासित हो सकते थे, नियंत्रण का औपनिवेशिक तरीका था। ब्रिटिश राज्यपालों को विश्वविद्यालयों के औपचारिक प्रमुखों, या कहें कि कुलाधिपतियों, के रूप में रखने का कारण विश्वविद्यालयों को औपनिवेशिक प्रतिष्ठा प्रदान करना और उनकी स्वायत्तता व महत्ता को सुनिश्चित करना था। भारत के आरंभिक राष्ट्र-स्तरीय नेताओं ने राज्यपाल पद को केंद्र द्वारा नियुक्त व्यक्ति के रूप में बरकरार रखा, जिससे कि अलगाववादी प्रवृत्तियों के खिलाफ पहरेदारी की जा सके। ऐसा लगता है कि कई राज्यों के कानूनों ने राज्य-संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपतियों के रूप में राज्यपाल की भूमिका बरकरार रखी, ताकि उन विश्वविद्यालयों को वही औपनिवेशिक आभा प्रदान की जा सके। तमिलनाडु का विधेयक जिसने कुलपति नियुक्तियों में राज्यपाल की भूमिका न्यूनतम करने की कोशिश की थी, उसने भी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के रूप में राज्यपाल को नहीं हटाना चाहा। केरल और तमिलनाडु में, राज्यपाल शत्रुतापूर्ण राजनीतिक और वैचारिक एजेंडे वाले केंद्रीय प्रतिनिधि हैं। इस बीच, मसौदा यूजीसी विनियम कुलपति के चयन में राज्य सरकारों की भूमिका खत्म करना चाहते हैं और सारी शक्तियां कुलाधिपति में निहित करना चाहते हैं। अलबत्ता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का जोर शैक्षणिक संस्थाओं को ज्यादा स्वायत्तता देने पर रहा है। विश्वविद्यालयों से धन जुटाने और खर्च के लिए जवाबदेह होने की उम्मीद की जाती है। एक विश्वविद्यालय प्रमुख की भूमिका अकादमिक और प्रशासनिक तक सीमित नहीं होने, बल्कि एक व्यवसाय प्रबंधक, चीयरलीडर और फंडरेजर के रूप में भी होने की उम्मीद की जाती है। ऐसे में, यह उचित लग सकता है कि राज्यपालों की जगह, पेशेवर लोग विश्वविद्यालयों के औपचारिक, साथ ही साथ कार्यकारी प्रमुख बनें।

॥गीता॥

श्लोक

अक्षरं ब्रह्म परमं स्वभावोऽध्यात्ममुच्यते।
भूतभावोद्भवकरो विसर्गः कर्मसंज्ञित॥

भावार्थ

श्री भगवान ने कहा- परम अक्षर 'ब्रह्म' है, अपना स्वरूप अर्थात जीवात्मा 'अध्यात्म' नाम से कहा जाता है तथा भूतों के भाव को उत्पन्न करने वाला जो त्याग है, वह 'कर्म' नाम से कहा गया है।

जीवन दर्शन

लम्बे समय तक नहीं खींचे गिल्ट की भावना को

कई बार ऐसा होता है कि हम उन गलतियों के लिए गिल्ट महसूस करने लगते हैं, जो गलती हमने जानबूझकर नहीं की होती है या जिन गलतियों का कोई मतलब भी नहीं होता है। लेकिन उन गलतियों का रिजल्ट कुछ ऐसा आता है कि हम गिल्ट महसूस करने लगते हैं, खुद को कसूरवार ठहराने लगते है। तो, क्या ऐसी गलतियों के लिए गिल्ट महसूस करना सही है? इस तरह के गिल्ट से खुद को कैसे उबारा जा सकता है? गिल्ट (अपराधबोध) की भावना अक्सर अज्ञानता में की गई गलतियों के कारण ही आती है। गिल्ट एक ऐसा भाव है, जो इंसान को सुकून से जीने नहीं देता। लोग उस गिल्ट के बोझ के तले दबकर अपनी मानसिक

शान्ति तक खो बैठते हैं। गलती, अनजाने में हुई रहती है, तो न तो आप उसे सुधार सकते हैं और न ही उसके लिए कुछ कर सकते हैं। ऐसे में लोग बस खुद को दोष देते रहते हैं कि काश उन्होंने ये बेवकूफी की ही नहीं होती। अपराध बोध को आपको लंबे समय तक नहीं खींचना चाहिए। जब अपराध बोध तर्कहीन होता है, तो यह शर्म की ओर ले जा सकता है। सहानुभूति और आत्म-सुधार को बढ़ाने के बजाय, इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। यह आक्रामकता और अवसाद को भी बढ़ावा देता है। इसलिए, गिल्ट की भावना को बहुत अधिक ना खींचे। आप जब तक ये सोचते रहेंगे कि आप खुद को ये गलती करने से रोक सकते थे, तब तक आप अपनी गलतियों को मा? नहीं कर सकेंगे। इसलिए, आत्म-क्षमा के लिए सर्वशक्तिमान होने का भ्रम त्यागना आवश्यक है, यानि अपनी गलतियों को स्वीकारें और उनके लिए माफी मांगें। ये सोचना बंद करें कि आपसे ये गलती कैसे हो गयी या आप इस तरह की बेवकूफी कैसे कर सकते हैं। स्वीकृति और माफी की भावना आपके अंदर की बोझ को कम कर सकता है।

चंदा कुमारी

संक्षिप्त खबरें

आजीविका मिशन बना सशक्त मंच :पटेल

विशेष संवाददाता, भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा है कि आजीविका मिशन ने ऐसे लोगों को सशक्त मंच उपलब्ध कराया है,जो प्रतिभाशाली तो होते है,लेकिन उनके पास कोई मंच नहीं होता। पटेल मंगलवार को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत तीन दिवसीय जेंडर रिसोर्स सेंटर की एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर) लेखनशाला को संबोधित कर रहे थे। इस लेखनशाला में देशभर के 20 राज्यों से प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान 'संघर्ष से सम्मान की ओर' कॉफी बुकलेट का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह तथा आजीविका मिशन की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे बताया गया है यह जेंडर रिसोर्स सेंटर की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया है,जिसमें राज्यों के अनुभवों के आदान-प्रदान के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करना है।

विरासत को प्रस्तुत करती है फोटोग्राफी

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व फोटोग्राफी दिवस पर सभी फोटोग्राफरों को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फोटोग्राफी न केवल एक कला है, बल्कि यह जीवन के पलों को कैप्चर करने और उन्हें अमर बनाने का एक सर्व सुलभ साधन भी है। फोटोग्राफर हमारी सांस्कृतिक विविधता, प्रदेश की समृद्ध विरासत और सुंदरता को विश्व के सम्मुख प्रस्तुत करने का प्रभावी माध्यम हैं। हमारे फोटोग्राफर साथी अपनी विधा में वैश्विक स्तर पर आ रहे अद्यतन तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर अपनी रुचि और व्यवसाय में अग्रसर हों। साथ ही फोटोस के माध्यम से समाज को अविस्मरणीय पलों व भावों को सदा के लिए सहेजने की धरोहर सौंपते रहें।

राजेश शर्मा के खिलाफ एफआईआर निरस्त

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की एकलपीठ ने आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) को झटका दिया है। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकल पीठ ने भोपाल के जाने कारोबारी राजेश शर्मा के खिलाफ दर्ज एफआईआर निरस्त कर दी है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि कानून के दुरुपयोग को रोकने और न्यायिक कार्यवाही की पवित्रता को बनाए रखने के लिए अदालत ने अपनी शक्ति का उपयोग करते हुए एफआईआर रद्द की है। अदालत ने कहा कि यह दो पक्षों का आपसी मामला है इसमें ईओडब्ल्यू का दखल अनुचित था। कोर्ट ने फैसले में दोनों पक्षों को यह स्वतंत्रता दी है कि वे चाहें तो सिविल कोर्ट में जाकर केस दाखिल कर सकते है। इस मामले में कोर्ट ने 28 जुलाई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

किसान के खातों से निकाले थे रूपए, चैक भी रुकवाए: ईओडब्ल्यू ने राजेश शर्मा के साथ उसके सहयोगी राजेश तिवारी, दीपक तुलसानी और अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 और 120 बी के अलावा आईटी एक्ट की धारा 66 सी और 66 डी के तहत एफआईआर दर्ज की थी। इसमें आरोप था कि राजेश शर्मा ने अपनी फर्म ट्राइडेंट वेंचर्स के जरिए भोपाल के रातीबड़ इलाके के किसान चिंता सिंह मारण के साथ 2 करोड़ 2 लाख की धोखाधड़ी की। इसमें किसान की जमीन खरीदने के लिए हुए एग्रीमेंट का पालन न करते हुए उसके खातों से अवैध तौर पर पैसे निकालने के साथ ही चैक स्टॉप कराकर ये रकम हड़पी थी। लगभग चार माह पहले राजेश शर्मा के खिलाफ दर्ज इस केस के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की गई थी। त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के संचालक राजेश शर्मा के ठिकानों पर पिछले साल के अंत में आयकर विभाग की टीम ने छापे मारकर लगभग 400 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति उजागर की थी।

ड्रग्स उद्योग के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

जागरण, भोपाल। राजधानी स्थित मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय के बाहर भाजपा सरकार का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। यह विरोध लगातार बढ़ रहे नशे के मामलों और राज्य सरकार की चुप्पी के खिलाफ दर्ज किया गया। भोपाल शहर में कमिश्नर प्रणाली होने के बावजूद भारी पुलिस बल के बीच राजधानी में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि राज्य में नशे का कारोबार बेलगाम होता जा रहा है। उन्होंने राजधानी भोपाल का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले गुजरात एटीएस ने बगरोदा इलाके में चल रही नशे की फैक्ट्री का पर्दाफाश किया था, जबकि राज्य की पुलिस और खुफिया तंत्र पूरी तरह से फेल साबित हुआ था। अब एक बार फिर भोपाल में डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय) द्वारा नशे की बड़ी खेप पकड़ी गई है, जो दर्शाता है कि राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन नशे के कारोबार पर अंकुश नहीं लगा पा रहा है। यासीन मामले ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बिहार चुनाव में कई मंत्रियों को मिलेगी जिम्मेदारी, भाजपा विधायक भी जाएंगे

बिहार चुनाव रोक सकती है राजनीतिक नियुक्तियां, इस पर इसी सप्ताह होगा फैसला

विशेष संवाददाता, भोपाल। बिहार के अगले विधानसभा चुनाव के लिए मध्यप्रदेश के कई मंत्रियों को जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके लिए मंत्रियों को तैयार रहने को कहा गया है। सूत्रों की माने तो अगले महीने से मंत्रियों को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में भेजा जा सकता है।

मौजूदा समय में सबसे बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की जा रही है इस चुनाव में मध्यप्रदेश के भाजपा विधायक और मंत्रियों को भी जिम्मेदारी सौंपी जानी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसके संकेत मंत्रियों को दिए है। उन्होंने इस संबंध में राष्ट्रीय नेतृत्व की मंशा से मंत्रियों को अवगत करा दिया है। जानकारों की माने तो जातिगत समीकरण के आधार पर मंत्रियों को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। उसके साथ भाजपा के विधायकों भी बिहार भेजा जाएगा। ये विधायक वहां पर लगातार रहकर पार्टी के पक्ष में वातावरण बनाने का काम करेंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव भी इस चुनाव में ज्यादा सक्रिय रहेंगे,जबकि मंत्रियों को एक-एक विधानसभा का प्रभार देकर वहां भाजपा को जिताने का लक्ष्य सौंपा जाएगा।

टल सकता है पीएम का दौरा

इधर सूत्रों की माने तो 25 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धार दौरा टल सकता है। ऐसा प्रधानमंत्री की व्यस्तता की वजह से माना जा रहा है। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि बिहार चुनाव के लिए आचार संहिता जल्द ही जारी हो जाएगी,ऐसे में प्रधानमंत्री सहित दूसरे शीर्ष नेतृत्व बिहार चुनाव में व्यस्त हो जाएंगे,जिससे उनके दूसरे कार्यक्रम आगे बढ़ाए जा सकते है। हालांकि इस संबंध में अब तक कोई अधिकृत घोषणा नहीं की गई है।

निगम मंडल की नियुक्तियों पर भी संशय

सूत्रों की माने तो मध्यप्रदेश में निगम मंडल ,प्राधिकरण सहित दूसरी राजनीतिक नियुक्तियों पर संभावित निर्णय भी टला जा सकता है। हालांकि कहा यह जा रहा है कि भाजपा और उसकी सरकार पहले निगम मंडल के एल्डरमैन के अलावा प्रदेश संगठन की टीम तैयार करने पर ज्यादा फोकस कर रही है। अगर राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर बात की जाए,तो प्रदेश के भाजपा नेताओं को इन पदों पर अपनी ताजपोशी के लिए पिछले 20 महीने से इंतजार है।

प्रदेश टीम के लिए खोज शुरु

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने अपनी टीम बनाने के लिए उपयुक्त और विचारधारा के आधार पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं की खोज शुरु कर दी है। उनके द्वारा इसके लिए जिलाध्यक्षों से नाम लेने के लिए पर्यवेक्षक भी भेजे गए है। इस पूरी प्रक्रिया में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की भूमिका अहम रहेगी,तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सुझावों पर भी अमल किया जाएगा।

फेरबदल और विस्तार बिहार चुनाव के बाद

सूत्रों का कहना है कि सीएम डॉ. मोहन यादव अपने मंत्रिपरिषद के विस्तार और फेरबदल को लेकर बिहार चुनाव के बाद निर्णय ले सकते है। पिछले कुछ दिनों से छत्तीसगढ़ मंत्रिमण्डल के विस्तार और फेरबदल की खबरें सामने आने के बाद मध्यप्रदेश में भी संभावनाओं पर चर्चा शुरु हुई है,लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस सभी मामले को बिहार चुनाव तक टाल दिया गया है। अब इस तरह के जो भी बड़े निर्णय लिए जाने है,उन्हें दीपावली पर्व के बाद ही लिया जा सकता है।

प्रचारकों की बैठक के बाद भोपाल में बैठक

बैतूल में मध्यभारत प्रांत के संघ प्रचारकों की तीन दिवसीय बैठक 20 अगस्त को समाप्त होगी। इसके बाद भोपाल में संघ और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की अहम बैठक होगी। इस बैठक में निगम मंडल,आयोग और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियां और प्रदेश भाजपा टीम को लेकर भी मंथन किया जा सकता है। इस बैठक में मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे।

नियुक्ति का विरोध कर रहे नेताओं पर पीसीसी की नजर

जिलाध्यक्ष के विरोध से कांग्रेस नेतृत्व खफा, चेतावनी पत्र जारी

विशेष संवाददाता,भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद मचे बवाल से पार्टी नेतृत्व नाराज है। इस संबंध में पीसीसी ने एक पत्र जारी किया है,जिसमें चेतावनी दी गई है कि संगठन सृजन के तहत की गई नियुक्तियों को लेकर सोशल मीडिया में किए गए पोस्ट हटाए नहीं गए,तो सख्त एक्शन लिया जाएगा।

दरअसल भोपाल सहित प्रदेश के दूसरे अंचलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद विवाद और विरोध की स्थिति निर्मित है। कई नेताओं से पार्टी को अलविदा कह दिया है,तो कुछ ने नाराजगी जताते हुए अपने वर्तमान दायित्वों को छोड़ दिया है। इनमें से कई नेताओं और उनके समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया में निर्णय का विरोध किया जा रहा है,जिससे पार्टी की छवि खराब हो रही है और भाजपा नेता इसे लेकर पार्टी का घेर रहे है।

जानकारों की माने तो इस मामले पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर पीसीसी द्वारा एक पत्र जारी किया गया है,जिसमें कार्यकर्ताओं को 24 घंटे के अंदर सोशल नवनियुक्त जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर सोशल मीडिया से डाली गई अपनी पोस्ट हटा लेने को कहा गया है। ऐसा नहीं होने पर संबंधित कार्यकर्ता और नेताओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस संबंध में संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कामले का कहना है कि कांग्रेस एक परिवार की तरह काम करती है। ऐसे में स्वभाविक सी बात है कि कई निर्णयों में असहमति बनती है,लेकिन इस तरह के मतभेद संवाद से दूर किए जा सकते है,लेकिन संगठन की गरिमा और अनुशासन से कोई समझौतानहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के हर कार्यकर्ता भाजपा के खिलाफ संघर्ष और जनता की सेवा के लिए, है,इसलिए, किसी भी तरह की आंतरिक असहमति को सोशल मीडिया के जरिए रखना उचित नहीं है। ऐसे मामले पार्टी नेतृत्व और दूसरे फोरम पर रखे जाने चाहिए ।

काम नहीं किया तो हटेंगे जिलाध्यक्ष: पटवारी

इधर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस विवाद और विरोध के बीच एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिला संगठन की जिम्मेदारी जिन कार्यकर्ताओं को सौंपी गई है,उन्हें अपने दायित्व के साथ न्याय करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई जिलाध्यक्ष पार्टी संगठन की उम्मीद के मुताबित बेहतर काम नहीं करेगा,तो उसे 6 महीने के अंदर पद से हटाया भी जा सकता है।

ट्रेन से लापता अर्चना 12 दिन बाद नेपाल बॉर्डर के लखीमपुर खीरी में अकेली मिली

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। इंदौर से कटनी जाते समय अचानक ट्रेन से लापता हुई अर्चना तिवारी मंगलवार रात जीआरपी को यूपी में मिल गई। वह अकेली थी। जीआरपी उसे लेकर भोपाल के लिए निकल चुकी है। बुधवार को इस मामले में जीआरपी खुलासा कर सकती है। वह कैसे गायब हुई, किसके साथ गई थी, वह खुद गई या उसे कोई जबरदस्ती ले गया था? इन तमाम बातों का खुलासा अर्चना के भोपाल आने पर होगा। एसपी रेल राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि अर्चना मंगलवार रात यूपी के लखीमपुर खीरी में मिली जो नेपाल से सटा हुआ जिला है। एक टीम युवती की तलाश में पीछे लगी थी। 12 दिन बाद जीआरपी ने उसे सकुशल बरामद कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मूलतः मंगल नगर कटनी निवासी अर्चना तिवारी (29) इन दिनों इंदौर में रहकर सिविल जज की परीक्षा की तैयारी कर रही थी। साथ ही वकालत भी कर रही थी। गत 7 अगस्त की सुबह अर्चना इंदौर से कटनी जाने के लिए निकली थी। वह इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस के बी-3 कोच में सीट नंबर 3 पर सफर कर रही थी। अर्चना इंदौर से रवाना हुई और भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन तक पहुंची, लेकिन इसके बाद ट्रेन में दिखाई नहीं दी, उसका बैग उमरिया स्टेशन पर मिला, लेकिन वह खुद कहां गई। इसका पता नहीं लग रहा था।

इंदौर मेट्रो की सुरक्षा करेगी एसएएफ की स्पेशल कंपनी

जावरा, उज्जैन, इंदौर और धार की बटालियनों से मांगे जवान

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के इंदौर शहर में संचालित हो रही मेट्रो रेल की सुरक्षा में मप्र विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) की एक स्पेशल कंपनी तैनात होगी। इस कंपनी के गठन का काम शुरू हो गया है। मंगलवार को एसएएफ के एडीजी चंचल शेखर ने इंदौर, जावरा, उज्जैन और धार में पदस्थ एसएएफ की 5 बटालियनों के कमांडेंट को पत्र लिखा है। इसमें आरक्षक से लेकर इंस्पेक्टर रैंक वाले स्टाफ से आवेदन मांगे हैं जिनकी उम्र 40 से 45 साल है। इस पत्र में कमांडेंट को एक सप्ताह के भीतर इंदौर में तैनात होने इच्छुक आवेदकों की सूची भेजने को कहा गया है। फिलहाल इंदौर के 6.3 किलोमीटर लंबे सुपर प्रायोरिटी रूट पर मेट्रो चल रही है।

एसआईएसएफ के बजाय एसएएफ को मिली जिम्मेदारी

इससे पहले मप्र मेट्रो रेल कंपनी ने एक प्रस्ताव मप्र राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल (एसआईएसएफ) को भेजा था। इसके तहत भोपाल और इंदौर में मेट्रो के संचालन के लिए एसआईएसएफ को सुरक्षाकर्मी देने को कहा गया था। एसआईएसएफ के पास पहले से ही बल की कमी है और जीआईएस के दौरान भी कई निजी और सरकारी उपक्रमों ने भी एसआईएसएफ से सुरक्षा मांगी है। संभावना जताई जा रही है कि पहले से ही स्टाफ के अभाव और अन्य स्थानों पर तैनात होने और अन्य सुरक्षा संबंधी प्रोजेक्ट पाइपलाइन में होने के कारण मेट्रो रेल की सुरक्षा का जिम्मा एसआईएसएफ के बजाय एसएएफ को दिया गया है। जो इसके लिए एक नई स्पेशल कंपनी का गठन करेगा। आने वाले समय में भोपाल मेट्रो के लिए भी इसी तरह की एक कंपनी का गठन किया जा सकता है।

130 सुरक्षाकर्मियों की टीम होगी तैनात

एसएएफ की एक कंपनी में लगभग 130 अधिकारी और कर्मचारी होते हैं। ये बटालियन में तैनात रहते हैं जो 6 कंपनियों में बंटी होती है। बटालियन हेडक्वार्टर को जोड़ लें तो एक बटालियन में लगभग 900 से 1000 अधिकारी और कर्मचारी होते हैं। एसएएफ का उपयोग आम तौर पर चुनाव, दंगा नियंत्रण, आपात स्थिति और वीवीआईपी ड्यूटी में होता है। एसएएफ की कंपनी का कमांडर डीएसपी या इंस्पेक्टर रैंक का अफसर होता है। उसके अधीन 3 या 4 प्लाटून कमांडर होते हैं जो सब इंस्पेक्टर या एएसआई रैंक के होते हैं। इसके अलावा कंपनी में शेष कॉन्स्टेबल होते हैं। एसएएफ के जवान आधुनिक हथियारों और उपकरणों से लैस होते हैं और उन्हें आपात स्थिति से निपटने की स्पेशल ट्रेनिंग भी दी जाती है।

केंद्र का निर्णय एमपी में भी लागू, युवाओं को मिलेंगे 15 हजार

मंत्रिपरिषद को मुख्यमंत्री ने दी जानकारी, कहा प्रदेश का निर्यात भी बढ़ा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि भारत रोजगार योजना के तहत निजी क्षेत्र में नौकरी पाने वाले युवाओं को 15 हजार रूपए सरकार की ओर से दिए जाएंगे। देश में 3 करोड़ 50 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। इस योजना से राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। सीएम मंगलवार को अपने मंत्रिपरिषद के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने मंत्रियों से सीधे संवाद भी किया और उन्हें आवश्यक जानकारियों से अवगत कराया। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत रोजगार योजना प्रारम्भ की है। जिसमें युवाओं के लिए 1 लाख करोड़ रुपये की योजना प्रारंभ की है। इसमें कोई भी युवा पढ़ाई पूरी कर नौकरी करता है तो केंद्र सरकार उसे 15,000 प्रतिमाह देगी इससे उद्योगपतियों को भी लाभ होगा। वे आसानी से युवाओं को नियुक्त करेंगे क्योंकि15,000 केंद्र सरकार से मिलेगा और फैक्ट्री वाले जो वेतन देंगे वह अलग होगा।

6 प्रतिशत बढ़ा मप्र का निर्यात

सीएम ने बताया कि फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश में निर्यात में 6प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश ने अब तक का सबसे अधिक रुपए 66,218 करोड़ का निर्यात किया है। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 6प्रतिशत अधिक है। इसमें फार्मेसी, इंजीनियरिंग गुड्स आदि में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। सामान्य निर्यात में 66,218 करोड़ का योगदान है, जबकि विशेष आर्थिक क्षेत्र और आईटी सेक्टर से 4,038 करोड़ का योगदान हुआ है। इस क्षेत्र में हम पिछले वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर 15वें स्थान पर थे, अब 11वें स्थान पर आ गए हैं। आने वाले समय में हमारा लक्ष्य और ऊँचा स्थान प्राप्त करना है। सीएम ने कहा कि प्रदेश के विकास में पूंजीगत व्यय की बड़ी भूमिका होती है। चालू वित्तीय वर्ष में तिमाही पूंजीगत व्यय में मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। गुजरात में 65प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 42प्रतिशत और मध्यप्रदेश में 41प्रतिशत पूंजीगत व्यय हुआ है। यह प्रदेश के विकसित होने का द्योतक है। उन्होंने मंत्रियों को बताया कि जल्द ही भोपाल में किसान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा,जिसमें प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया गया है। कटनी में 23 अगस्त को माइनिंग कॉन्क्लेव होगा। इसमें देशभर के खनन क्षेत्र के लोग भाग लेंगे। इसमें स्ट्रेटजिक और क्रिटिकल मिनरल्स पर विशेष फोकस होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि यूरिया का कुल भंडारण 15.60 लाख मेट्रिक टन है, जिसमें से 13.92 लाख मेट्रिक टन किसानों को वितरित किया गया है और 1.68 लाख मेट्रिक टन यूरिया शेष है। प्रदेश में मक्का का क्षेत्रफल लगभग 5 लाख हेक्टेयर ब? जाने के कारण यूरिया की मांग बढ़ी है। आगामी डेढ़ माह में 5.60 लाख मेट्रिक टन यूरिया प्राप्त होने की संभावना है।

निगम के 54 नव नियुक्त कर्मचारियों को सीएम सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

जागरण संवाददाता, भोपाल। नगर निगम भोपाल में गुरुवार को आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम के दौरान 54 नव नियुक्त कर्मचारियों को सीएम डॉ. मोहन यादव नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। निगम से मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम में काम करने के दौरान निगम के 31 नियमित कर्मचारियों की कुछ समय पहले मौत हो गई थी। इन सभी कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी देने के लिए फाइल तैयार की गई थी। अब इन कर्मचारियों को गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। वहीं कर्मचारी चयन मंडल से सीधी भर्ती के दौरान नियुक्त 23 कर्मचारियों को भी इसी कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। बता दें कि गुरुवार को एक भव्य कार्यक्रम के दौरान सीएम राजधानी भोपाल को करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात देने जा रहे हैं। इससे से ज्यादातर कार्य नगर निगम के हैं। इसलिए आयोजन के दौरान ही नव नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे।

31 को अनुकंपा नियुक्ति व 23 सीधी भर्ती से हुए निगम में शामिल

तृतीय व चतुर्थ श्रेणी वर्ग में शामिल होंगे कर्मचारी : निगम में शामिल होने वाले इन कर्मचारियों में अनुकंपा नियुक्ति पाने वाले 31 कर्मचारियों को चतुर्थ श्रेणी वर्ग में नियुक्त किया जा रहा है, जबकि सीधी भर्ती वाले 23 अन्य कर्मचारियों को तृतीय श्रेणी वर्ग में नियुक्ति दी जा रही है। निगम प्रशासन ने इन कर्मचारियों को 21 अगस्त के दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने को कहा गया है।

व्यवस्था 23 प्रतिनियुक्ति पर और 3 विदेश में, केंद्र को भेजा सीधी भर्ती के 8 पद बढ़ाने का प्रस्ताव

एमपी में आईपीएस के 319 पद मंजूर, पर पदस्थ 234

नितिन साहनी, भोपाल

प्रदेश का पुलिस बल इस समय आईपीएस अफसरों की भारी कमी से जूझ रहा है। इसके कारण काम काज प्रभावित हो रहा है। प्रदेश में आईपीएस के 319 पद मंजूर हैं लेकिन फिलहाल एमपी कैडर में केवल 234 ही अफसर हैं। इनमें से भी 25 अफसर प्रतिनियुक्ति पर हैं, जिनमें से दो विदेश में तैनात हैं। इसके अलावा एक अफसर स्टडी लीव पर हैं। ऐसे में प्रदेश में फिलहाल केवल 208 आईपीएस के भरोसे ही कानून व्यवस्था की स्थिति है। इस परेशानी को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने शासन के जरिए केंद्र से अगले साल प्रदेश को नियमित कोटा के अलावा 8 अन्य आईपीएस देने का प्रस्ताव भेजा है। केंद्र के डीओपीटी मंत्रालय को भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार साल 2026 में होने वाली आईपीएस के जरिए चुने गए 8 अतिरिक्त रेगुलर आईपीएस अधिकारी प्रदेश को देने का अनुरोध किया गया है। डीओपीटी ने इस साल प्रदेश को सीधी भर्ती वाले 13 आईपीएस अफसर दिए हैं। अगर डीओपीटी इस प्रस्ताव को मान लेता है तो अगले साल 2026 में प्रदेश को 21 सीधी भर्ती वाले आईपीएस अफसर मिलेंगे।

8 अफसरों के मिलने से बढ़ेंगे प्रमोटी के भी पद

पीएचक्यू से मिली जानकारी के अनुसार अगर प्रदेश को अगले साल 21 रेगुलर आईपीएस मिल जाएंगे तो इससे प्रमोटी अफसरों की संख्या भी बढ़ जाएगी। प्रदेश के आईपीएस कैडर में रेगुलर और प्रमोटी के लिए 66.66 और 33.33 प्रतिशत का तय अनुपात है। ऐसे में अगर सीधी भर्ती वाले आईपीएस के 8 पद बढ़ जाएंगे तो प्रमोटी आईपीएस के भी 2 पद बढ़ जाएंगे। इस साल राज्य पुलिस सेवा के 1998 बैच के पांच आईपीएस अफसर आईपीएस बनेंगे जबकि अगले साल से ये संख्या 7 हो सकती है। देश में कानून व्यवस्था में सबसे अहम आईपीएस सेवा के 2024 बैच से चुनकर इसी साल 11 अप्रैल को 13 जिन अधिकारियों को मध्य प्रदेश अलॉट किया गया है उनमें से 5 को होम कैडर दिया गया है।

ये आईपीएस प्रतिनियुक्ति पर तैनात

आलोक रंजन डायरेक्टर एनसीआरबी, सोनाली मिश्रा डीजी आरपीएफ, अनंत कुमार सिंह चीफ विजिलेंस ऑफिसर इंडियन ऑइल, मीनाक्षी शर्मा ओएसडी मप्र भवन नई दिल्ली, मकरंद देउस्कर एडीजी बीएसएफ, डी श्रीनिवास वर्मा ज्वाइंट डायरेक्टर सीबीआई, सोलोमन यश कुमार मिंज आईजी बीएसएफ, विवेक शर्मा ट्रांसपोर्ट कमिश्नर एमपी, अंशुमन यादव आईजी बीएसएफ, साजिद फरीद शापू चीफ विजिलेंस ऑफिसर बीईएमएल, डॉ आकाश जिंदल डिप्टी डायरेक्टर एसवीपीए, जयदेवन ए सीबीआई कोलकाता, रुडोल्फ अल्वारेज डिप्टी डायरेक्टर वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो, आबिद खान डीआईजी सीआईएसएफ, आदित्य प्रताप सिंह डायरेक्टर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, कार्तिकेयन ए ज्वाइंट डायरेक्टर इंटेलिजेंस ब्यूरो, विवेक अग्रवाल उप सचिव गृह मंत्रालय, प्रियंका मिश्रा डायरेक्टर इंदिरा गांधी नेशनल कल्चर एकेडमी, अभिषेक तिवारी एसपी एनटीआरओ नई दिल्ली, विनायक वर्मा एसपी सीबीआई दिल्ली, अजय सिंह सहायक संचालक आईबी, सचिन शर्मा एडिशनल रेजिडेंट कमिश्नर मप्र भवन नई दिल्ली, सुनील तिवारी सीबीआई मुख्यालय।

ये अफसर विदेश में

दीपिका सूरी – स्टडी लीव यूएसए, टी अमोला अय्यर फर्स्ट सेक्रेटी भारतीय उच्चायोग सिंगापुर।
रुचिका जैन फर्स्ट सेक्रेटी भारतीय उच्चायोग कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया)

इन 13 अफसरों को इस साल मिला एमपी कैडर

नाम	गृह राज्य
राजीव अग्रवाल	एमपी
माही शर्मा	यूपी
दीपांशु	हरियाणा
मनोज कुमार	दिल्ली
समीक्षा सरवारी	हरियाणा
माधव गुप्ता	राजस्थान
माधव अग्रवाल	एमपी
अणर्व भंडारी	एमपी
रितु यादव	एमपी
काजल सिंह	एमपी
अमित कुमार	बिहार
अंशुल चौधरी	दिल्ली
लेखराज मीणा	राजस्थान

वंचित बहनें भी जुड़ेंगी लाड़ली बहना योजना से: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहना योजना को लेकर बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि बहनें योजना से जुड़ने में वंचित रह गई हैं उन्हें भी जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि बहनों को आर्थिक रुप से मजबूत बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार काम करती आ रही है।

सीएम ने नरेला में बहनों से बंधवाई राखी

सीएम मंगलवार को नरेला रक्षाबंधन महोत्सव में बहनों से राखी बंधवाने के बाद उन्हें संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नरेला का यह रक्षाबंधन महोत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, विश्वास और संस्कारों का प्रतीक है। प्रदेश सरकार निरंतर बहनों के लिए, रोजगार, स्वरोजगार सहित विभिन्न आयामों पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार लाड़ली बहना योजना के माध्यम से बहनों के सशक्तिकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए सतत कार्य कर रही है। शीघ्र ही जो बहनें योजना से जुड़ने में वंचित रह गई हैं उन्हें भी जोड़ेंगे। दीपावली के भाईदूज के बाद हर माह 1500 रुपये की राशि लाड़ली बहनों के खाते में आएंगे। इस मौके पर सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में धर्म स्वातंत्र्य कानून लव जिहाद जैसी कुरीतियों पर कठोर प्रहार कर रहा है। यह कानून बहनों की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी है। इससे पहले वार्ड 37 में आयोजित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्थानीय रहवासियों ने भारी बारिश के बीच आत्मीय स्वागत किया गया। महोत्सव के छठवें दिन 32 हजार 289 बहनों ने राखी बांधी।

लोगों को विवाह के पहले सिकल सेल एनीमिया आनुवांशिक कार्ड का मिलान करना चाहिए : राज्यपाल श्री पटेल

सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए सक्रिय जनभागीदारी आवश्यक है : राज्यपाल श्री पटेल

मंडला में परंपरागत चिकित्सा का स्वास्थ्य संवर्धन में योगदान एवं सिकल सेल एनीमिया प्रबंधन का एक दिवसीय कार्यशाला में हुए शामिल

जागरण, मंडला । राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में आज ग्राम सेमरखापा एकलव्य आदर्श विद्यालय ऑडीटोरियम में परंपरागत चिकित्सा का स्वास्थ्य संवर्धन में योगदान एवं सिकल सेल एनीमिया प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया की बीमारी आनुवांशिक है। इसके उन्मूलन के लिए व्यापक जनजागरूकता आवश्यक है। केन्द्र सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को सिकल सेल एनीमिया मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस रोग के उन्मूलन में सभी के योगदान की आवश्यकता पर बल दिया है। उनके नेतृत्व में शहडोल जिले से वर्ष 2023 से सिकल सेल उन्मूलन का अभियान शुरू हुआ। तब से लेकर अब तक देश में 7 करोड़ लोगों की जाँच की जा चुकी है। जिसमें मध्यप्रदेश में एक करोड़ 14 लाख व्यक्तियों की जांच की गई है। इनमें 2 लाख 13 हजार 470 लोग सिकल सेल के संवाहक तथा 31 हजार 203 मरीज मिले हैं। यह बीमारी भारत में ही नहीं दुनिया के अन्य देशों में भी पाई जाती है। जनजातीय क्षेत्रों में यह बीमारी प्रायः देखी जा रही है। इस अवसर पर जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग डॉ. विजय शाह, पीएचई मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दरसिंह परमार, प्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, विधायक निवास श्री चैनसिंह वरकड़े, प्रमुख सचिव आयुष श्री डीपी आहूजा, आयुक्त आयुष उमा माहेश्वरी, प्रो. रविनारायण आचार्य मौजूद थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने ऑडिटोरियम में मौजूद सभी लोगों से आग्रह किया है कि विवाह के पहले लड़के-लड़कियों को अपने सिकल सेल एनीमिया आनुवांशिक कार्ड का मिलान अवश्य करना चाहिए। सिकल सेल से पीड़ित व्यक्ति का चिन्हांकन एवं त्वरित रोग उपचार ही इस बीमारी से बचा सकता है। जितनी जल्दी इस रोग का पता चलेगा, इसे नियंत्रित करने की संभावना उतनी अधिक होगी। अतः स्वास्थ्य केन्द्रों में जाकर सिकल सेल एनीमिया की जांच करवाएं। इस दिशा में लगातार जांच, उपचार व जागरूकता से सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम के अच्छे परिणाम आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि माँ के गर्भ में ही सिकल सेल एनीमिया की जांच की सुविधा है। इसके अलावा बच्चे के जन्म के 72 घंटे बाद भी जांच की जा सकती है। उन्होंने बताया कि संपूर्ण मध्यप्रदेश को आरोग्य प्रदान करने के लिए गुजरात से श्री अतुल देसाई एवं उनका परिवार लगातार सिकल सेल उन्मूलन के लिए कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने सभी चिकित्सकों से इस दिशा में सार्थक प्रयास करने का आग्रह किया जिससे सिकल सेल का संपूर्ण उन्मूलन हो सके।

इस अवसर पर मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा कि राज्यपाल जी के सतत प्रयासों से ही इस बीमारी की जानकारी लोगों तक पहुँची है। आपका जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित है। सिकल सेल की बीमारी काफी तकलीफदेह है जिसकी पहचान कर त्वरित उपचार बेहद जरूरी है। प्राचीन औषधियों को अस्तित्व में बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। मंडला में डी-मार्ट की तर्ज पर ट्रायबल मार्ट बनाया जायेगा। जनजातीय बंधु इसका संचालन करेंगे यहां मिलने वाले उत्पाद की कीमत बाजार की तुलना में 25-30 प्रतिशत कम होगी और स्थानीय लोगों को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। 2 अक्टूबर को प्रदेश के सभी गांवों में सिकल सेल एनीमिया पर चर्चा करने की बात भी मंच से कही।

मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में लगातार जनजातीय क्षेत्रों में सुख-सुविधाओं को बेहतर करने के लिए काम किया जा रहा है। हमारे पूर्वजों ने भारतीय आयुर्वेद में जो बेहतरीन काम किए हैं उन्हें हम आज तक अपना रहे हैं। पूरे प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन के लिए युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है। केन्द्र व राज्य को डबल इंजन सरकार के प्रयासों की बदौलत स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आए हैं। मंडला जिले में आयुर्वेद अनुसंधान सेंटर खोले जाने की बात भी उन्होंने की।

आयुष मंत्री श्री परमार ने यहां आयोजित कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य बताते हुए अपने संबोधन में कहा कि सिकल सेल एनीमिया का उन्मूलन किस तरह करना है ? कार्यशाला में आए चिकित्सकों एवं परंपरागत वैद्यों से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर वृहद स्तर पर लोगों तक पहुंचाना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय आयुर्वेद को फिर से दुनिया स्वीकार रही है। उन्होंने बताया कि बालाघाट में आयुर्वेद रिसर्च सेंटर खोलने की स्वीकृति भारत सरकार ने दी है। रिसर्च के क्षेत्र में अच्छा काम करने वालों के साथ एमओयू भी किए जा रहे हैं। आयुर्वेद भारतीय परंपरा का ही अंग है। परंपरागत वैद्यों के ज्ञान को सहेजने और शोध के दस्तावेजीकरण की तरफ बढ़ रहे हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी परंपरागत रूप से काम कर रहे पारंपरिक वैद्यों को आधुनिक तकनीक से भी जोड़ा जा रहा है। जनजातीय क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन के लिए सभी आयोजकों को बधाई।

जिले के प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि राज्यपाल अतिसंवेदनशील है जो जनजातीय जिलों के सुदूर अंचलों तक जाकर इस बीमारी की रोकथाम के लिए मार्गदर्शन दे रहे हैं। अनूपपुर, डिंडौरी एवं शहडोल जिले में इस बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों की पहचान कर उनका उपचार किया जा रहा है। केबिनेट में सभी संभाग मुख्यालय में आयुर्वेद का मेडिकल कॉलेज खोलने की बात भी स्वीकारी गई है। नर सेवा ही नारायण सेवा है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि पूजा अर्चना से परमेश्वर दर्शन देंगे या नहीं यह तो नहीं पता लेकिन जब दीन हीन बीमार व्यक्ति की सेवा होगी तो उसकी आंखों में परमेश्वर के दर्शन स्वतः हो जाएंगे।

कार्यशाला में सिकल सेल एनीमिया की बीमारी से ग्रसित बच्चों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि आयुर्वेद के माध्यम से उनका स्वास्थ्य अब पहले से बेहतर है। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री पटेल एवं अन्य अतिथियों ने मिशन नेत्रज्योति अंतर्गत चश्मा, सिकल सेल दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, पोषण किट, विधवा पेंशन कार्ड एवं स्व-सहायता समूह को राशि वितरित की। कार्यक्रम के प्रारंभ में दीप प्रज्जवलन, भगवान धनवंतरी एवं जननायक बिरसामुण्डा के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किए। राज्यपाल श्री पटेल का स्वागत अंगवस्त्र, तुलसी पौधा एवं गोंडी पेंटिंग भेंट कर किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ एवं अंत में राष्ट्रगान का गायन किया गया। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने स्मृतिचिन्ह स्वरूप राज्यपाल श्री पटेल को गोंडी पेंटिंग भेंट की। कार्यक्रम में राष्टीय आयुर्वेद महासम्मेलन के प्रतिनिधि, नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, श्री प्रफुल्ल मिश्रा, श्री जयदत्त झा, संभाग आयुक्त श्री धनंजय सिंह, आईजी बालाघाट श्री संजय सिंह, डीआईजी बालाघाट श्री मुकेश कुमार श्रीवास्तव, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा सहित अन्य संबंधित अधिकारी, परंपरागत वैद्य, बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

आवासीय छात्रावासों में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

जागरण, मंडला । कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जनजातीय कार्य विभाग और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के सभी आवासीय छात्रावासों में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को विजयपुर स्थित सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास, इंग्लिश मीडियम आश्रम निवास, आदिवासी कन्या आश्रम मवई एवं सीनियर आदिवासी बालिका छात्रावास सिझोरा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के दौरान चिकित्सा दल ने छात्रावास के सभी विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच में सामान्य स्वास्थ्य, शारीरिक विकास और किसी भी संभावित बीमारी की पहचान पर विशेष ध्यान दिया गया। जांच के बाद जिन विद्यार्थियों को दवाइयों की आवश्यकता थी, उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने और उन्हें स्वस्थ रखने की सलाह दी गई। इस अभियान के तहत जिले के अन्य आवासीय छात्रावासों में भी इसी तरह के स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे।

गोडवाना गड़तंत्र पार्टी के कमलेश टेकाम ने किया छात्रावास का निरीक्षण

मंडला । जिले के निवास ब्लॉक के पिपरिया स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में 15 अगस्त को बच्चों की तबीयत बिगड़ने के बाद एक छात्रा की मौत हो गई. इससे जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया. अब इस मामले में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है. लापरवाही के आरोप में हॉस्टल अधीक्षक और अधीक्षिका को निलंबित कर दिया गया है. साथ ही स्टाफ नर्स को बर्खास्त कर दिया गया है ।

छात्रा की मौत पर कलेक्टर ने बनाई टीम : बच्चियों के बीमार होने और एक छात्रा की मौत के मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने जांच समिति गठित की. कलेक्टर के निर्देश पर निवास एसडीएम, बीएमओ और बीईओ की टीम ने जांच की. समिति ने 16 अगस्त को स्वास्थ्य परीक्षण कराया, जिसमें से 15 विद्यार्थियों में सर्दी, जुकाम और वायरल बुखार की शिकायत पाई गई. इनमें से 7 छात्राएं और 8 छात्र को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया. छात्रा शिल्पा मरावी को तेज बुखार और बेहोशी के कारण जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया. परिजन उसे नागपुर ले गए, जहां 18 अगस्त को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई ।

स्टाफ नर्स को बर्खास्त किया : वहीं, स्कूल के प्राचार्य, अधीक्षक और अधीक्षिका पर आरोप है कि उन्होंने घटना की सूचना विभागीय अधिकारियों को समय पर नहीं दी और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी नहीं कराया. बता दें मंडला कलेक्टर की रिपोर्ट के आधार पर आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग भोपाल ने बड़ी कार्रवाई की है. अधीक्षक संजीव कुमार राठी और अधीक्षिका पूनम देवी को निलंबित कर दिया गया है. इसके अलावा स्टाफ नर्स सुरसरी अंजली सैयाम की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं. वहीं, प्राचार्य मोनिका रोहिला के विरुद्ध निलंबन प्रस्ताव दिल्ली भेज दिया गया है ।

नपाध्यक्ष ने आरसीसी रोड, नाली निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

जागरण, छतरपुर । छतरपुर नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया ने वार्ड क्रमांक 16 एवं 17 में हो रहे आरसीसी रोड निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारी-ठेकेदारों को निर्देश दिए कि शहर में हो रहे सभी विकास कार्य गुणवत्ता पूर्ण और समय सीमा में पूर्ण कराएं। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष ने स्थानीय निवासियों से संवाद भी किया और उनकी अन्य समस्याओं को सुना और अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान पार्षद धीरज गुप्ता, पार्षद प्रतिनिधि नरेंद्र यादव, इंजीनियर महेंद्र पटेल, नीतेश चौरसिया चौरसिया संबंधित ठेकेदार सहित वार्डवासी उपस्थित रहे।

वनग्रामों में गूंजी चौपाल की गूंज, पात्र किसानों को जल्द मिलेगा वनाधिकार पत्र

कलेक्टर ने वनाधिकार पत्र वितरण व संशोधन कार्य की समीक्षा

जागरण, डिंडोरी । पात्र किसानों को वनाधिकार पत्र शीघ्र उपलब्ध कराने और लंबित आवेदनों का निस्तारण करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा विशेष चौपालों का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने जनपद पंचायत शहपुरा के वनग्राम छीरपानी एवं विकासखंड डिंडौरी के प्राथमिक शाला पटकुही प्रागंण में आयोजित चौपाल में लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

छीरपानी चौपाल में 60 आवेदन प्राप्त : वनग्राम छीरपानी की चौपाल में वनाधिकार पत्र से संबंधित कुल 60 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 60 आवेदन पात्र पाए गए। कलेक्टर ने पटवारी, बीट गार्ड एवं सचिव को एक सप्ताह के भीतर पात्र आवेदनों को वनमित्र पोंटल पर ऑनलाइन प्रविष्टि कर समयसीमा में वनाधिकार पत्र वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 2005 के रिकॉर्ड को आधार मानकर पात्र किसानों को पट्टे जारी किए जाएं और जिन पत्रों में संशोधन आवश्यक है, उनमें सुधार की कार्यवाही प्राथमिकता से की जाए। इस दौरान ग्रामीणों ने छीरपानी से पटपरा के बीच 1 किमी. सड़क निर्माण की मांग रखी। जिस पर कलेक्टर ने सीईओ जनपद शहपुरा को प्रस्ताव तैयार कर कार्रवाई के लिए भेजने के निर्देश दिए। तीन माह से वन मित्र पोंटल पर अपलोड करने के निर्देश कलेक्टर के द्वारा बार-बार देने के बावजूद भी छीरपानी के बीटगार्ड, सचिव, पटवारी को कार्य में लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके बाद भी लापरवाही की जाती है तो संबंधित के विरूद्ध आगामी कार्यवाही की जायेगी।

पटकुही चौपाल में 17 आवेदन प्राप्त : प्राथमिक शाला पटकुही प्रागंण में वन अधिकार के निराकरण के लिए आयोजित चौपाल में कुल 17 आवेदन पर चर्चा की हुई जिसमें पटवारी ने बताया की हमारे समिति के द्वारा 17 आवेदन वन मित्र पोंटल पर अपलोड कर दिए गए है। वर्तमान में सभी आवेदनो का निराकरण कर दिया गया है। कलेक्टर ने चौपाल में बैठे ग्रामीणों से अन्य समास्यां की जानकारी ली जिस पर गांव के लोगों ने सड़क और पानी की मांग रखी जिस पर पीएचई विभाग को गांव में सर्वे कराकर हेंडपंप या नल-जल योजना संचालित करने के निर्देश दिए। वहीं पर निर्माणधीन सड़क मुख्य मार्ग से पटकुही तक बने मार्ग को ठेकेदार के द्वारा लापरवाही करने से सड़क अधुरा पड़ा है जिससे आवागमन में समस्याएं आ रही है। जिस पर आरईएस पीएमजेएसवाई अधिकारी को रोड की जांच कर संबंधित ठेकेदार के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। दोनों चौपालों में अपर कलेक्टर श्री जे.पी.यादव, एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री राजेंद्र कुमार जाटव, डीपीसी श्री रावेन्द्र मिश्रा, कार्यपालन यंत्री पीएचई मो. अहमद इमाम उल्ला, एसडीओपी श्री अमित गौतम, उप संचालक कृषि सुश्री अभिलाषा चौरसिया, डीपीएम अर्पणा पांडे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री अशोक पांडे, तहसीलदार श्री कार्यपालन यंत्री एमपीईबी श्री अविनाश गोयल, आबकारी अधिकारी श्री रामहंस पचौरी एवं जनसंपर्क अधिकारी श्री चेतराम अहिरवार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

एम सी बी यू में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

छतरपुर । महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर में मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार डॉ योगेश चतुर्वेदी के संयोजन में वि. वि. के भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ द्वारा वसुधैव कुटुंबकम् थीम पर 19 अगस्त मंगलवार को 12 बजे एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे छात्र छात्राओं द्वारा बेहद सुंदर और आकर्षक पोस्टर बनाए गए। वि. वि. के भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ द्वारा छात्रों को पोस्टर बनाने के लिए ड्राइंग शीट्स उपलब्ध कराई गई। प्रतियोगिता के बाद निर्णायक मंडल के सदस्य रमेश प्रभाकर, श्रीमती गरिमा, सुश्री ज्योत्सना जैन द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के नाम घोषित किए गए द्य प्रथम स्थान भागचंद अनुरागी, कक्षा- डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइनिंग ने प्राप्त किया जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः सरगम निरंजन एम ए तृतीय सेमेस्टर एवं गोलू यादव बी ए थर्ड ईयर रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया एवं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

महिला ने पुलिसकर्मियों पर लगाए प्रताड़ना के आरोप

पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर लगाई न्याय की गुहार

जागरण, छतरपुर । पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची एक महिला ने भोपाल में पदस्थ महिला पुलिसकर्मी और छतरपुर के कोतवाली थाना प्रभारी पर उसके परिवार को परेशान करने, गाली-गलौज, पैसे मांगने और पति को जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला का दावा है कि पुलिस ने उसके पति को अकारण थाने लेकर पीटा और रिहाई के बदले पैसे लिए हैं। छतरपुर के वार्ड 24 की रहने वाली नीतू सिंह ऊर्फ व्योमवाला पत्नी मुकेश सिंह ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर बताया कि भोपाल में पदस्थ महिला आरक्षक सोनाली नायक के कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी और सिपाही नरेंद्र से अच्छे संबंध हैं। नीतू के मुताबिक सोनाली नायक का उसके पति मुकेश सिंह से पैसों का लेनदेन है। गत 25 जून को सोनाली ने अपने संबंधों और पुलिसकर्मी होने का फायदा उठाकर कोतवाली पुलिस की मदद से मुकेश को थाने में रात भर पिटवाया और झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। इतना ही नहीं थाना प्रभारी अरविंद द्वारा सिपाही अजय सिंह को उसके घर भेजकर परिवार को प्रताड़ित किया जा रहा है। नीतू सिंह का आरोप है कि कुछ दिन पहले कोतवाली पुलिस ने उसके पति मुकेश को गिरफ्तार किया था और उसकी रिहाई के एवज में 40 हजार रुपये लिए थे। पुलिस ने तीन लाख रुपए की और मांग की थी, जो कि 15 अगस्त तक देने थे, लेकिन जब पैसे नहीं दिए गए तो 16 अगस्त को कोतवाली पुलिस उसके घर आई थी। उसी दिन से नीतू सिंह का पति मुकेश लापता है। नीतू सिंह ने कहा कि यदि उसके पति और परिवार के साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी थाना प्रभारी तथा सोनाली की होगी। इसके साथ ही नीतू ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कराने और उसके साथ न्याय करने की मांग की है।

किसानों की पुस्तैनी जमीन पर हुआ कब्जा, कलेक्टर के पास पहुंचा मामला

छतरपुर। सटई में कुछ किसानों की पुश्तैनी जमीन पर गांव के ही कुछ लोगों द्वारा जबरन कब्जा किए जाने और विरोध करने पर मारपीट तथा जान से मारने की धमकी मिलने का गंभीर मामला मंगलवार को जनसुनवाई में सामने आया है। उक्त मामले के पीड़ित पक्ष ने जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन देकर संबंधित भूमि का सही सीमांकन कराने और आरोपियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। सटई निवासी परशू कुशवाहा ने बताया कि जिस भूमि को लेकर विवाद है, वह सटई-छतरपुर मुख्य सड़क के किनारे पर मौजूद है। पूर्वजों के समय से यहां कृषि कार्य किया जाता रहा। पूर्वजों के निधन के बाद विधिवत भूमि का नामांतरण भी कराया गया, लेकिन पिछले कुछ समय से खेती न होने के कारण भूमि खाली पड़ी थी, जिसका फायदा उठाकर गांव के कारेलाल, बालकिशन, नारायणदास, भागीरथ, रामप्यारे, छोटेलाल, अनारी, नत्थु, कन्छेदी सहित करीब दो दर्जन लोगों ने जमीन पर कब्जा कर लिया। गत 9 अगस्त को जब भू-स्वामियों ने कब्जे का विरोध किया, तो सभी आरोपियों ने एकजुट होकर लाठी, डंडे, कुल्हाड़ी से मारपीट की। वहीं बालकिशन कुशवाहा ने अपनी लाइसेंसी बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित हजारी, धनीराम, लच्छू, पूरनलाल, हिम्मत, शीराम, दयाराम और हेमराज कुशवाहा ने मांग की है कि भूमि का सही सीमांकन और तरमीम कराई जाए तथा आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत डिंडौरी में शुरू हुआ 3 दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण

जनजातीय समाज के विकास और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

जागरण, डिंडोरी । भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं मध्यप्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत जनजातीय समाज के विकास एवं परिवर्तन के लिए 3 दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण का शुभारंभ बुधवार को कन्या शिक्षा परिसर डिंडौरी के सभागार में हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती नेहा मरव्या ने किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारी, कर्मचारी, गैर सरकारी संगठन एवं सामुदायिक आधारित संगठन को सेवा, समर्पण एवं संकल्प के मंत्र के साथ तैयार करना है, ताकि वे शासन की योजनाओं को पात्र जनजातीय परिवारों तक प्रभावी रूप से पहुंचा सकें। कलेक्टर ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रशिक्षण से अधिकारी और कर्मचारी जनजातीय समाज की आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे और योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाई जा सके।अभियान का उद्देश्यआदि कर्मयोगी अभियान एक सरकारी पहल है जिसका लक्ष्य आदिवासी क्षेत्रों में विकास को गति देना, स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना और प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 47' के दृष्टिकोण को साकार करना है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित किया जाएगा और स्थानीय लोगों को विकास प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाया जाएगा।

लाइसेंसी बंदूक की सफाई के दौरान चली गोली, गंभीर रूप से जख्मी हुआ वृद्ध

छतरपुर । राजनगर थाना क्षेत्र के नांद गांव में लाइसेंसी बंदूक की सफाई के दौरान गोली चलने से एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को स्थानीय अस्पताल मे प्राथमिक उपचार दिए जाने के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। नांद निवासी कुलदीप यादव ने बताया कि उसके 62 वर्षीय पिता रामेश्वर सिंह यादव अपनी 12 बोर की लाइसेंसी बंदूक की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गोली चल गई, जो उनके जबड़े को चीरती हुई निकल गई। हादसे के बाद परिवार के लोग उन्हें तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में डॉ. मनोज चौधरी उनका इलाज कर रहे हैं, फिलहाल घायल की हालत गंभीर है।

हिंदू एकता और सनातन संस्कृति का संदेश देने की 650 किमी की पदयात्रा

जागरण, छतरपुर । प्रदेश के धार जिले से बागेश्वर धाम तक करीब 650 किलोमीटर की संस्कार संस्कृति कर्तव्य पथ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने हिंदू एकता और हिंदू राष्ट्र के समर्थन में जोश के साथ कदम बढ़ाए हैं। यह पदयात्रा सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने और जात-पात के भेद को मिटाने का संदेश लेकर बागेश्वर धाम पहुंची है। पदयात्रियों ने बताया कि धार जिले से शुरू हुई उनकी भव्य पदयात्रा छतरपुर के बागेश्वर धाम पहुंची है। इस दौरान जात-पात की करो विदाई, हम सब हिंदू भाई-भाई और हिंदू राष्ट्र के समर्थन में नारे लगाते हुए श्रद्धालु उत्साह के साथ आगे बढ़े। यात्रा के संयोजक राजू पंडित, नारायण पाटीदार, ओम प्रकाश पाटीदार, शुभम राय, भागीरथ, सुनील, लोमेश, सुनील बैरागी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस धार्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का हिस्सा बने। यह पदयात्रा सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रतीक है।

चोरी की वारदात का सूचना मिलने के 24 घण्टे के अन्दर किया गया खुलासा

मामले में शामिल 04 आरोपी गिरफ्तार, कब्जे से चोरी किया गया मशरूका बरामद

जागरण, पन्ना। पुलिस द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशनुसार अजयगढ़ थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात में घटना की सूचना के 24 घंण्टे के अन्दर मामले में चोरी हुआ मशरूका बरामद किया जाकर वारदात में शामिल 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में फरियादिया श्रीमती विमला प्रजापति निवासी सिंहपुर द्वारा थाना अजयगढ़ में रिपोर्ट की गई कि दिनांक 17/08/25 की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों ने फरियादिया के घर में घुसकर घर में रखे बक्सा (संदूक) को चोरी कर ले गये है उक्त संदूक में फरियादी के चाँदी के जेवरात (पायल व बिछिया) एवं ? 2000 नगद रखे हुए थे। रिपोर्ट पर थाना अजयगढ़ में अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध चोरी का अपराध चेरी की धारा पर कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया । थाना प्रभारी अजयगढ़ निरीक्षक बखत सिंह ठाकुर द्वारा घटना की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक पन्ना साई कृष्ण एस. थोटा द्वारा तत्काल थाना स्तर पर पुलिस टीम का गठन किया जाकर मामले के खुलासा एवं चोरी गये मशरूका की बरामदगी के निर्देश दिये गये । पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशानुसार थाना स्तर पर गठित पुलिस टीम द्वारा मामले में घटनास्थल के आसपास लोगो से पूँछताछ की जाकर मामले में कुछ संदेहियों को चिन्हित किया जाकर संदेहियों की तलाश पतारसी की गई संदेहियों के संबंध में जानकारी हेतु पुलिस टीम द्वारा अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया । जिसके फलस्वरूप आज दिनांक 19/08/25 को पुलिस द्वारा मामले में 04 संदेहियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाकर पूँछताछ की गई । पुलिस द्वारा पूँछताछ किये जाने पर संदेही व्यक्तियों द्वारा अपने-अपने नाम पता पुलिस टीम को बताये गये । घटना के संबंध में पुलिस टीम द्वारा संदेहियों से कड़ाई से पूँछताछ किये जाने पर संदेहियों द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया । मामले में पुलिस टीम द्वारा उक्त आरोपियों के बताये अनुसार आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया मशरूका बरामद किया जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है । जिन्हे माननीय न्यायायलय के आदेशानुसार जिला जेल पन्ना दाखिल किया गया है ।

गिरफ्तार आरोपी-1. कल्लू पिता प्यारे आदिवासी उम्र 20 वर्ष निवासी सिंहपुर 2. अर्जुन उर्फ कम्मू पिता नत्थू प्रजापति उम्र 27 वर्ष निवासी सिंहपुर 3. राजकुमार पिता बाबू प्रजापति उम्र 28 वर्ष निवासी सिंहपुर 4.इन्द्रकुमार पिता सुन्दर अहिरवार निवासी सिंहपुर जप्त सामग्री पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया बक्सा जेवरात सहित जिसमें चाँदी के आभूषण (पायल व बिछिया) एवं ?2000 नगद जप्त किये गये है । सराहनीय योगदान उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी अजयगढ़ निरीक्षक बखत सिंह ठाकुर, सउनि रावेन्द्र सिंह, प्रआर मनीष विश्वकर्मा, प्रआर शंकर प्रताप सिंह, आर. अजय पटेल, आर. शुभम शुक्ला, आर. अश्वनी कुमार एवं आर चालक पंकज सिंह का सराहनीय योगदान रहा । पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा उपरोक्त पुलिस टीम को पुरुस्कृत किये जाने की घोषणा की गई है।

केंद्रीय मंत्री के बंगले के पास मिले 43 वोटर आईडी कार्ड, कई जली हालत में, दिये जांच के आदेश

जागरण, टीकमगढ़। मंगलवार रात टीकमगढ़ जिले में उस समय हड़कंप मच गया जब सिविल लाइन रोड पर केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के सरकारी बंगले के पास से 43 वोटर आईडी कार्ड बरामद हुए। इनमें से कई कार्ड जली हुई हालत में मिले हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि इन्हें जलाने की कोशिश की गई थी। सूचना मिलते ही तहसीलदार सत्येंद्र सिंह गुर्जर, पटवारी और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और कार्ड जब्त कर लिए। तहसीलदार ने वोटर आईडी कार्ड के दुरुपयोग की संभावना जताई है।

सांसद प्रतिनिधि ने दी सूचना

को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद प्रतिनिधि विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि वह मंगलवार रात केंद्रीय मंत्री के बंगले पर पहुंचे थे। तभी उन्हें सड़क पर वोटर आईडी कार्ड पड़े नजर आए। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना तहसीलदार को दी। विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि मंत्री के बंगले के ठीक बगल में सरकारी क्वार्टर बने हैं। इन्हीं क्वार्टरों में संतोष अंबेडकर नामक कर्मचारी रहता है, जो सीएमएचओ कार्यालय में बाबू है। आरोप है कि उसके घर से एक महिला बाहर निकलकर यह कार्ड सड़क पर फेंक रही थी।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

मामले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। सड़क के दूसरी ओर स्थित एक दुकान में लगे कैमरे में एक महिला को क्वार्टर से बाहर आकर डस्टबिन में पड़े वोटर आईडी कार्ड सड़क पर फेंकते हुए देखा जा सकता है। यह स्थान सीधे केंद्रीय मंत्री के बंगले के सामने का इलाका है।

कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर विवेक श्रोतिय ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि कार्ड फेंककर जानबूझकर केंद्रीय मंत्री को बदनाम करने की साजिश रची गई है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इन कार्ड्स का स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं में कहीं दुरुपयोग तो नहीं हुआ, इसकी भी जांच हो।

जिले के ही मतदाताओं के हैं कार्ड

तहसीलदार सत्येंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि जब्त किए गए कार्ड निर्वाचन शाखा को वेरीफिकेशन के लिए सौंप दिए गए हैं। शुरुआती जांच में पुष्टि हुई है कि सभी कार्ड टीकमगढ़ जिले के मतदाताओं के ही हैं। किसने और क्यों इन कार्ड्स को सड़क पर फेंका, इसकी पड़ताल पुलिस जांच का विषय है। फिलहाल निर्वाचन शाखा के अधिकारियों को मामले की गहन जांच के निर्देश दिए गए हैं।

भूखण्ड पंजीयन के चयन के लिए लॉटरी का आयोजन 21 एवं 22 अगस्त को

जागरण, पन्ना। म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संभाग दमोह के संपदा अधिकारी आर.के. बाथम द्वारा प्राणनाथपुरम कॉलोनी पन्ना अंतर्गत विभिन्न प्रकार के भूखण्डों के पंजीयन चयन हेतु लॉटरी के संबंध में सूचित किया गया है, जिसके तहत 21 एवं 22 अगस्त को श्री जगन्नाथ स्वामी टाउन हॉल पन्ना में सुबह 11 बजे से लॉटरी संपन्न होने तक प्रक्रिया संपादित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय और पूर्व कलेक्टर अवधेश शर्मा को किया गोल्ड मेडल से सम्मान

जागरण, टीकमगढ़/भोपाल। कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में बुधवार को राज्य नीति आयोग द्वारा राज्य स्तरीय संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों के कलेक्टर्स को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। टीकमगढ़ जिले से वर्तमान कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय और पूर्व कलेक्टर अवधेश शर्मा को गोल्ड मेडल से नवाजा गया। यह सम्मान नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत सभी 6 संकेतकों में संतृप्त प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया है। टीकमगढ़ के साथ-साथ बड़वानी से कलेक्टर गुंचा सरोबर और पूर्व कलेक्टर डॉ. राहुल हरिदास फटिंग, दमोह से कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, धार से कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, खंडवा से कलेक्टर ऋषभ गुप्ता और पूर्व कलेक्टर अनूप कुमार सिंह, निवाड़ी से वर्तमान कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ और पूर्व कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, वहीं विदिशा से कलेक्टर अंशुल गुप्ता और पूर्व कलेक्टर रोशन कुमार सिंह को भी गोल्ड मेडल मिला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के कलेक्टर्स ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के जरिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, कृषि, कौशल विकास और आधारभूत सुविधाओं जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

कलेक्टर ने अपनी टीम को श्रेय : वही सम्मान मिलने के बाद टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने कहा कि यह सम्मान टीकमगढ़ जिले की पूरी टीम के अथक प्रयासों का परिणाम है। सभी विभागों के बेहतर समन्वय से जिले ने आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के छहों संकेतकों में सफलता पाई है। आने वाले समय में भी जिले को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास जारी रहेगा।

टीकमगढ़ को बड़ी उपलब्धि

टीकमगढ़ के कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय और पूर्व कलेक्टर अवधेश शर्मा को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। यह सम्मान आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के छहों संकेतकों में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए मिला।

श्री जुगल किशोर मंदिर में सुलभ दर्शन व्यवस्था के लिए कराई गई थी मंदिर हॉल में बेरीकेड्स की अस्थाई व्यवस्था

जागरण, पन्ना। शहर के श्री जुगल किशोर मंदिर में जन्माष्टमी पर्व पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं अन्य निर्धारित कार्यक्रमों के दौरान सुचारू व्यवस्थाओं के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा मंदिर परिसर में बेरीकेट्स लगवाने की व्यवस्था की गई थी। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में विभिन्न आयोजनों के सफलतापूर्वक संचालन के लिए गत एक अगस्त को धार्मिक उत्सवों के आयोजन के संबंध में मंदिर समिति के सदस्यों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न बैठक में इसका निर्णय लिया गया था। उक्त बैठक में मंदिर समिति के सदस्य एवं पदाधिकारियों से प्राप्त सुझाव के आधार पर सुलभ दर्शन व्यवस्था एवं सुरक्षा के उद्देश्य से स्टील बैरिकेड्स लगाने सहित पर्व आयोजन के लिए मंदिरों को निर्धारित राशि की स्वीकृति, श्रद्धालुओं हेतु भण्डारा प्रसाद के लिए नियत राशि तय करने, साफ-सफाई, लाइव टेलीकास्ट के जरिए जन्मोत्सव देखने की व्यवस्था, पुलिस एवं यातायात प्रबंध, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था, नकद दान की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने और मेडिकल टीम की तैनाती इत्यादि के संबंध में सहमति बनी थी, जिसके तहत प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को दायित्व सौंपकर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस संबंध में प्रभारी अधिकारी धर्मस्व शाखा द्वारा अवगत कराया गया है कि कतिपय समाचार पत्रों में बैरिकेड से अव्यवस्थाओं के संबंध में प्रकाशित खबर तथ्यपरक नहीं है एवं न

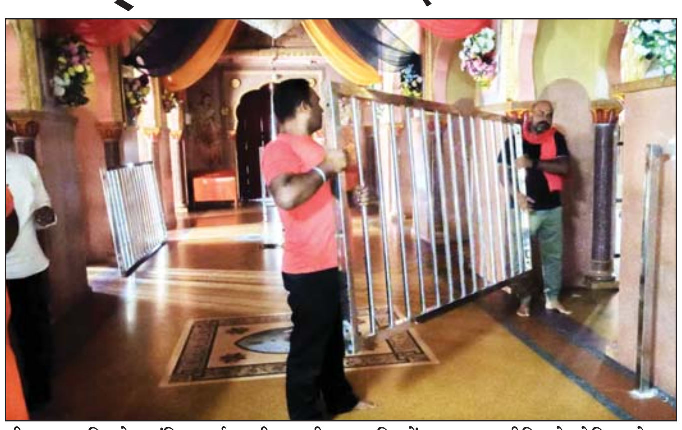

ही जुगल किशोर मंदिर दर्शन की पुरानी परंपरा समाप्त हुई है। इस अस्थायी व्यवस्था के प्रति किसी नागरिक या श्रद्धालु द्वारा भी कोई आपत्ति अथवा शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। कतिपय व्यक्तियों द्वारा राजनीति से प्रेरित होकर मिथ्या तथ्य बताकर श्रद्धालुओं को भ्रमित करने का प्रयास किया गया है। उक्त मंदिर के हॉल में अस्थाई रूप से लगवाई गई बेरीकेटिंग निकलवा दी गई है।

सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह में पन्ना को मिला कांस्य पदक

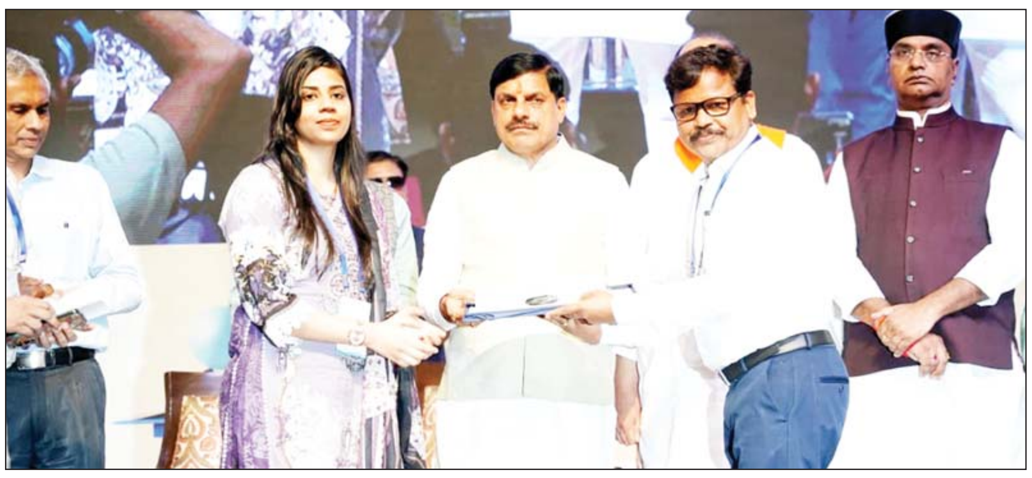

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला पंचायत सीईओ को प्रदान किया मेडल एवं प्रशस्ति पत्र

तीन संकेतकों के शत प्रतिशत सेचुरेशन पर मिली उपलब्धि

जागरण, पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आज भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेशन सेंटर में आयोजित सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी को सम्मानित किया गया। जिपं सीईओ श्री मरावी बतौर कलेक्टर प्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल हुए और टीम के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कांस्य मेडल और प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत पन्ना जिले के अजयगढ़ विकासखण्ड को आकांक्षी ब्लॉक घोषित किया गया है, जिसके तहत चार विभाग के 6 संकेतकों के आधार पर शत प्रतिशत सेचुरेशन और संपूर्णता के लिए गत वर्ष जुलाई से सितम्बर माह तक जिला कलेक्टर के निर्देशन में एवं संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के समन्वित प्रयास से अजयगढ़ ब्लॉक में यह अभियान संचालित हुआ और स्वास्थ्य विभाग के दो एवं कृषि विभाग के एक संकेतक पर शत प्रतिशत सेचुरेशन की उपलब्धि हासिल की गई। आकांक्षी ब्लॉक अजयगढ़ में हाइपरटेंशन एवं डायबिटीज के शत प्रतिशत स्क्रीनिंग सहित मृदा स्वास्थ्य परीक्षण की पूर्णता पर कांस्य पदक प्राप्त हुआ है। कलेक्टर सुरेश कुमार ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के टीम वर्क का ही नतीजा है कि संपूर्णता अभियान के अंतर्गत पन्ना जिले को ब्रांज मेडल मिला है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष नवीन साहू ने संभाली कमान, राहुल गांधी की मॉनिटरिंग में हुई नियुक्ति

जागरण, टीकमगढ़। कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष नवीन साहू ने बुधवार को स्थानीय होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने संगठन सृजन अभियान के तहत हुई नियुक्ति प्रक्रिया की जानकारी दी। नवीन साहू ने बताया कि अध्यक्षों की नियुक्ति पूरी तरह पारदर्शी रही। केंद्रीय संगठन के पर्यवेक्षकों ने सभी जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं से राय ली। इसके बाद दावेदारों की सूची केंद्रीय संगठन को सौंपी गई। इस प्रक्रिया की मॉनिटरिंग राहुल गांधी ने की और अंत में उन्होंने ही जिला अध्यक्षों की नियुक्ति का फैसला लिया।

दोबारा जिम्मेदारी मिलने का कारण : साहू ने कहा कि जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के प्रयासों की वजह से उन्हें दूसरी बार जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकाल में टीकमगढ़, खरगापुर और पृथ्वीपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने जीत दर्ज की। साथ ही 22 साल बाद टीकमगढ़ नगर पालिका चुनाव में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत हुई।

भाजपा पर साधा निशाना : पत्रकारों से बातचीत के दौरान नवीन साहू ने भाजपा शासन पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकाल में कई बड़े घोटाले सामने आए, लेकिन आज तक सुलझ नहीं पाए। उन्होंने व्यापम घोटाले और वल्लभ भवन में लगी आग के मामले को इसका उदाहरण बताया। वहीं सड़क पर मिले 43 वोटर आईडी कार्ड के मामले को भी गंभीर बताया। वही प्रेस कॉन्फ्रेंस में खरगापुर विधायक चंदा सिंह गौर, प्रदेश महासचिव किरण अहिरवार, महिला कांग्रेस अध्यक्ष पूनम जायसवाल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इसरार मोहम्मद, जिला महामंत्री संजय नायक, किसान कांग्रेस अध्यक्ष विभोर पांडे, पार्थ सिंह, राजीव जैन समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

पन्ना पुलिस द्वारा 06 घंटे के अंदर नाबालिग बालक को अतर्रा जिला बांदा उत्तर प्रदेश से किया गया सकुशल दस्तयाब

जागरण, पन्ना। अजयगढ़ क्षेत्रांतर्गत बीरा चौकी क्षेत्र से एक नाबालिक बालक के अचानक लापता होने की सूचना थाना अजयगढ़ पुलिस को प्राप्त हुई। इस संबंध में गुमशुदगी की रिपोर्ट बालक के परिजन द्वारा दिनांक 19 अगस्त 2025 को दर्ज कराई गई थी। घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन में मामले मे अपहरण का अपराध दर्ज कर एक विशेष टीम का गठन कर त्वरित कार्यवाही प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा संभावित स्थानों पर गहन खोजबीन और लगातार प्रयास किए गए। इसी दौरान चौकी प्रभारी बीरा उनि.रवि सिंह जादौन को सूचना प्राप्त हुई कि गुमशुदा बालक को अतर्रा रेलवे स्टेशन के पास देखा गया है।

वन भूमि पर अतिक्रमण के प्रयास विफल, ग्रामीणों को दी गई समझाइश

जागरण, पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमंडल के सलेहा वनपरिक्षेत्र अंतर्गत बीट बेल्हा के पी.एफ. 731 में कुछ व्यक्तियों द्वारा वन भूमि पर खेती करने का प्रयास किया जा रहा था। मुखबिर की सूचना मिलते ही वन अमला तुरंत मौके पर पहुँचा। राजस्व एवं वन सीमा तथा मुनारे स्पष्ट कर ग्रामीणों को समझाया गया और अतिक्रमण के प्रयास को विफल किया गया। इस कार्रवाई के दौरान रेंज ऑफिसर सुश्री जीतू सिंह बघेल के नेतृत्व में परिक्षेत्र सहायक देवेन्द्र गिरी, वनरक्षक उमाशंकर पाल, रवेंद्र बागरी, मनोज चौरसिया, उदय सिंगरौल एवं अन्य स्टाफ शामिल रहे। टीम द्वारा ग्रामीणों को शांतिपूर्ण ढंग से रोकते हुए भविष्य में वन भूमि पर अतिक्रमण न करने की सख्त समझाइश दी गई।

कलेक्टर ने खनिज नियमों के उल्लंघन पर की कार्रवाई

62 करोड़ रूपए से अधिक की प्रशमन राशि जमा न करने पर जमा करना होगी दोगुनी शास्ति राशि श्रीकान्त दीक्षित को पेशी तिथि एक सितम्बर को उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश

जागरण, पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने एक शिकायती आवेदन के आधार पर टिकुरिया मोहल्ला पन्ना निवासी श्रीकांत दीक्षित एवं डायमंड स्टोन क्रेशर के प्रोपराइटर को मध्यप्रदेश खनिज अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण निवारण नियम 2022 की धाराओं के उल्लंघन पर नियत प्रावधानों के तहत कार्यवाही के लिए नोटिस जारी किया है। इस संबंध में पेशी तिथि आगामी एक सितम्बर को उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं अन्यथा प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन के माध्यम से अवगत कराया कि पप्पू उर्फ श्रीकांत दीक्षित की ग्राम बिलघाड़ी तहसील गुनौर की धुवयाई पत्थर खदान में स्वीकृत क्षेत्र से बाहर उत्खनन किया जा रहा है, जिसका संचालन रोककर नाप कराई जाए तो बड़ी रॉयल्टी बनेगी। इसके अतिरिक्त गुनौर में गिट्टी क्रेशर के लिए जहां से पत्थर निकाला जा रहा है, उसमें भी स्वीकृत क्षेत्र के बाहर खोदाई की जा रही है।

जिला कलेक्टर द्वारा इस मामले में उप संचालक खनिज प्रशासन जिला पन्ना से जांच प्रतिवेदन लिया गया, जिसमें तथ्यों के आधार पर कई प्रकार की अनियमितताएं पाए जाने पर कुल प्रशमन राशि 62 करोड़ 27 लाख 92 हजार 800 रूपए जमा कराया जाना तथा राशि जमा न करने की स्थिति में दोगुनी राशि अर्थात् 1 अरब 24 करोड़ 55 लाख 85 हजार 600 रूपए शास्ति अधिरोपित किया जाना प्रस्तावित है। श्रीकांत दीक्षित द्वारा भौमिकी तथा खनिकर्म क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर की स्वीकृत माइनिंग प्लान में उल्लेखित शर्तों का भी उल्लंघन किया गया है।

जिले में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है यूरिया खाद

जागरण, पन्ना। जिला विपणन अधिकारी एस.एल. ध्रुव ने जानकारी दी कि यूरिया के लिए किसान भाईयों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। पन्ना जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद उपलब्ध है तथा खरीफ सीजन के लिए सुचारू रूप से वितरण केन्द्रों से यूरिया की बोरी का वितरण सुनिश्चित कराया जा रहा है। वर्तमान में जिले में सहकारिता विभाग में विभिन्न सहकारी समितियों के पास 1261 मीट्रिक टन और निजी क्षेत्र में 346 मीट्रिक टन अर्थात् कुल 1607 मीट्रिक टन यूरिया खाद उपलब्ध है। इसके अलावा सतना एवं झुकेही रैक से भी 670 मीट्रिक टन यूरिया खाद उपलब्ध हो रही है, जिससे निरंतर इसकी आपूर्ति बनी रहेगी। डीएमओ ने बताया कि गत वर्ष 31 अगस्त तक वितरित यूरिया के विरूद्ध इस वर्ष अब तक पिछले वर्ष से अधिक मात्रा में यूरिया का किसानों को वितरण किया गया है। टोकन व्यवस्था के जरिए सुलभ तरीके से यूरिया का वितरण किया जा रहा है। किसानों से रकबे की पुष्टि के दस्तावेज, ऋण पुस्तिका और आधार कार्ड के सत्यापन उपरांत जिले के सभी वितरण केन्द्रों से यूरिया वितरित की जा रही है। जिला विपणन अधिकारी ने जानकारी दी कि जिले में किसानों के लिए 9 नकद विक्रय केन्द्र स्थापित हैं। जिले की समितियों में भी यूरिया खाद उपलब्ध है। अब तक सहकारिता विभाग से वितरण के लिए प्राप्त 9 हजार 989 मीट्रिक टन के विरूद्ध 9 हजार 857 मीट्रिक टन यूरिया खाद का वितरण किया जा चुका है। खाद वितरण व्यवस्था में राजस्व एवं पुलिस का भी पूर्व निगरानी एवं सहयोग लिया जा रहा है।

पत्नी की हत्या कर शव इलाहाबाद में जलाकर फरार आरोपी पति व वारदात में सहभागी उसकी मां गिरफ्तार

जागरण विन्ध्यनगर

पत्नी की हत्या कर साक्ष्य छिपाने के लिए पत्नी का शव इलाहाबाद ले जाकर जलाकर फरार आरोपी पति व इस बारदात में सहभागी उसकी मां को गिरफ्तार कर किया आरोपी को न्यायालय पेश किया । आरोपी निखिल दुवे पिता स्व.किशोर कुमार दुवे् दुर्गेश्वरी दुवे पति स्व किशोर कुमार दुवे दोनों निवासी शास्त्री नगर रसूलपुर पोस्ट करैली थाना करैली जिला प्रयागराज उ.प्र. हाल पता आवास क्र.बी.167 एनटीपीसी कालोनी विन्ध्यनगर को गिरफ्तार कर किया आरोपी को न्यायालय पेश किया मनीष खत्री पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अभिषेक कुमार रंजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व पी.एस.परस्ते सीएसपी विन्ध्यनगर के मार्गदर्श पर थाना प्रभारी विन्ध्यनगर श्रीमती अर्चना द्विवेदी को कायमयाबी मिली। 17 को फरियादी सुनील कुमार दुवे पिता रामस्वरूप दुवे उम्र 70 बर्ष निवासी 6 सिविल लाइन शेकर सदन थाना कोतवाली फतेहपुर उ.प्र. सूचना दिया कि उनकी लड़की अभव्या दुवे की शादी मैने निखिल दुवे पिता स्व. किशोर कुमार दुवे निवासी शास्त्री नगर रसूलपुर थाना करैली जिला प्रयागराज उ.प्र. के साथ वर्ष 16 मे की थी। दामाद पिछले 5 वर्ष से पत्नी अभव्या दुवे पुत्री सान्वी दुवे एवं माँ दुर्गेश्वरी देवी के साथ एनटीपीसी विन्ध्यनगर मे एन एच 1बी 167 मे रहकर एल.एन.टी कम्पनी मे काम करते थे। मेरे दामाद एवं उसकी माँ द्वारा मेरी पुत्री को विवाह के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित करते थे । 16 को सुबह 04.30 बजे मेरी माँ के पास लड़की अभव्या दुबे की सास दुर्गेश्वरी देवी का फोन आया कि आपकी नातिन गिर कर मर गयी है । आप लोग को देखना है तो प्रयागराज आ जाओ तब यह अपने छोटा भाई एवं दो लड़कों के साथ शास्त्री नगर थाना करैली जिला प्रयागराज अपनी लड़की की ससुराल पहुचे तो देखे कि घर पर ताला लगा था । आस पास के लोगो बताये कि लगभग 4 माह से ये लोग यहा पर नहीं रह रहे हैं । उसके बाद यह अपने दामाद एवं दुर्गेश्वरी देवी के मोबाइल नम्बर पर फोन लगाया तो दोनों नम्बर लगातार बंद थे । इसके बाद सिंगरौली आकर एनटीपीसी विन्ध्यनगर के एनएच.1 बी.167 में जाकर देखा वहां भी ताला बंद मिला है । इन्हें आशंका है कि इनकी बेटी अभव्या दुवे को दामाद एवं उसकी माँ ने एनटीपीसी विन्ध्यनगर के एनएच.1 बी.167 मे कैद करके या मार करके ताला बंद करके फरार हो गये है। उक्त सूचना पर अभव्या दुबे की गुमशुदगी दर्ज कर तत्काल न्यायालय से सर्च वारंट प्राप्त करके आवास एनएच.1 बी.167 तलाश किया गया पर गुमशुदा या परिवार के सदस्य एवं अन्य कोई संदिग्ध वस्तु आपत्तिजनक वस्तुएं प्राप्त नहीं हुई। इसके बाद गुमशुदा का पति निखिल दुबे के पास व्हाट्सऐप कॉलिंग करके सूचना दिया कि पत्नी की मृत्यु होने पर शंकर घाट में इलेक्ट्रिक शवदाह गृह मे मशीन से जला कर अंतिम संस्कार कर दिया गया है । उक्त सूचना की तस्दीक हेतु एवं आरोपी की तलाश पत्तासाजी हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार तत्काल एक टीम गठित कर रवाना की गई है । जिसके फलस्वरूप कल संदेही निखिल व उसकी माँ दुर्गेश्वरी देवी शास्त्रीनगर थाना करैली जिला प्रयागराज उत्तर प्रदेश में मिले । पूछताछ पर गुनशुदा का पति निखिल दुबे इलेक्ट्रिक शव दाहघृह शंकर घाट की पावती प्रस्तुत किया जिसके आधार पर मर्ग इंटीमेशन लेख कर दोनों को साथ में थाना विन्ध्यनगर लाये । गुम इंसान जांच पर आये साक्ष्यों के आधार पर यह पाया गया कि 15 की रात 9 बजे गुमशुदा अभव्या दुबे से उसका पति निखिल दुबे पानी मांगा पानी नहीं मिलने पर किचन में पत्नी अभव्या दुबे को हाथ झापड़ मुक्का से मारपीट करते हुए किचन के प्लेटफार्म में उसका सिर पटक कर निखिल दुबे ने उसकी मृत्यु कारित कर दी गई। निखिल दुबे की उसकी माँ दुर्गेश्वरी देवी भी इसको मारने से मना नहीं की बल्कि लाश को ठिकाने लगाने के लिए अंतिम समय पर सहयोग करती रही । अभाव्या दुबे की मृत्यु के बाद निखिल दुबे अपनी माँ एवं बच्ची को अपनी कार में आगे की सीट में बैठाया एवं मृत्तिका गुमशुदा अभव्या दुबे को कम्बल में लपेट कर कार के पीछे की सीट पर डाल दिया । सीसीटीवी से बचने के लिए उसने कार की कांच में भी पर्दा लगा रखा था । प्रयागराज जाकर शंकर घाट में इलेक्ट्रानिक शव दाहग्रह में अंतिम संस्कार कर राख फूल गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया। मृतिका के परिजनों सूचित कर स्वयं अपना फोन बंद करके चुपचाप साक्ष्य को मिटाने के उद्देश्य से अकेले ही अंतिम संस्कार कर दिया एवं दोनों ने मिलकर सम्पूर्ण साक्ष्य को नष्ट कर दिया जिस पर मृतिका के पति निखिल दुबे व सास दुर्गेश्वररी देवी के विरुद्ध अपराध धारा 103/1 383/5 बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । दौरान विवेचना मृतिका के पति व सास से घटना के संबंध में पूछताछ की गई जिनके द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार किया गया तब दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया । आरोपिया दुर्गेश्वरी देवी को न्यायालय के आदेश से जिला जेल पचौर दाखिल किया गया एवं मृतिका के पति निखिल दुबे को प्रयागराज ले जाकर घटना से संबंधित अन्य समस्त साक्ष्य एकत्रित किए जाने हेतु पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है । उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक अर्चना द्विवेदी थाना प्रभारी विन्ध्यनगर उनि. पवन सिंह उनि. प्रियंका मिश्रा उनि अभिषेक पाण्डेय सउनि अरविंद द्विवेदी प्र.आर.पंकज सिंह प्र.आर संदीप सिंह नितिन गौतम मोनिंद्र राणा आरक्षक भोले लोधी महेश पटेल की सराहनीय भूमिका रही।

जिले में अवैध कबाड़ कारोबार पर पुलिस का प्रहार एक साथ की गई व्यापक छापामार कार्रवाई

जागरण बैढ़न। जिले में चोरी के सामान की खरीद.फरोख्त पर अंकुश लगाने एवं अवैध कबाड़ व्यापार पर नियंत्रण हेतु सिंगरौली पुलिस की सख्त कार्रवाई की गई पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत एवं पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा क्षेत्र राजेश सिंह चंदेल व पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के कुशल मार्गदर्शन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक रंजन के पर्यवेक्षण एवं एसडीओपी के नेतृत्व में जिले में अवैध रूप से संचालित कबाड़ दुकानों पर एक साथ सघन एवं सुनियोजित छापेमार कार्रवाई की गई। जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में एक ही समय पर पुलिस टीमों ने दबिश देकर कबाड़ दुकानों की गहन जांच की। इस दौरान लोहे स्टील प्लास्टिक टिन इलेक्ट्रॉनिक कबाड़ सहित स्टॉक रजिस्टर जीएसटी बिल एवं अन्य दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की गई। पुलिस को कई दुकानों से आवश्यक दस्तावेजों की अनुपलब्धता स्टॉक में अनियमितताएं तथा संदिग्ध वस्तुएं मिलने की जानकारी प्राप्त हुई है। कई स्थानों पर चोरी की आशंका वाले सामान भी पाए गए जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस की कार्रवाई विभिन्न स्थानों पर चोरी की सामग्री जब्त मे थाना मोरवा पुलिस द्वारा रेड कार्यवाही के दौरान गिरीश गुप्ता के भूसामोड स्थित गोदाम से 7 नग हाईवा गाड़ी के लोहे के रिम1 नग हाईवा गाड़ी का कमानी सेट जिसमें 14 नग लोहे की पट्टियाँ लगी हुईकुल कीमत लगभग 1,85,000/. का अवैध सामान बरामद किया गया। चौकी गोरबी क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान जब्त किया गया एक पुराना समरसिबल विद्युत पम्प रंगीन मोटर पंखा चार पहिया वाहन का पुराना रेडिएटर कीमत लगभग 15,500/ थाना सरई पुलिस द्वारा कार्यवाही में बरामद फेसिंग जाली फोटो कॉपी मशीन कार के 3 नग दरवाजे लोहे की सरिया 100 नग रिंग कार की बैटरी कार का रिम वाहन का कमानी समरसिबल मशीन सेंट्रिंग प्लेट विद्युत केबल व अन्य सामग्री कुल कीमत लगभग 50,000/ थाना बरगवां पुलिस की कार्रवाई में बरामद . 2 नग साइकिल1 नग साइकिल का फ्रेम बोरिंग मशीन का बीट हाईवा का प्रेशर ब्रेकतांबा एवं एल्युमिनियम के तार कुल कीमत लगभग 32,000/ थाना जियावन क्षेत्र में संचालित कबाड़ की दुकानों पर पुलिस टीम द्वारा रेड कार्यवाही की गई। जांच के दौरान विभिन्न कबाड़ की दुकानों से करीब 20,000 मूल्य का कबाड़ बरामद किया गया। बरामद समस्त सामग्री प्रथम दृष्टया चोरी की संपत्ति प्रतीत होने से संबंधित धाराओं के अंतर्गत जप्त कर थाना लाया गया है। आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जा रही है एवं अग्रिम विवेचना जारी है।

सरपंच कोरसर के नेतृत्व में सुकन्या योजना का खोला गया खाता

बच्चों को पुरस्कृत कर बढ़ाया गया उत्साहवर्धन

जागरण सरई। चितरंगी तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत क्षेत्र कोरसर के सरस्वती विद्यालय में शासन द्वारा चलाई जा रही सुकन्या समृद्धि योजना अंतर्गत 0 से 10 वर्ष के बच्चियों का खाता खोला गया है। जिससे गरीब परिवार को काफी संबल प्रदान होती है। शासन द्वारा चलाई गई सुकन्या योजना मे छोटी.छोटी राशि जमा करनी पड़ती है। जो बाद में एक मुस्त राशि प्राप्त होता है एवं जब सुकन्या की राशि 18 वर्ष बाद जब निकाली जाती है तब पठन पाठन एवं शादी विवाह में बच्चियों के अभिभावकों को एक मुस्त राशि जो सहयोग के रूप में मिलती है वह राशि एक ऐतिहासिक राशि मानी जाती है जिससे अभिभावकों को बहुत ही मदद मिलती है । कोरसर सरपंच ने सुकन्या योजना की पहली राशि देने की बात कहीं उन्होंने कहीं की मेरी दो बेटियां है मैं अपनी दो बेटियां का भी सुकन्या योजना में खाता खुलवाई हूं। उन्होंने विद्यालय के सभी शिक्षकों से कहीं कि पठन.पाठन में बच्चों की भविष्य के देखते हुए अच्छी शिक्षा व्यवस्था दें किसी प्रकार की कमी होने पर सरपंच का दायित्व होने के नाते मुझे अवगत कराएं। सरपंच ने बच्चों को पानी बाटल ड्राइंग बॉक्स देकर उत्साहवर्धन किया। एवं उनके मनोबल को ऊंचीं उड़ान दीं। उक्त कार्यक्रम में सचिन सिंह चंदेल समाजसेवी योगेश जायसवाल संयोजक रामदयाल यादव पोस्टमैन श्रीकांत तिवारी प्रधानाचार्य एवं सरस्वती विद्यालय के आचार्य गण के साथ.साथ ग्रामीणजन उपस्थित रहे हैं।

8 विभागों में ऊर्जांचल विभाग को सर्वाधिक स्वर्ण पदक

जागरण विन्ध्यनगर। महाकोशल प्रान्त का 36वॉ प्रान्तीय खेल प्रतियोगिता जो बीवा क्लब एवं अम्बेडकर स्टेडियम विन्ध्यनगर में आयोजित हुआ का समापन विद्यालय प्रांगण में हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मुद्रिका प्रसाद दुबे ने अतिथियों को तुलसी का पौधा एवं श्रीफल प्रदान कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। महाकोशल प्रान्त के 8 विभागों से कुल 269 प्रतिभागी शामिल हुये। 8 विभागों में ऊर्जांचल विभाग को सर्वाधिक स्वर्ण पदक प्राप्त हुये एवं इस कड़ी में सागर विभाग दुसरे स्थान पर रहा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मोहित अवधवालए सहव्यवस्थापक बभनीबंजर मंडला एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती गायत्री श्रीवास्वत ने की। श्रीमती श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में खेल के महत्व को समझाया एवं विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामना दीं।

CHANGE OF NAME

I, Famida Khatoon W/o Md. Ajahar, D.O.B. 01/01/1976, aged 49 years, resident of H.No. 160, Ward No. 03, Main Road, Near New Sabji Mandi, Singrauli, Post–Singrauli Colliery, Teh. & Distt.–Singrauli (M.P.) – 486889, do hereby solemnly affirm and declare as under:That I am a permanent resident (domicile) of the above-mentioned address.That in my Aadhaar Card, my name has been wrongly entered as "Hamida" and surname as "Khatun" due to typographical/clerical error.That my correct name is "Famida" and my correct surname is "Khatoon".That I declare my name to be read and corrected from "Hamida Khatun" to "Famida Khatoon" in all records, including Aadhaar Card.That this affidavit/public notice is issued for the purpose of rectifying my name and surname.

संकलनकर्ता- लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी, छतरपुर

शुभमन की टी-20 में वापसी के बाद सभी प्रारूपों में एक कप्तान होना तय

2024 में आखिरी बार खेला था इस फॉर्मेट में मैच, 2027 विश्व कप और ओलंपिक 2028 में संभाल सकते हैं कमान

जेएनएन, नई दिल्ली

विश्व कप से महज छह महीने पहले शुभमन गिल को टी-20 टीम का उपकप्तान बनाए जाने से साफ है कि भारतीय क्रिकेट निकट भविष्य में हर प्रारूप के लिए एक ही कप्तान की अपनी जांची परखी नीति पर ही भरोसा करने जा रहा है। रोहित शर्मा अभी भी वनडे कप्तान है और टी-20 विश्व कप में सूर्यकुमार यादव भारत की कप्तानी करेंगे, लेकिन 'युवराज' गिल की भारतीय क्रिकेट के नए 'किंग' के तौर पर ताजपोशी में महज छह महीने का समय बाकी है। 25 साल के गिल ने अपना पिछला टी-20 अंतरराष्ट्रीय 2024 में पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। मुख्य कोच गौतम गंभीर और मौजूदा चयन समिति कप्तानी के मसले पर एकमत हैं। ऐसे में फिट और उपलब्ध होने पर गिल दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे में होने वाले 2027 विश्व कप और लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में भारत की कप्तानी कर सकते हैं। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने हर प्रारूप में एक कप्तान के सवाल का जवाब नहीं दिया, लेकिन शीर्ष क्रम में गिल की मौजूदगी के बारे में उन्होंने कहा कि इंग्लैंड में गिल के अच्छे प्रदर्शन की हम सभी को उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने अपेक्षा से भी बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि शीर्षक्रम के लिए इस समय कुछ विकल्प है और शुभमन शानदार फॉर्म में भी है। दुबई में विरोधी टीम और हालात को देखकर अंतिम एकादश का चयन होगा।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में रहा शानदार प्रदर्शन

टी-20 कर चुके कप्तानी

2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर गई, जहां गिल को कप्तान बनाया गया। इस दौरे के बाद श्रीलंका में हुई अगली सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान और गिल को उप कप्तान बनाया गया। बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ व्यस्त कार्यक्रम की वजह से गिल को टी-20 टीम में मौका नहीं मिला। इस कारण अक्षर पटेल को उप कप्तान बनाया गया।

इस साल मई में टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने संन्यास ले लिया, जिसके बाद शुभमन गिल को टीम इंडिया का नया टेस्ट कप्तान बनाया गया। इंग्लैंड के खिलाफ पहली ही सीरीज में उन्होंने इस मौके को भुनाया और टीम को पांच मैचों की सीरीज में दो मुकाबले जिताए। शुभमन ने बैट से भी अपना फॉर्म साफ जाहिर कर दिया और 750 रन बना दिए। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड में सीरीज 2-2 से ड्रॉ हुई। इंग्लैंड सीरीज के साथ उन्होंने दिखा दिया कि वे लंबे समय तक इस फॉर्मेट में टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं।

संजू सैमसन की अंतिम एकादश में राह मुश्किल

एशिया कप टीम चयन को बारीकी से देखें तो संजू सैमसन के लिए खबर अच्छी नहीं है, चूंकि उनका एशिया कप में अंतिम एकादश में जगह बनाना मुश्किल लग रहा है। टी-20 विश्व कप में रिषभ पंत फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध होंगे, लिहाजा सैमसन के लिए जगह बनाना मुश्किल हो जाएगा। सैमसन को शीर्ष तीन क्रम पर ही बल्लेबाजी रास आती है, जहां उनके लिए जगह बनना मुश्किल है। अभिषेक शर्मा का क्रम लगभग तय लग रहा है और बायां दायां संयोजन होने पर दूसरे छोर पर गिल होंगे। गुजरात टाइटंस के कप्तान गिल ने पिछले आईपीएल में 150 से अधिक की औसत से 600 से अधिक रन बनाए थे। सैमसन को अंतिम एकादश में शामिल करने के लिए तिलक वर्मा को बाहर करना होगा, लेकिन तिलक बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जो आफ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं और उनकी फील्डिंग शानदार है। सैमसन को उतारने का मतलब है कि तीसरे से पांचवें नंबर पर दाहिने हाथ के ही बल्लेबाज (सैमसन, सूर्य और हार्दिक पंड्या) होंगे, जिससे बल्लेबाजी संयोजन एकआयामी लगेगा।

वनडे रैंकिंग : कुलदीप तीसरे स्थान पर खिसके, महाराज फिर शीर्ष पर

टॉप-10 बल्लेबाजों में गिल, रोहित, विराट और अय्यर

जेएनएन, दुबई

भारत के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव बुधवार को जारी गेंदबाजों की नवीनतम आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। महाराज ने केर्न्स में तीन मैच की सीरीज के पहले वनडे में अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया पर 98 रन से जीत दिलाने के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए बाएं हाथ के 35 साल के स्पिनर महाराज ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 33 रन देकर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने कुलदीप और श्रीलंका के महेश तीक्षणा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराज इससे पहले नवंबर और दिसंबर 2023 में कुछ समय के लिए शीर्ष पर थे। कुलदीप के अलावा रविंद्र जडेजा एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं, जो गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं। भारतीय टीम ने चैंपियन्स ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद से कोई वनडे मैच नहीं खेला है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाने में सफल रहे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच की सीरीज के आखिरी मैच में 18 रन देकर छह विकेट लिए थे। वह 15 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद (15 पायदान के फायदे से 39वें स्थान पर) और वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर रोस्टन चेस (पांच पायदान के फायदे से 58वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़ने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन गिल 784 अंक के साथ शीर्ष और रोहित शर्मा 756 अंक के साथ दूसरे नंबर पर हैं। विराट कोहली (736) चौथे और श्रेयस अय्यर (704) छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप नौवें स्थान पर हैं।

टी-20 : शीर्ष 10 में चार भारतीय बल्लेबाज

पुरुषों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे और यशस्वी जायसवाल 10वें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस सुधार जारी रखते हुए नौ स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्श और ग्लेन मैक्सवेल क्रमशः चार और 10 स्थान की छलांग लगाकर 25वें और 30वें स्थान पर हैं। टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस (तीन स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) और जोश हेजलवुड (दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) ने महत्वपूर्ण सुधार किया है।

खेल एक नजर

गुकेश की अब्दुसत्तोरोव पर जीत के साथ वापसी, प्रज्ञाननंदा ने बांटे अंक

सेंट लुई (अमेरिका), जेएनएन। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शुरुआती दौर की असफलता को पीछे छोड़ते हुए सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में उज्बेकिस्तान के पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर शानदार जीत दर्ज की। पहले दौर में अपने साथी भारतीय खिलाड़ी गुकेश को हराने वाले आर प्रज्ञाननंदा ने दूसरे दौर में अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ अंक बांटे। एक अन्य मैच में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिस्तटॉफ को हराया। अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने हमवतन सैमुअल सेवियन के साथ ड्रॉ खेला और संयुक्त बढ़त बनाए रखी। एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने 10 खिलाड़ियों के 3,75,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला। अब जबकि सात दौर का खेल होना बाकी है, तब प्रज्ञाननंदा, अरोनियन और फिरोजा 1.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। गुकेश, कारूआना, वेस्ली सो, सेवियन और वाचियर-लाग्रेव संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप में भारत की महिला टीम ने नेपाल को 7-0 से हराया

थिम्पू, जेएनएन। भारत ने नीरा चानू लोंगजैम, अभिष्ठा बेसनेट और अनुष्का कुमारी के दो-दो गोल की मदद से सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिप के अपने पहले मैच में नेपाल को 7-0 से रौंद दिया। भारत की ओर से नीरा (25वें और 56वें मिनट), अभिष्ठा (16वें और 41वें मिनट) और अनुष्का (37वें और 62वें मिनट) ने दो-दो गोल दागे, जबकि कप्तान जूलन नोंगमेथेम ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में एक गोल किया। भारतीय टीम मध्यांतर तक 5-0 से आगे थी।

सऊदी क्रिकेट महासंघ और अमेरिकी लीग के बीच करार

ह्यूस्टन, जेएनएन। सऊदी अरब क्रिकेट महासंघ (एसएसीएफ) और डलास स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए जमीनी स्तर पर क्रिकेट को मजबूत करने और खिलाड़ियों के लिए सुगम राह तैयार करने के लिए साझेदारी की घोषणा की है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों से क्रिकेट 128 वर्ष बाद इस खेल महाकुंभ में वापसी करेगा। यह साझेदारी स्कूल और सामुदायिक कार्यक्रमों, कोचिंग और अंपायरिंग प्रमाणन, तकनीकी विशेषज्ञता के आदान-प्रदान और उत्तरी अमेरिका में एनसीएल कार्यक्रमों के माध्यम से सऊदी अरब के खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर केंद्रित होगी। इनमें कॉलेजिएट क्रिकेट लीग और पाथ टू क्रिकेट प्रो टैलेंट हंट शामिल हैं, जिनका उद्देश्य अगली पीढ़ी के पेशेवर खिलाड़ियों को तैयार करना है। एनसीएल के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने कहा, यह क्रिकेट के प्रति साझा जुनून और इसके भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण वाले दो देशों को जोड़ने वाला सेतु है।

एशिया कप : भारतीय हॉकी टीम में लाकड़ा और दिलप्रीत को जगह

29 अगस्त से बिहार के राजगीर में टूर्नामेंट, टीम के कप्तान होंगे हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली, जेएनएन। पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए बुधवार को भारत की 18 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। टीम में फॉरवर्ड शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह ने जगह बरकरार रखी है। यह टूर्नामेंट बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से सात सितंबर तक खेला जाएगा, जिसके विजेता को अगले साल एफआईएच पुरुष विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलेगा, जो 14 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होना है। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह टीम के कप्तान हैं। राजिंदर सिंह, लाकड़ा और दिलप्रीत ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा थे। राजिंदर को शमशेर सिंह की जगह चुना गया, जबकि लाकड़ा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहने वाले ललित उपाध्याय की जगह ली है। दिलप्रीत को गुरजंत सिंह पर तरजीह मिली है। स्ट्राइकर ललित उपाध्याय ने जून में एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया था।

टीम इंडिया पूल-ए में

भारत को एशिया कप में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ पूल-ए मिला है। भारतीय टीम 29 अगस्त को चीन के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि हमने अनुभवी टीम चुनी है। विश्व कप क्वालिफिकेशन को देखते हुए एशिया कप हमारे लिए महत्वपूर्ण है, लिहाजा हमें दबाव में अच्छा खेलने वाले खिलाड़ी चाहिए।

भारतीय टीम : गोलकीपर : सूरज करकेरा, कृशन बी पाठक डिफेंडर : हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह मिडफील्ड : मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह रिजर्व खिलाड़ी : नीलम संजीप सेस और सेल्वम कार्ति।

एशियाई चैंपियनशिप : अनंत ने जीता स्वर्ण सौरभ और सुरुचि की जोड़ी को कांस्य पदक

शिमकेंट (कजाखस्तान), जेएनएन। भारतीय निशानेबाज अनंत जीत सिंह नरुका ने बुधवार को स्कीट फाइनल में कुवैत के मंसूर अल रशीदी को हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले दिन में सौरभ चौधरी और सुरुचि इंदर सिंह की भारतीय जोड़ी ने चीनी ताइपे को हराकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग का कांस्य पदक जीता। नरुका फाइनल में एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन अल रशीदी को 57-56 से हराकर पोडियम पर शीर्ष पर रहे। कतर के अल-इशाक अली अहमद ने 43 अंक से कांस्य पदक जीता। 27 साल के नरुका चैंपियनशिप के 2023 चरण में टीम स्वर्ण और मिश्रित टीम स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। उन्होंने पांच दौर के बाद 119 अंक से दूसरे स्थान से फाइनल के लिए क्वालिफाई किया, जबकि कुवैत के अब्दुलअजीज अलसाद 120 अंक से फाइनल में सबसे आगे रहे। अल रशीदी 119 अंक से क्वालिफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहे।

कोचिंग से नई पारी खेलना चाहते हैं इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रॉड

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड कोच की भूमिका निभाने की योजना बना रहे हैं, जहां वह एक दिन जोफ्रा आर्चर और जिमी एंडरसन जैसे गेंदबाज तैयार कर सकें। टेस्ट क्रिकेट में अपने हमवतन एंडरसन के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज ब्रॉड ने कहा कि उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के प्रबंध निदेशक रॉब की से बात की है और अंडर-17 तथा अंडर-19 खिलाड़ियों को तैयार करने की इच्छा व्यक्त की है। टेस्ट क्रिकेट में 604 विकेट लेने वाले ब्रॉड ने द टेलीग्राफ से कहा कि निश्चित रूप से मैं कोचिंग से जुड़ना चाहता हूं। मैंने रॉब की से इस बारे में बात की है कि जब कार्यक्रम अनुकूल हो तो मैं इंग्लैंड की टीम में युवा गेंदबाजों के साथ काम करना चाहता हूं।

सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार जीता पीएफए प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड

कैलेन्टी इंग्लिश फुटबॉल के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

लंदन, जेएनएन। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह और आर्सेनल की मिडफील्डर मैरियोना कैलेन्टी को प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन (पीएफए) पुरस्कारों में पिछले सत्र के लिए इंग्लिश फुटबॉल में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी चुना गया।

इस पुरस्कार के लिए इंग्लैंड में खेलने वाले साथी पेशेवर खिलाड़ी मतदान करते हैं। सालाह ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले सलाह उन सात खिलाड़ियों में से एक थे, जिन्होंने दो बार यह पुरस्कार जीता था। मिस्र के इस 33 साल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने प्रीमियर लीग में 29 गोल किए, जिसकी बदौलत लिवरपूल ने रिकॉर्ड 20वीं बार चैंपियनशिप जीती। सालाह ने इस वर्ष के शुरू में तीसरी बार फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन का फुटबॉलर ऑफ द ईयर पुरस्कार भी जीता था। महिला वर्ग में 29 साल कैलेन्टी ने आर्सेनल के साथ अपने पहले सत्र में शानदार प्रदर्शन किया और सभी प्रतियोगिताओं में 19 गोल किए।

■ एस्टन विला के मिडफील्डर मॉर्गन रोजर्स को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष युवा खिलाड़ी चुना गया, जबकि सबसे अधिक कीमत पर आर्सेनल से जुड़ने वाली कनाडा की स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने महिला वर्ग में यह पुरस्कार हासिल किया।

ओलिविया स्मिथ कैलेन्टी

ला लिगा : एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदला, रियाल मैड्रिड को जीत दिलाई

मैड्रिड, जेएनएन। कालियान एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेजबान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे। रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। ओसासुना नौवें स्थान पर रहा था।

चार साल बाद आनंद का सामना कास्पोरोव से, वर्ल्ड चैंपियन गुकेश की टक्कर विश्व नंबर एक कार्लसन से

क्लच शतरंज नुमाइशी मैच

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद अमेरिका के सेंट लुईस में अक्टूबर में होने वाले क्लच शतरंज नुमाइशी मैच में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रहे रूस के गैरी कास्पोरोव से खेलेंगे, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश की टक्कर मैग्नस कार्लसन से होगी। कास्पोरोव और आनंद की टक्कर आखिरी बार 2021 में क्रोएशिया रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में जगरेब में हुई थी, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने जीत दर्ज की। दोनों के बीच 82 मुकाबले हो चुके हैं, जिनमें से 30 ड्रॉ रहे और जीत के मामले में कास्पोरोव का दबदबा रहा। सेंट लुईस शतरंज क्लब ने कहा कि दो पूर्व विश्व चैंपियन गैरी कास्पोरोव और विश्वनाथन आनंद विशेष क्लच शतरंज (लीजेंड्स) नुमाइशी मैच (सात से 11 अक्टूबर) में आमने सामने होंगे। इसमें कहा गया कि यह नुमाइशी मैच क्लब की नई सुविधा में आयोजित होने वाला पहला मैच होगा। इसमें 1,44,000 डॉलर इनामी राशि होगी, जो दोनों दिग्गजों के बीच 12 मुकाबलों के शतरंज 960 मैचों (फिशर रैंडम) में दी जाएगी। मुकाबले रैपिड और ब्लिट्ज टाइम कंट्रोल में खेले जाएंगे। इसके बाद 4,12,000 डॉलर इनामी राशि का क्लच शतरंज चैंपियनशिप शोडाउन 27 से 29 अक्टूबर तक होगा, जिसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन, दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी हिकारू नकामूरा, तीसरे नंबर के फेबियानो कारूआना और गुकेश भाग लेंगे।

सिटी स्पोर्ट्स

स्केटिंग में भोपाल के खिलाड़ियों ने जीते सात स्वर्ण, शुभम को दो गोल्ड

भोपाल, खेप्र। शहर के विभिन्न स्कूल के खिलाड़ियों ने सीबीएसई वेस्ट जोन स्केटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 14 पदक अर्जित किए। इसमें सात स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। यह सभी खिलाड़ी अमर रोलर स्केटिंग ऑर्गनाइजेशन में प्रशिक्षत हैं। चैंपियनशिप में शुभम गुप्ता ने दो स्वर्ण, ओजस राणा ने एक स्वर्ण व एक रजत, श्रेयांश तिवारी ने एक स्वर्ण व एक कांस्य, ओजस सोनी ने एक स्वर्ण व एक कांस्य जीता। अंजनेय कश्यप और जतिन पुनिया ने एक-एक स्वर्ण पदक हासिल किया। आयजा एक्का ने एक रजत व एक कांस्य प्राप्त किया। अक्षदा कश्यप और अनिकेत शर्मा ने क्रमशः एक रजत व एक कांस्य पदक जीता। सभी खिलाड़ी स्केटिंग कोच अमर भटकर एवं अनिल भटकर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

पहले खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में मध्यप्रदेश के 44 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

जम्मू कश्मीर के डल लेक में आज से शुरू होगा फेस्टिवल

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के 44 खिलाड़ी जम्मू कश्मीर के डल लेक में पहले खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में हिस्सा लेंगे। यह खेल 21 से 23 अगस्त तक तीन दिनों तक चलेंगे। स्पोर्ट्स फेस्टिवल में मध्यप्रदेश का 54 सदस्यीय दल हिस्सा लेगा, जिसमें 44 खिलाड़ी और 10 सहायक स्टाफ शामिल है। मप्र वॉटर स्पोर्ट्स रोइंग अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक दलबीर सिंह भी इस दल में शामिल हैं। प्रतियोगिता 05 खेलों रोइंग, क्याकिंग कनोइंग (पदकीय स्पर्धा) और वॉटर स्कीइंग, ड्रैगन बोट, शिकारा स्प्रिंट (डेमो खेल) में शामिल किए गए हैं। आयोजन में देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 400 खिलाड़ी प्रतिभागिता कर रहे हैं।

दो खेलों में हिस्सा लेंगे खिलाड़ी

खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल का आयोजन तीन खेलों में किया जा रहा है, जिसमें मप्र के खिलाड़ी दो खेलों रोइंग और क्याकिंग-केनोइंग में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

■ रोइंग खेल के बालक एवं बालिका वर्ग के सिंगल स्कल, डबल स्कल, कॉक्सलेस पेयर, कॉक्सलेस फोर लाइट वेट डबल स्कल में 10 बालक एवं 11 बालिका सहित 21 खिलाड़ी है।

■ क्याकिंग-केनोइंग में के-1 1000 मी., के-2, के-4 500 मी., सी-1 1000मी, सी-2 500 मी., स्लालम के-2 स्लालम सी-1 के 12 बालक एवं 11 बालिका सहित कुल 23 खिलाड़ी है।

खो खो : राशी, रुमेशा व वर्तिका करेंगी भोपाल का प्रतिनिधित्व

भोपाल, खेप्र। राशी खूबचंदानी, रूमेशा अहमद और वर्तिका खंडेलवाल अंतर जिला शालेय खो खो स्पर्धा में भोपाल जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल की यह तीनों खिलाड़ी मंडीदीप में होने वाली इस प्रतियोगिता में अंडर-14 वर्ग में हिस्सा लेंगी। विद्यालय के खेल शिक्षक विष्णु कांत सहाय टीम के प्रशिक्षक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह इन छात्राओं के द्वारा विगत 3 वर्षों से लगन के साथ किया जा रहे मेहनत का प्रतिफल है।

दैनिक जागरण
12
रीवा, 21 अगस्त, 2025
सतना जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

फैटी लीवर परीक्षण शिविर आज

सतना। फैटी लीवर एवं अन्य परीक्षण व परामर्श शिविर का निःशुल्क आयोजन आज भरहुत नगर में संचालित आन्या हेल्थ केयर में किया जायेगा। उक्त संबंध में जानकारी देते हुये संचालक डॉ अखिलेश सिंह एवं डॉ नीतू सिंह ने बताया कि 21 अगस्त को 10 बजे दिन से दोपहर दो बजे तक निःशुल्क रूप से फैटी लीवर एवं अन्य परीक्षण किये जाने है। डॉ द्वय ने बताया कि बीपी सुगर सहित अन्य तरह की निःशुल्क जांचे भी की जायेगी।

स्टाक होने पर भी उर्वरक नहीं बांटने वाली समितियों को नोटिस

सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने अबेर, कोटर एवं रामपुर बघेलान तहसील की समितियों में खाद पहुंचने के बाद भी गत तीन दिनों से वितरण नहीं करने की शिकायत को गंभीरता से लिया है। उन्होंने उप पंजीयक सहकारिता को ऐसी सभी समितियों को नोटिस जारी कर कार्यवाही करने को कहा है। कलेक्टर ने कहा कि सुनिश्चित करें कि कल तक जिन समितियों में खाद का स्टाक उपलब्ध है वे किसानों को खाद का वितरण अविलम्ब रूप से कराये।

जमीनी विवाद के चलते महिला की हत्या

सिंहपुर थाना क्षेत्र के कुडियॉ नवस्ता गांव की बताई जा रही घटना

जागरण सतना

जमीनी के चलते दो पक्षो में मारपीट हो गई जिसके चलते कुल्हाडी लगने से एक आदिवासी महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। सिंहपुर पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। जबकि दो अभी फरार बताये जा रहे है जिनकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। यह घटना सिंहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुडियॉ नवस्ता गांव की बताई जा रही है। घटना बुधवार की सुबह 10 से 11 बजे की बीच की बताई गई है। घटना में रामप्यारी आदिवासी पत्नी दिनेश आदिवासी उम्र 40 वर्ष की मौत हुई है जबकि दिनेश आदिवासी को भी चोटे आई है। वहीं दूसरे पक्ष से दुर्घट कोल को भी चोटे लगी है। जिसका उपचार किया जा रहा है।

ये है मामला

बताया जाता है कि आदिवासी समुदाय के दोनो पक्ष उस समय भीड गये जब भवन निर्माण की नीव खोदने को लेकर विवाद बढ गया। बताया जाता है कि दिनेश को पीएम आवास की राशि मिली थी जिससे वह सरकारी जमीन पर मकान बनाने के लिए नीव खोदने की तैयारी में था उसी दौरान लालू कोल, मुकेश कोल, दुर्घट कोल आदि ने हमला बोल दिया घटना में जहां महिला राम प्यारी की मौत हुई है वहीं दुर्घट को भी चोटे आई।

ये आरोपी गिरफ्तार

सिंहपुर थाना प्रभारी अजय अहिरवार ने बताया कि घटना को अंजाम देने वाले जिन तीन आरोपियों को हिरासत में लिया गया है उसमें लालू कोल , मुकेश कोल और दुर्घट कोल का नाम शामिल है जबकि दो अभी फरार है जिनकी तलाश की जा रही है।

गुणवत्ता में नहीं होगा कोई समझौता

महापौर ने निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुये दिये निर्देश

जागरण सतना। बुधवार को महापौर योगेश ताम्रकार ने निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुये तकनीकी अमले को शख्त हिदायत दी है। उन्होने कहा है कि होने वाले निर्माण कार्यो में गुणवत्ता के साथ कोई भी समझौता नही होगा। महापौर कक्ष में आयोजित हुई निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक में कार्यपालन यंत्री ,सहायक यंत्री , कनिष्ठ यंत्री उपस्थित रहे। इस बैठक के माध्यम से निर्माण कार्यों की समीक्षा हुई। निर्माण कार्यों का बारीकी से अवलोकन करते हुए महापौर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि निर्माण कार्य समय.सीमा के भीतर पूर्ण होने चाहिए। गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

कमिश्नर के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले मैहर के डॉक्टर

कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिये निर्देश

जागरण सतना। मैहर अस्पताल में पदस्थ ज्यादातर डॉक्टर अपनी मनमानी से बाज नही आते वे आये दिन अनुपस्थित रहते है मगर बुधवार को उनकी मनमानी कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद ने उस समय पकड़ लिया जब वे अस्पताल के औचक निरीक्षण पर पहुच गये। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले डॉक्टरो के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये कमिश्नर ने कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये है। इस दौरान कमिश्नर ने मत्स्य बीज उत्पादन की जानकारी ली और स्पान, फ्राई मत्स्य बीज वितरण के शत-प्रतिशत लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर मैहर रानी बाटड, अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम दिव्या पटेल, तहसीलदार जितेन्द्र पटेल, सहायक संचालक मत्स्य उद्योग प्रक्षेत्र पोडी सुरंजन सिंह, सहायक संचालक मत्स्य अंजना सिंह भी उपस्थित रहे। अस्पताल के निरीक्षण अवसर पर संभागायुक्त ने मरीजो से बातचीत कर फीड बैक भी लिया है।

कमिश्नर रीवा बीएस जामोद ने एशिया के सबसे बड़े मत्स्य प्रक्षेत्र मैहर जिले के पोडी मत्स्य प्रक्षेत्र का निरीक्षण कर बंगला बांध, एक्यूबेशन पूल, पैकिंग स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने हैचरी में मत्स्य बीज उत्पादन की प्रक्रिया, मत्स्य बीज पैकिंग की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी ली। मत्स्य बीज प्रक्षेत्र के सहायक संचालक सुरंजन सिंह ने बताया कि इस वर्ष मत्स्य बीज उत्पादन के लक्ष्य 42 करोड़ के विरुद्ध 32 करोड़ मत्स्य बीज वितरण की पूर्ति कर ली गई है। इसी प्रकार स्पान, फ्राई वितरण के लक्ष्य 225 लाख फ्राई के विरुद्ध 66 लाख मत्स्य बीज स्पान, फ्राई का वितरण कर लिया गया है। इस माह के अंत तक शेष लक्ष्य भी पूरा कर लिया जाएगा। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एल के तिवारी और प्रभारी सिविल हॉस्पिटल आरएन पाण्डेय भी उपस्थित रहे।

मैहर नगर की सड़कों की स्थिति पर लोक निर्माण और नगर पालिका अधिकारी को नोटिस

जागरण सतना। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने बुधवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में धरती आबा अभियान के तहत जिले के चयनित सभी गांवों में माह के अंत तक पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के लाभ से शत-प्रतिशत सेचुरेशन करने के निर्देश दिए है। उन्होंने नगर पालिका क्षेत्र मैहर की सड़कों की स्थिति पर कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग और मुख्य नगर पालिका अधिकारी पर अप्रसन्नता जाहिर करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा नोटिस की प्रति संबंधित विभाग के प्रमुख सचिव को भेजने के लिए कहा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम मैहर दिव्या पटेल, एसडीएम रामनगर एसपी मिश्रा, सीएमएचओ डॉ. एलके तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह, सहायक संचालक उद्यान अनिल सिंह सहित जिला और अनुभाग स्तर के विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि विधानसभा की कृषि विकास समिति 21 अगस्त को मैहर जिले के अध्ययन भ्रमण पर रहेगी। सभी संबंधित अधिकारी विभागीय गतिविधियों एवं प्रगति की जानकारी के साथ समिति के भ्रमण के दौरान उपस्थित रहेंगे। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि जनजातीय विभाग, जल संसाधन जैसे विभाग 4-5 कुल शिकायतें होने पर भी सी और डी श्रेणी में बने हुए है। सभी विभाग आज शाम तक मेहनत कर आधिकाधिक शिकायतों का निराकरण कराये।

कलेक्टर ने किया उर्वरक वितरण केन्द्रों का निरीक्षण

जागरण सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बुधवार को सतना स्थित शेरगंज और सिविल लाइंस के मार्कफेड गोदाम का निरीक्षण कर किसानों को केंद्रों से खाद वितरण व्यवस्था का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने टोकन काउंटर भी देखे तथा किसानों से बातचीत कर व्यवस्था का फीड बैक लिया। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देश पर अपर कलेक्टर विकास सिंह ने सतना जिले के उर्वरक वितरण केन्द्र और प्राइवेट विक्रय संस्थायो में किसानों को सही रेट पर सुगमता से खाद वितरण कराने तहसीलदारों की डयूटी भी लगाई है। जिसमें संबंधित कार्यपालिक मजिस्ट्रेट वितरण स्थल पर कानून और व्यवस्था भी देखेंगे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम राहुल सिलाडिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंधी कैम्प क्षेत्र में नगर निगम ने जब्त की पॉलीथिन

जागरण सतना। बुधवार को नगर निगम के स्वास्थ विभाग की टीम ने वार्ड क्रमांक 21 सिंधी कैंप कमर्शियल क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अवैध पॉलीथीन जब्ती की कार्यवाही की गई साथ ही मां काली कार्पोरेशन को 1000 रुपए एवं अनिल कुमार वाधवानी को 500 रुपए का स्पॉट फाइन भी लगाया गया। उक्त कार्यवाही स्वच्छता अधिकारी अरविन्द प्रताप सिंह के नेतृत्व में स्वच्छता निरीक्षक राम किशोर मिश्रा स्वच्छता पर्यवेक्षक महेन्द्र सिंह हरभजन सिंह के साथ स्वच्छता विभाग के अन्य कर्मचारियों द्वारा की गई।

किसानों को उर्वरक वितरण एवं कानून व्यवस्था हेतु 9 अधिकारी 18 पटवारी नियुक्त

जागरण सतना। अपर कलेक्टर सतना विकास सिंह ने सतना जिले के विभिन्न सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रों के माध्यम से किये जा रहे उर्वरक वितरण कार्य के सुचारू संचालन, कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने हेतु 9 अधिकारी 18 पटवरियों की डयूटी लगाई गई है। अपर कलेक्टर एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार रघुराजनगर सतना की म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित भण्डारण केन्द्र शेरगंज एवं राधे-राधे ट्रेडर्स कोठी के लिए नायब तहसीलदार सौरभ द्विवेदी एवं अजय सिंह पटवारी बाबूपुर एवं प्रवीण सिंह पटेल पटवारी कोठी, म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित भण्डारण केन्द्र सिविल लाइन हेतु प्रभारी नायब तहसीलदार राजेश सिंह, पटवारी सतना सुरेश बागरी तथा पटवारी मझगवां राजेश प्रजापति को नियुक्त किया है। म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित भण्डारण केन्द्र उचेहरा एवं एमपी एग्रो उचेहरा हेतु प्रभारी नायब तहसीलदार परमानंद तिवारी, राजेन्द्र सिंह पटवारी उचेहरा एवं चुन्नीलाल प्रजापति पटवारी पोडी, विपणन सहकारी समिति अबेर हेतु सुजीत नागेश नायब तहसीलदार, राजकुमार सिंह पटवारी अबेर एवं अतुल मिश्रा पटवारी इटौर की डयूटी लगाई है। म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित भण्डारण केन्द्र नागौद हेतुयादवेन्द्रमणि त्रिपाठी प्रभारी नायब तहसीलदार, हेमंत सिंह पटवारी सेमरवारा एवं रामनिहोर आरख पटवारी बारापत्थर की डयूटी लगाई हे। न्यू किसान कृषि सेवा केन्द्र बिरसिंहपुर, पाण्डेय खाद बीज भण्डार मेहुती-बिरसिंहपुर एवं गैवीनाथ विपणन सहकारी समिति बिरसिंहपुर हेतु शैलेन्द्र बिहारी शर्मा तहसीलदार, पटवारी हरिओम उरमलिया एवं पटवारी धनीराम प्रजापति को नियुक्त किया है। एमपी एग्रो सतना हेतु सौरभ मिश्रा तहसीलदार रघुराजनगर, पटवारी विजय बहादुर सिंह एवं पटवारी बरदाडीह रामभजन गौतम, श्रीराम फर्टिलाइजर किटहा-मझगवां हेतु हिमांशु शुक्ला प्रभारी तहसीलदार, पटवारी आशीष सिंह एवं पटवारी बृजेश निगम तथा सिंह महिला स्व-सहायता समूह कंदैला, द्विवेदी एग्रो कंदैला, राघव कृषि सेवा केन्द्र रामपुर बघेलान, मोक्ष किसान सेवा केन्द्र एवं शंकर द्विवेदी खाद भण्डार रामपुर बघेलान हेतु नायब तहसीलदार मंगलेश्वर सिंह, पटवारी नारेन्द्र पाण्डेय तथा पटवारी शिवचरण सिंह की डयूटी लगाई गई है। नियुक्त किये गये अधिकारी-कर्मचारी संबंधित उर्वरक वितरण केन्द्र के दौरान रहकर पुलिस, कृषि के अधिकारी-कर्मचारियों व वितरण केन्द्र प्रभारी के सहयोग से सुचारू रूप से खाद वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

कैंसर OPD
नागपुर के प्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ अब आपके शहर रीवा में
23 अगस्त 2025, शनिवार
प्रत्येक माह के पहले शनिवार को, रीवा में
समयः सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक
डॉ. भास्कर सिंह
MBBS, MS, FMAS, DNB कैंसर विशेषज्ञ (सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट)
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
पंजीयन प्रारम्भ - निःशुल्क पंजीयन
मो.: 9399312433, 9981287311

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर
डॉ. सिद्धार्थ तिवारी
MBBS, MD (Dermatology & STD)
परामर्श शुल्क मात्र 300/-
मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ट, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
कामता मेडिकल
ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.)
9399312433
9981287311

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ
डॉ. कोम्पल अग्रवाल
MBBS, MD (Dermatology & STD)
चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ
परामर्शः- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुंहासे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।
मो.-7247097637
सौन्दर्य क्लीनिक

प्रवेश प्रारंभ 2025-26
SARDAR PATEL EDUCATION GROUP
सी.एस.यू. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रीवा (म.प्र.)
सी.एस.यू. कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी रीवा (म.प्र.)
D. PHARMACY
B. PHARMACY
POLYTECHNIC
ME | CE | CSE | EEE | MINING
+91 70493 99901, 70493 99902
7049399904

श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ फार्मेसी
पीसीआई/9649 द्वारा अनुमोदित, आरजीपीवी भोपाल द्वारा संबद्ध
डी. फार्मा
DTE Counselling Code: 608
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-
पता- ग्राम देवरा, गुरुकुल स्कूल के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
मो.: 9584324641,6262084843,7470944611

बैद्यनाथ काढ़ा
बदलते मौसम में उपयुक्त
घुटनों का दर्द
मॉसपेशियों का दर्द
हाथ-पैर अकड़ना
हरारत
बदन दर्द
आँखें लाल होना
महारास्नादि काढ़ा
महासुदर्शन काढ़ा
वैद्यकीय सलाह : 844 844 4935
www.baidyanath.co

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर)
(निः संतान दंपत्तियों के लिए)
डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा
स्त्री एवं प्रसुति रोग
मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध
टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

Dr. Juneja's पेट सफा
Natural Laxative Granules & Tablets
अगर आप भी कब्ज़, गैस, एसिडिटी जैसी समस्या से परेशान है तो आज ही लीजिए, पेट सफा ग्रेन्यूल्स/टेबलेट्स। यह मुंह में चिपकता नहीं। सोने से पहले खाएं और आराम पाएं।
सहायक है: कब्ज़ गैस एसिडिटी
24x7 Helpline: 91197 88888
www.petsaffa.com
Available at all medical & general stores

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 सतना - 9993315949 सीधी-7089620900 सिंगरौली-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com